2 फरीदाबाद
कोरोना की वजह से भ्रष्टाचार के मामलों की जांच लंबित

6 अभिमत
इस्राइल-हमास युद्ध की विभीषिका

9 देश/विदेश
प्रधानमंत्री से कड़े सवाल पूछे जाएंगे हमें भी गिरफ्तार करें : कांग्रेस

11 स्पोर्ट्स
'कोच मेरे लिए ट्रेनिंग में मैच जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं'

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 100
फरीदाबाद, सोमवार, 17 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

ध्यान की शक्ति
पेज - 12

सरकारी कामकाज संबंधी मैनेजमेंट ध्वस्त, नहीं हो रहे काम

पांच गुणा बढ़े केस, प्रदेश में लॉकडाउन फिर 24 मई तक

शुरुआती समय में लॉकडाउन लगाते तो नहीं मारे जाते निर्दोष

सरकारी कामकाज का मैनेजमेंट भी ध्वस्त हुआ

ऑनलाइन कामकाज वाले सभी कार्य भी ठप पड़े

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री कितने अनुभवी है और दूरदर्शी है, इसका अंदाजा तो प्रदेश की जनता लगा ही चुकी है। जिस वक्त कोरोना अपनी पूरी रफ्तार से लोगों को अपने आगोश में ले रहा था, तब प्रदेश के सीएम सीना ठोंककर कहते थे कि हम लॉकडाउन की राह पर नहीं जाएंगे। जब लोग मरने लगे, श्मशानों से बाहर सड़क-फुटपाथ-पार्कों में चिताएं जलने लगीं, तब लॉकडाउन की सुध आई। रविवार को फिर घोषणा की गई है कि हरियाणा में तीन मई से चल रहा लॉकडाउन फिर बढ़ा दिया है। राज्य में 24 मई तक लॉकडाउन जारी रहेगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पानीपत में की। इसके बाद राज्य के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने भी महामारी अलर्ट को बढ़ाने संबंधी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। उन्होंने लिखा कि इस बार लॉकडाउन में और सख्ती बरती जाएगी।

एक दूसरी बात यह भी है कि अधिकांश सरकारी कामकाज ऑनलाइन पोर्टल पर आ चुके हैं। प्रदेश के 90 फीसदी विभागों में कामकाज पूरी तरह ठप है। सरकार की निष्क्रिय प्रणाली, अदूरदर्शिता और खराब प्रबंधन का ही नतीजा है कि कोरोना काल में जिन लोगों के जरूरी सरकारी कामकाज हैं, वे भी रुके पड़े हैं। अवसादग्रस्त लोग जरूरी कार्य नहीं होने के कारण भी बेहद ज्यादा परेशान हैं। भुगतान वसूलने संबंधी, चालान वसूलने संबंधी और तमाम तरह के पेनॉल्टी शुल्क वसूलने के लिए तो सरकार के सभी ऑनलाइन पोर्टल चालू हैं, लेकिन बाकि कामकाजों के लिए सभी सरकारी दफ्तरों में बाबू मस्ती मारते नजर आते हैं। कोरोना प्रबंधन में फेल साबित हुई सरकार की इस अन्य नाकामी को भी लोग बखूबी देख रहे हैं।

अस्पतालों ने पूरी ताकत के साथ संभाला मोर्चा

पानीपत में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर मार्च से शुरू हुई। रोज के 16 हजार केस भी आए। पिछली बार से पांच गुणा केस बढ़े। इस लहर के बारे में ऐसा सोचा नहीं था। चूंकि पिछला अनुभव था। अस्पतालों ने पूरी ताकत के साथ अपना मोर्चा संभाला। हमें सबसे ज्यादा कठिनाई ऑक्सीजन सप्लाई की आई। तब ये विचार आया कि जहां-जहां ऑक्सीजन गैस का उत्पादन है, वहां पर अस्पताल बनाकर इस संकट से बच सकते हैं। सभी विभागों ने मिलकर इस प्रोजेक्ट को मात्र बीस दिन में पूरा कर दिया। बाल जाटान की पंचायत ने बेहद जल्द स्थान उपलब्ध कराया। इसी पंचायत ने पिछले वर्ष साढ़े दस करोड़ कोरोना रिलीफ फंड में सौंपे। इस बार भी डेढ़ करोड़ दिए।

मुख्यमंत्री खट्टर ने की चीन की तारीफ

मनोहर लाल ने कहा कि हम ये चीन में तो सुनते थे कि वहां इतनी जल्दी अस्पताल बन गया। हमने यहां भी करके दिखा दिया। एक ही दिन में 1400 बेड की बढ़ोतरी की है। अब हरियाणा में 19 हजार बेड हो जाएंगे। इनकी संख्या बढ़ती जाएगी। सामाजिक संस्थाएं आगे आई हैं। सरकारी व्यवस्था को और बेहतर करेंगे। आइसोलेशन वार्ड के लिए 45 हजार बेड की व्यवस्था की जा रही है। उम्मीद करता हूं कि ये दूसरी लहर अब थम रही है। हालांकि अब तीसरी लहर की बात होने लगी है। ये आए या न आए, कुछ नहीं कह सकते। अनहोनी होती है तो हम पहले ही तैयारी करके रखेंगे।

बढ़ रहा ब्लैक फंगस 60 केस सामने आए

सीएम मनोहर लाल ने कहा, ब्लैक फंगस के केस बढ़ने शुरू हो गए हैं। हरियाणा में 60 केस आए हैं। ब्लैक फंगस के इलाज के लिए चार मेडिकल कॉलेज में वार्ड तैयार किए हैं। इनमें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज हिसार, कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज करनाल, पीजीआइ रोहतक और गुरुग्राम केंद्र शामिल है।

कोविड अस्पताल का शुभारंभ करते समय सीएम का विरोध, लाठीचार्ज

हिसार/हांसी। हिसार में रविवार को 500 बिस्तर की क्षमता वाले अस्थायी कोविड अस्पताल का उद्घाटन करने पहुंचने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। यहां खेती कानूनों का विरोध कर रहे आंदोलनकारी किसानों ने पुलिस पर हमला कर दिया। एक डीएसपी को भी मार-पीटकर घायल कर दिया। बड़ी मुश्किल से पुलिस ने लाठीचार्ज करके हालात पर काबू पाया। इस दौरान करीब आधा घंटा हाईवे जाम रहा।

हिसार में ओपी जिंदल मॉडर्न स्कूल में करीब 28 करोड़ रुपये से अस्थायी तौर पर चौधरी देवी लाल संजीवनी अस्पताल का निर्माण किया गया है। रविवार सुबह करीब 11 बजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अस्पताल का शुभारंभ किया और हेलिकॉप्टर से चले गए। जब रामायण टोल और सातरोड़ नहर के पास जुटे आंदोलनकारी किसानों को पता चला तो वो जिंदल स्कूल की तरफ बढ़े। करीब 18 किमी की दूरी तय कर किसान समारोह स्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की। दोनों तरफ से हुई झड़प में आंदोलनकारियों ने डीएसपी अभिमन्यु को भी पीट दिया। मामला गरमाता देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। लाठीचार्ज भी किया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हिसार के अलावा हांसी में किसानों को रोकने के लिए दो नाके लगा रखे थे। पहला हांसी बाईपास पर दूसरा टोल प्लाजा पर था। भिवानी, बवानीखेड़ा और नारनौंद की तरफ के किसान हिसार आ रहे थे। आंदोलनकारियों ने पुलिस के नाकों को ट्रैक्टरों से तोड़ दिया। आंदोलनकारियों को उग्र होता देख पुलिस ने भी रोकने का प्रयास नहीं किया। किसानों की संख्या काफी ज्यादा थी। आंदोलनकारी हांसी से भी हिसार की तरफ कूच कर रहे हैं। दोपहर में स्थिति थोड़ी सामान्य हुई है।

तूफान से मौतें : केरल में भारी बारिश, गोवा में बिजली गुल महाराष्ट्र और गुजरात में अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

गुजरात और महाराष्ट्र समेत सात राज्यों पर अरब सागर में बन रहे चक्रवात 'तौकते' का खतरा मंडरा रहा है। कर्नाटक के 6 जिलों पर इसका काफी बुरा असर पड़ा है। इन जिलों के 73 गांव इससे प्रभावित हुए हैं। राज्य में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। इन 6 जिलों में से 3 समुद्री सीमा से सटे हैं। सभी में पिछले 24 घंटों से भारी बारिश हो रही है। यहां 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

तूफान के कारण गोवा के कई जिलों में पावर सप्लाई कट हो गई है। वहीं, केरल के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक तूफान गोवा के तटीय क्षेत्र से टकरा गया है। अब वह गुजरात की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस वजह से मुंबई सहित उत्तरी कोंकण में कुछ स्थानों पर रविवार से ही तेज हवा के साथ भारी बारिश हो सकती है। अलर्ट के चलते बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को कोविड केयर सेंटर से 580 मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना पड़ा। बीकेसी से 243, दहिसर से 183 और मुलुंड से 154 मरीजों को निकाला गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 12 घंटों के दौरान इसके बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। यह तूफान 18 मई की सुबह गुजरात के पोरबंदर और महुआ कोस्ट के बीच से गुजरेगा। इस बीच गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवात को लेकर अहम बैठक बुलाई। इसमें राहत और बचाव कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस वर्चुअल बैठक में महाराष्ट्र और गुजरात के मुख्यमंत्रियों के अलावा दमन और दीव और दादरा नगर हवेली के अधिकारी भी इसमें शामिल हुए।

● विस्तृत खबर पेज-09

आईआईटी प्रोफेसर बोले

दिसंबर तक देश में हर्ड इम्यूनिटी आएगी, 70 फीसद आबादी में एंटीबॉडी बनेगी

एजेंसी। लखनऊ

देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच राहत की खबर है। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) के सेक्रेटरी और आईआईटी कानपुर के सीनियर प्रोफेसर डॉ. आशुतोष शर्मा का कहना है कि दिसंबर तक देश में हर्ड इम्यूनिटी तैयार हो जाएगी। तब 60 से 70 फीसद आबादी में एंटीबॉडी डेवलप हो जाएंगी। इससे संक्रमण के ट्रांसमिशन की स्पीड काफी कम हो जाएगी। प्रो. शर्मा ने कहा कि अगर सबकुछ प्लानिंग से चलता रहा तो देश जल्द ही इस महामारी को मात दे देगा।

प्रो. शर्मा ने कहा कि अभी हालात ऐसे हैं कि वैक्सीनेशन के बाद भी लोगों को मास्क पहनना पड़ेगा। मौजूदा समय में वायरस के अलग-अलग म्यूटेंट आ रहे हैं। पिछले फेज में एक्सपर्ट्स और प्लानिंग कमेटी इसका अंदाजा नहीं लगा पाई थी। यही कारण है कि दूसरा फेज काफी ज्यादा खतरनाक हो गया। अब आगे के लिए हम सभी को सतर्क रहना होगा। हमारा भविष्य हमारे व्यवहार पर काफी हद तक निर्भर करेगा। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, वैक्सीनेशन की भूमिका काफी ज्यादा है। प्रो. आशुतोष ने बताया कि यूके, ब्राजील और भारत में मिले वायरस के नए म्यूटेंट्स पर भी वैक्सीन असरदार हैं। इसलिए सभी को बिना डरे वैक्सीन लगवानी चाहिए।

हरियाणा में और बढ़ाई जाए ऑक्सीजन की मात्रा : अनिल विज

अनिल विज ने कहा कि हम केंद्र सरकार से मांग कर रहे हैं कि ऑक्सीजन की मात्रा हरियाणा के लिए और बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में ऑक्सीजन का कोटा बढ़ा है। अगर हमें और बेड बढ़ाने हैं, अस्पताल बढ़ाने हैं तो और अधिक ऑक्सीजन की जरूरत होगी। इसके लिए केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। पानीपत के गांव बाल जाटान की पंचायती भूमि पर 18 करोड़ से अधिक की लागत से बने गुरु तेग बहादुर संजीवनी कोविड अस्पताल का रविवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, गृहमंत्री अनिल विज शुभारंभ करने पहुंचे थे।

कोरोना पीड़ितों को तनाव मुक्त करेंगे मनोवैज्ञानिक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कोरोना महामारी के कारण तनावग्रस्त होने वाले लोगों को मानसिक रूप से संबल देने के लिए मनोवैज्ञानिकों की ड्यूटी लगाई है, जिनसे पीड़ित व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग की हेल्पलाइन के माध्यम से परामर्श ले सकता है। सरकारी प्रवक्ता ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए थे कि कोरोना महामारी से पीड़ित होने के कारण जिन लोगों में तनाव की समस्या हो जाती है, उनके तनाव को दूर करना आवश्यक है ताकि उनमें मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न न हों।

सरकार ने हेल्पलाइन पर तैनात किए 12 मनोवैज्ञानिक

मुख्यमंत्री ने कहा था कि ऐसे पीड़ित लोगों को स्वस्थ रखने के लिए परामर्श से संबंधित कोई व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग ने आज से राज्य कोविड हेल्पलाइन नंबर 1075 और 855889311 में आईवीआर-6 (इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस-6) जोड़ दिया है। यह हेल्पलाइन कॉल करने वाले एक पीड़ित व्यक्ति को एक मनोवैज्ञानिक से जोड़ती है, जो उन्हें जरूरत के अनुसार सलाह देता है। प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान में ऐसे 12 मनोवैज्ञानिकों की ड्यूटी लगाई गई है जो सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक अलग-अलग समय-स्लॉट में उपलब्ध रहेंगे। इन मनोवैज्ञानिकों को कल ट्रेनिंग भी दी गई है कि पीड़ित व्यक्तियों से कैसे व्यवहार करना है।

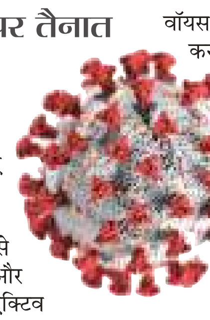

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 39.08°C
न्यूनतम 28.00°C

क्विक न्यूज

आज खुलेंगे केदारनाथ के कपाट, पीएम करेंगे पूजा

देहरादून। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ के कपाट छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को सुबह पांच बजे खोल दिए जाएंगे, जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की जाएगी। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 के कारण कपाटोद्घाटन के दौरान श्रद्धालु उपस्थित नहीं रह पाएंगे और तीर्थ पुरोहितों समेत सीमित लोगों की मौजूदगी में विधि विधान के साथ कपाट खोलने का समारोह होगा।

इजराइली हवाई हमले की पत्रकार संगठनों ने निंदा की

नई दिल्ली। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) सहित भारतीय पत्रकार संगठनों ने गाजा में उस भवन पर इजराइल के हवाई हमले की रविवार को निंदा की जहां एसोसिएटेड प्रेस (एपी), अल-जजीरा और अन्य मीडिया संगठनों के कार्यालय हैं। ईजीआई ने एक बयान में कहा, हाल में इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में वह इस हवाई हमले को इजराइल सरकार द्वारा खबरिया मीडिया पर वास्तविक हमले के रूप में देखती है।

भारत को 5.3 लाख रेमडेसिविर शीशियां 13496 आक्सीजन सिलेंडर

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि वैश्विक सहायता के रूप में प्राप्त 11,058 ऑक्सीजन सांद्रक, 13,496 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और करीब 5.3 लाख रेमडेसिविर शीशियों को 27 अप्रैल से 15 मई तक विभिन्न राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों को वितरित किया गया है। महामारी के प्रकोप से निपटने के भारत के प्रयासों को बढ़ाने के लिए 27 अप्रैल से विभिन्न देशों और संगठनों से अंतरराष्ट्रीय दान और कोविड-19 राहत चिकित्सा आपूर्ति और उपकरणों की सहायता मिल रही है।

यूपी सीएम ने तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कीं

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आई है और सरकार ने इस महामारी की तीसरी लहर से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ब्लैक फंगस को लेकर काफी गंभीर है तथा इसके उपचार के लिए एक विशेष योजना बनाई गई है। गौतमबुद्धनगर पहुंचे आदित्यनाथ ने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद आशंका व्यक्त की जा रही है कि इस

महामारी की तीसरी लहर आनी है। उन्होंने कहा कि बच्चों तथा महिलाओं को इस संक्रमण से ज्यादा खतरा बताया जा रहा और इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं तथा बच्चों के लिए समर्पित अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं और 102 नंबर की 2200 एंबुलेंस को महिलाओं तथा बच्चों के उपचार के लिए समर्पित किया गया है।

इजरायल-हमास संघर्ष पोप फ्रांसिस ने की हिंसा की निंदा

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने इजरायल और फलस्तीनियों के बीच 'अस्वीकार्य' हिंसा की कड़ी निंदा की। कहा, खासतौर पर बच्चों की मौत 'संकेत है कि वे भविष्य का निर्माण नहीं करना चाहते हैं, बल्कि विध्वंस करना चाहते हैं। पोप फ्रांसिस ने रविवार को सेंट पीटर स्क्वॉयर की ओर खुलती खिड़की से आशीर्वाद देने के कार्यक्रम में शांति, संयम और वार्ता के रास्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की प्रार्थना की। उन्होंने कहा, 'मैंने खुद से पूछा, इस नफरत और बदले से आखिर हमें क्या मिलेगा? क्या हम सच में मानते हैं कि हम अन्य को नष्ट कर शांति प्राप्त कर सकते हैं?' 'ईश्वर के नाम पर जिसने हम सभी इंसानों को बराबर हक, कर्तव्य और सम्मान के साथ बनाया और भाई की तरह रहने का निर्देश दिया, मैं अपील करता हूं कि इस हिंसा को जल्द से जल्द बंद किया जाए।'

हॉट-स्पॉट गांवों पर रहेगा फोकस, घर-घर देंगे दस्तक

फरीदाबाद के 152 गांवों को 108 थर्मामीटर और 113 ऑक्सीमीटर की सौगात

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

ऐसा कहा जा रहा है कि हरियाणा के गांवों में लगातार बढ़ रहे संक्रमण को रोकने के लिए प्रदेश सरकार भी अब अलर्ट हो गई है। सरकार ने रविवार को प्रदेश के सात हजार गांवों में दवाइयां तथा स्वास्थ्य उपकरणों की खेप को रवाना कर दिया है, जिसमें पैरासिटामोल, विटामिन-सी और डी के अलावा कोरोना से बचाव के लिए इस्तेमाल होने वाली कई तरह की दवाइयों का स्टॉक गांवों में भेजा गया है। सरकार ने सात हजार गांवों में महज पांच हजार थर्मामीटर तथा 5200 ऑक्सीमीटर भेजे गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा की ओर से इस बाबत प्रदेश के सभी जिलों के डीसी और सिविल सर्जन (सीएमओ) को पत्र भी लिखा है। उन्हें गांवों में बुखार, खांसी और जुकाम से पीड़ित मरीजों के टेस्ट व स्क्रीनिंग करवाने को कहा है। इसके लिए सरकार ने आठ हजार के करीब टीमों का गठन किया है।

इन गांवों में भेजा यह सामान

जिला	गांव	थर्मामीटर	ऑक्सी मीटर
अंबाला	486	347	361
भिवानी	330	235	245
चरखी दादरी	120	086	089
फरीदाबाद	152	108	113
फतेहाबाद	249	178	185
गुरुग्राम	254	181	188
हिसार	281	201	209
झज्जर	265	189	197
जींद	312	223	232
कैथल	274	196	203
करनाल	442	315	328
कुरुक्षेत्र	420	300	312
महेंद्रगढ़	375	268	278

जिला	गांव	थर्मामीटर	ऑक्सी मीटर
नूंह	447	319	332
पलवल	287	205	213
पंचकूला	228	163	169
पानीपत	200	143	148
रेवाड़ी	412	294	306
रोहतक	148	106	110
सिरसा	335	239	249
सोनीपत	342	244	254
यमुनानगर	648	462	481
कुल	7007	5000	5200

07 हजार गांवों में विटामिन-सी, डी पैरासिटामोल समेत कई दवाइयां भेजी

गांवों में लोगों की स्क्रीनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के लिए वरिष्ठ चिकित्सक सुमित मोर तथा दवाइयों के प्रबंध के लिए डॉ. सुचिता को इंचार्ज बनाया है। सभी जिलों के सीएमओ को निर्देश दिए हैं कि अगर उन्हें किसी भी चीज की जरूरत है, तो इन दोनों डॉक्टरों से संपर्क किया जा सकता है। कोविड-19 को देखते हुए सरकार ने एचवीजीएचसीएस (हरियाणा विलेजर्स जनरल हेल्थ चेकअप स्कीम) लांच की है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित की गई टीमों को निर्देश दिए हैं कि हेल्थ चेकअप के दौरान कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों को गांवों में बनाए गए आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट किया जाएगा। सरकार ने शुरुआत में 1000 हॉटस्पॉट गांवों में आइसोलेशन सेंटर स्थापित किए हैं। बाकी गांवों में भी आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए डीसी को निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने गांवों में मरीजों के उपचार के लिए पहले चरण में पैरासिटामोल की दो लाख गोलियां भेजी हैं। इसी तरह से विटामिन-सी और ओआरएस घोल के दो लाख पाऊच भेजे है। डॉक्सीक्लाइन के दो लाख कैप्सूल के अलावा बी-कॉम्पलैक्स की के एक लाख केप्सूल गांवों में भेजे हैं। विटामिन-डी के भी दो लाख पैकेट गांवों में भेजे हैं।

"गांवों में संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने 8 हजार टीमों का गठन किया है। ये टीमें गांवों में घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी। बुखार, खासी और जुकाम के मरीजों को दवाइयां दी जाएंगी। अगर कोविड-19 के लक्षण वाले संदिग्ध मरीज मिलते हैं तो उन्हें गांवों में बनाए गए आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट किया जाएगा। गंभीर मरीजों को उपमंडल और जिलों के अस्पतालों में रेफर किया जाएगा।

अनिल विज, स्वास्थ्य मंत्री।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, सोमवार, 17 मई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 39.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 27.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- मेट्रो अस्पताल में 100 बिस्तर नए बढ़ाने का कार्यक्रम सुबह 10 बजे।
- सभी जरूरी दुकाने सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक तथा शाम को 6 से 8 रहेंगी खुली।
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच सुबह 8 बजे से शुरू।
- बीके अस्पताल की ओपीडी सुबह 8 से 11 बजे तक।

निवेश गुरु

सोने-चांदी की कीमत में पिछ्ले कई दिनों स उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। सोना फिर से 48 हजार के करीब पहुंच गया है। सोने की कीमत में आई ये उतार-चढ़ाव के बीच सोने की मांग में भी तेजी लौट आई है। देश में घरेलू मांग बढ़ने से सोने के आयात में बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल 2021 में सोने के आयात में बढ़ोतरी हुई और ये उछाल तेजी के साथ 6.3 अरब डॉलर पहुंच गया। अगर कीमत की बात करें तो देशभर के सर्राफा बाजार में सोने की औसत कीमत 47757 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

यूटीलिटी न्यूज

152 लोगों को मुहैया करवाई ऑक्सीजन गैसः यशपाल

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सभी जरूरतमंदों को ऑक्सीजन गैस उपलब्ध करवाने का कार्य लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि रविवार के दिन 152 लोगों को ऑक्सीजन गैस मुहैया कराई गई। उन्होंने बताया कि सब कुछ पहले की तरह सामान्य चल रहा है और अब हमारे पास पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन गैस उपलब्ध है। जब से हमने ऑनलाइन प्रक्रिया आरंभ की है और इसमें पारदर्शिता आई है।जिला रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने बताया है कि पिछले कुछ दिनों से जिला रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से हम लोगों को सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं।

क्विक न्यूज

लापता किशोरी राजस्थान से बरामद

फरीदाबाद। मिसिंग पर्सन सेल सेक्टर 30 व थाना आदर्श नगर पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद से गुम हुई एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को राजस्थान के भिवाड़ी से बरामद करने में सफलता हासिल की है। आपको बताते चलें कि नाबालिग लड़की फरीदाबाद से दिनांक 28 अप्रैल 2021 को घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। पुलिस को सूचना मिलने पर तुरंत प्रभाव से थाना आदर्श नगर में मामला दर्ज कर टीम गठित कर नाबालिग लड़की की तलाश करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी थी।

वायुमंडल की शुद्धि के लिए हवन रथ यात्रा का आयोजन

फरीदाबाद। वायुमंडल को विषाणु और जीवाणुओं से मुक्ति दिलवाने के लिए किए गए हवन रथ यात्रा कार्यक्रम को सेक्टर 55 निवासियों के सहयोग से भरपूर सफलता प्राप्त हुई। समाजसेवी गुरमीत सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम को हम पहले सीमित रूप में किसी पार्क में करने के इच्छुक थे। लेकिन कुछ महानुभावों द्वारा जिस प्रकार सहयोग व समर्थन दिया गया, तो इसे विशाल रूप में पूरे सेक्टर में ही करने की योजना बनाकर और उन सभी को साथ लेकर करने का सहर्ष निर्णय लेना पड़ा। आज के कार्यक्रम की शुरुआत मकान नंबर 849 सेक्टर-55 ब्रह्मकुमारी आश्रम से उनकी संचालिका और ब्रह्मकुमारी दीदियों व मुकेश डागर, बलदेव राज मक्कड़, गुरमीत सिंह देओल, दयानंद विरमानी, अजय मनचंदा, संजय खट्टर, राजकुमार कौशिक, विकास हंस, गंगाराम गौतम, राम आर्य, श्रवण आर्य, आरसी पॉल, अजय वांचू, राजेंद्र कुमार, बजरंग लाल तोषनीवाल की अगुवाई में लगभग 18 किलो से अधिक देसी घी, 45 किलो हवन सामग्री, लगभग 70 किलो से आम की लकड़ी और एक रिक्शा ताजा नीम की पत्तियों का मिश्रण तीन हवन कुंडों में मिलकर हवन किया गया।

आपदा बनी अवसर

कोरोना की वजह से भ्रष्टाचार के मामलों की जांच लंबित

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के कई मामलों की जांच आपदा में कर दी लंबित

राजेश दास। फरीदाबाद

कोरोना की वजह से जहां एक तरफ लगातार लोगों की जान जा रही है। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी को कई तरह की परेशानियों का सामना करने को मजबूर होना पड़ रहा है। लेकिन कोरोना महामारी भ्रष्टाचार में लिप्त नगर निगम के अधिकारियों के लिए किसी अवसर से कम साबित नहीं हो रही है।

क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर शुरू होने से पहले ही नगर निगम में हाल ही में हुए भ्रष्टाचार के कई मामलों की जांच को लंबित कर दिया गया है। जिसका सीधा फायदा भ्रष्टाचारी अधिकारियों और निगम के ठेकेदारों को होने वाला है। क्योंकि सर्वविदित है कि निगम में एक बाद एक भ्रष्टाचार उजागर होते रहते हैं। पुराने मामलों को लंबित कर नए मामलों की जांच शुरू कर दी जाती है। जिसके कारण थोड़े ही दिनों में लोग पुराने मामलों को भूल जाते हैं। इन्हीं कारणों को वजह से निगम में उजागर हुए भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में लिप्त अधिकारियों पर आज तक कार्रवाई नहीं हो पाई है। वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जांच लंबित होने के बावजूद निगम अधिकारी प्रमोशन पर प्रमोशन लेते रहते हैं। जिससे न तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लग पा रहा है और न ही जनता को मूलभूत सुविधाएं मिल पा रही है।

नगर निगम मुख्यालय निर्माण घोटाला

नगर निगम में हुए घोटालों की लिस्ट काफी लंबी है। तत्कालीन निगमायुक्त मौहम्मद शाइन द्वारा निगम द्वारा बनवाई गई आरएमसी रोड अन्य कार्यो की जांच करवाने पर घोटालों की परते खुलती चली गई थी। हाल ही में नगर निगम मुख्यालय के भवन के निर्माण में भी घोटाला करने की बात उजागर हुई है। नगर निगम की तरफ सेक्टर 12 में लघुसचिवालय के निकट अपने नए भवन का निर्माण पिछले कुछ समय से करवाया जा रहा है। इस भवन के निर्माण का ठेका निगम की तरफ से 44 करोड़ रुपये में दिया गया था। अभी भवन के सिर्फ बेसमेट का ही निर्माण हो पाया था कि 22 करोड़ रुपये का घोटाला किए जाने का मामला उजागर हो गया। अन्य मामलों की तरह इसकी भी जांच के आदेश दिये गए थे। लेकिन इस बीच कोरोना महामारी का प्रकोप शुरू होते ही इसकी जांच को भी लंबित कर दिया गया है। इसी तरह ओल्ड फरीदाबाद में बनने वाले सरकारी अस्पताल के भवन निर्माण में भी घोटाला उजागर हो चुका है। लेकिन इस मामले की जांच भी अभी तक आगे नहीं बढ़ पाई है। ऐसे में स्पष्ट कहा जा सकता है कि कोरोना आपदा इन घटालों में शामिल निगम अधिकारियों और ठेकेदारों के लिए किसी अवसर से कम साबित नहीं हो रही है।

200 करोड़ का घोटाला भी लंबित

करीब एक साल पहले नगर निगम में बिना काम करवाए 50 करोड़ रुपये का भुगतान करने का घोटाला उजागर हुआ था। मामले की जांच शुरू होने पर रहस्यमय तरीके से निगम के रिकॉर्ड रूम में आग तक लग गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन निगमायुक्त यश गर्ग ने कमेटी गठित कर घोटाले की गहनता के साथ जांच करने के आदेश दिये थे। मामले की जांच कर रहे चीफ इंजीनियर ठाकुर लाल ने घोटाले की परते खोलनी शुरू की तो मामला 200 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस बीच सरकार ने ठाकुर लाल का तबादला कर दिया, लेकिन इसके बाद भी जांच पड़ताल चलती रही। कई महीनों की लंबी जांच पड़ताल के बाद निगम ने आउटसोर्सिंग के चार कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया और उच्चाधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए सरकार को पत्र लिखा था। लेकिन इसके बाद न उच्चाधिकारियों पर कोई कार्रवाई हुई और ही सरकार के आदेशों के बावजूद इसकी गहनता के साथ जांच पड़ताल हुई। इस बीच कोरोनाकाल शुरू होने के बाद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

पेरिफेरल रोड घोटाला अधर में

एनआईटी इलाके के लोगों को सुविधा देने को पेरिफेरल रोड के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री घोषणा के तहत 102 करोड़ रुपये की राशि भेजी गई थी। जिसमें से नगर निगम ने सड़क निर्माण के लिए 76 करोड़ रुपये का एस्टीमेट बनाकर ठेका जारी कर दिया, लेकिन ठेकेदार ने प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए नियमों को ताक पर रखकर सड़क के काफी बड़े हिस्से को तारकोल की जगह आरएमसी का बना दिया।

वहीं ठेकेदार द्वारा कई कार्य अधूरे भी छोड़ दिए गए थे। आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश चंद्र गोयल की शिकायत पर विजिलेंस ने गत वर्ष मामले की गहनता के साथ जांच पड़ताल शुरू की है। नौ दिसंबर 2020 को विजिलेंस टीम ने मौके का मुआयना करने के बाद नगर निगम मुख्यालय से इस सड़क से संबंधित कुछ रिकॉर्ड भी अपने कब्जे में लिया था।

इस दौरान सड़क के सैम्पल भी लिये गए थे। लेकिन कई महीने गुजर जाने के बाद भी इस मामले की न तो जांच पूरी हो पाई और न ही आरोपी ठेकेदार व अधिकारियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई की जा सकी है।

अवसर बनाने का मौका न दें

समाजसेवी विष्णु गोयल का कहना है कि उच्चाधिकारियों को चाहिए कि वे आपदा को अवसर बनने का मौका न दें। भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही अधिकारियों से उनकी ड्यूटी का सख्ती के साथ पालन करवाना चाहिए। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए लंबित पड़ी जांच पूरी करवा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवाने की बेहद जरूरत है।

पूर्व डिप्टी स्पीकर समेत अन्य दिवंगतों को दी वर्चुअल श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आज हरियाणा के खेल संघ ने पूर्व डिप्टी स्पीकर हरियाणा सरकार सतवीर कादियान पानीपत, रस्साकस्सी के राज्य महासचिव और जिला एथलेटिक संघ अम्बाला के सचिव गुरदयाल सिंह बाबा, पूर्व उप खेल निदेशक सुरेंद्र सिंह बूरा और उनकी धर्मपत्नी संतोष देवी भिवानी और मुंशी राम मलिक झज्जर को वर्चुअल श्रद्धांजलि अर्पित की। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला सिरसा ने कहा कि वैश्विक बीमारी कोराना के कारण हमारे चार खेल स्तम्भ इस दुनिया से विदा हो गए हैं, इसका उन्हें बेहद दुख है।

हरियाणा राज्य कराटे संघ के महासचिव नरेंद्र मोर पानीपत ने कहा कि चारों खेल दिवंगत आत्माओं ने उन्हें प्रत्येक खेल का बारीकी से ज्ञान कराया था और सभी दिवंगतों ने अपने अपने खेल को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। कहा कि वे सभी उनके दिलों में हमेशा रहेंगे। भारतीय एथलेटिक महासंघ के संयुक्त सचिव और एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव राजकुमार मिटान पानीपत ने कहा कि सभी दिवंगत अपने अपने खेलों के अच्छे ज्ञाता होने के साथ साथ अच्छे प्रशासक भी थे। भारतीय ड्रैगन बोट महासंघ के महासचिव प्रवीण कुमार यमुनानगर ने बताया कि वैश्विक बीमारी कोराना ने हमारे बीच में से चार खेल प्रतिनिधियों को इस दुनिया से विदा कर दिया है। इसका उन्हें बेहद दुख है। भगवान से सभी दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। एथलेटिक्स हरियाणा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान सिंह भादू हिसार ने दिवंगत आत्माओं के बारे में अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि चारों अपने समय के बेहतरीन खिलाड़ी रहे। उन सभी से उनके पारिवारिक रिश्ते बहुत अच्छे थे और वर्चुअल श्रद्धांजलि कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

वर्चुअल श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में एथलेटिक्स हरियाणा के प्रतियोगिता निदेशक जीतेंद्र बांगर पंचकुला, मुख्य चयनकर्ता यशपाल चोपडा पंचकुला, वरिष्ठ संयुक्त सचिव कुलदीप अहलावत जींद, सह सचिव मनोज कडवासरा,सह सचिव चरण सिंह राठी, तकनीकी कमेटी के चेयरमैन अर्जुन सिंह संधू गुरुग्राम, मीडिया कमेटी के चेयरमैन देवेंद्र कादियान, उपप्रधान राजेंदर सिंह मलिक झज्जर, एथलेटिक संघ कैथल के सचिव सोहनपाल,महेंदरगढ के जिला सचिव प्रदीप यादव, संदीप श्योकंद जींद, सुरेंद्र ढुल मुंढाल भिवानी,तेजवीर मान अम्बाला संजय शर्मा,राजू कनोह हिसार और जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आपदा में प्रशासन के साथ खड़े रहे हैं उद्योगपति और व्यापारी : यशपाल

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिला के सभी औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से हुए रूबरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि उद्योग व व्यापार हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और कोरोना आपदा के दौरान सभी उद्योगपति व व्यापारी प्रशासन के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिए अभी हमें कुछ दिन और लॉक डाउन की सख्ती करनी पड़ेगी। ऐसे में जिला प्रशासन की सभी उद्योगपतियों में व्यापारियों से अपील है कि वह कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

उपायुक्त यशपाल रविवार को शहर के सभी व्यापारियों वे औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए रूबरू थे। उपायुक्त यशपाल ने वीडियो कांफ्रेंस में कहा कि फरीदाबाद जिला के सभी उद्योगपति व्यापारी हमेशा प्रशासन की मदद के लिए खड़े रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले लॉकडाउन में भी सभी लोगों ने मिलकर हमें इस आपदा से निकाला था और इस वर्ष भी सभी का बेहतरीन सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बाजारों में कुछ जरूरी दुकानों को निश्चित समय के लिए खोलने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ समय की बात और है और सभी स्थितियां सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कुछ उद्योगपतियों द्वारा जरूरी उद्योगों में ऑक्सीजन की सप्लाई बहाल करने की मांग पर कहा कि अभी अस्पतालों में व जरूरतमंदों के पास ऑक्सीजन सप्लाई सामान्य है। उन्होंने कहा कि जरूरी उद्योगों में ऑक्सीजन सप्लाई पर फैसला कुछ समय बाद लिया जाएगा।

विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने किया ऑक्सीजन ऑन व्हील्स का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वर्तमान महामारी के दौरान जनता तक पहुंचने और वर्तमान संकट को दूर करने के लिए एक और पहल में माननीय न्यायमूर्ति श्री राजन गुप्ता, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने हालसा के प्रशासनिक भवन से "ऑक्सीजन ऑन व्हील्स " का उद्घाटन किया।

डालसा के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मंगलेश कुमार चौबे ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने रोटरी मिडटाउन चण्डीगढ़ और बडी कैब्स के सहयोग से जरूरतमंद व्यक्तियों को आवश्यक राहत प्रदान करने के उद्देश्य से इस परियोजना की शुरूआत की है। माननीय न्यायमूर्ति ने अपनी लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से मीडिया को संबोधित करते हुए समाज के सभी वर्गों से कोविड राहत कार्य में अपनी क्षमता के अनुसार अधिकतम योगदान देने का आह्वान किया। कोविड-19 महामारी ने हमारे जीवन को इस तरह से प्रभावित किया है जो हमारी पीढ़ी के लिए अज्ञात है। कोविड-19 की दूसरी लहर के आने से नागरिकों के जीवन की हानि और दुखों का विस्तार असहनीय एवं परेशान करने वाला हैं। हालांकि, कोविड-19 को भी हराया जा सकता है यदि हम सब संयुक्त रूप से कार्य करें और संयुक्त लड़ाई लड़कर एवं प्रभावी रणनीति बनाकर चुनौतियों का सामना करें।

रेडक्रॉस के आह्वान पर रक्तदान के लिए आगे आए सामाजिक संगठन

रक्तदान शिविरों में 21 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वैश्विक महामारी के चलते सभी ब्लड बैंक में रक्त का अभाव से जूझ रहा है। इन सभी को देखते हुए जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार ने सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक संगठनों से अपील की थी कि इस संकट की घड़ी में जो लोग बिल्कुल स्वस्थ हैं उन लोगों को जागृत करके रक्तदान दिलाने का कार्य करें। समाजसेवी विमल खंडेलवाल ने बताया कि इस संकट की घड़ी में समाज में सभी का दायित्व बनता है। कि हम सभी आगे आएं मानवता के नाते लोगों को जागृत करते हुए।

डोनेशन का काम करवाएं। क्योंकि बीके हॉस्पिटल में आर्थिक रूप से कमजोर हमारे भाई बहन ही इलाज करवाने आते हैं। अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए रक्तदान के लिए समाज के लोग आगे आए। इसी कड़ी में आज सिद्ध पीठ काली माता मंदिर के प्रधान राकेश कुमार ने एक छोटे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।जिसमें 11 कोरोना रक्त वीर योद्धाओं ने रक्तदान करके अपना मानव धर्म निभाया। शिव शंकर सेवा दल के प्रधान संजय शर्मा ने बीके हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसमें 10 कोरोना योद्धाओं ने रक्त दान देकर लोगों से भी अपील की। रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने इस नेक कार्य के लिए सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि आप सभी मानव धर्म को निभाते हुए ही है अच्छा कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में सचिव विकास कुमार, सिद्ध पीठ काली माता मंदिर के प्रधान राकेश कुमार, शिव शंकर सेवा दल के प्रधान संजय शर्मा, समाजसेवी विमल खंडेलवाल, नीरज अरोड़ा एवं अन्य समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

ब्लैक फंगस का एसएसबी अस्पताल ने किया सफल ऑप्रेशन

68 वर्षीय महिला को दिया नया जीवन, डा. एस.एस. बंसल ने की डाक्टरों की टीम की हौसला अफजाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजधानी दिल्ली से सटे फरीदाबाद में भी ब्लैक फंगस ने दस्तक दे दी है। हालांकि यहां पीड़ित 68 वर्षीय महिला का एसएसबी अस्पताल के डाक्टरों ने सफल आप्रेशन करके नई जिंदगी दी है।

एसएसबी अस्पताल के वरिष्ठ ईएनटी स्पेशिलिस्ट डॉ प्रशांत भारद्वाज ने बताया महिला 11 मई को फरीदाबाद के एसएसबी अस्पताल में ईएनटी ओपीडी में आई थी, महिला मरीज पिछले 2 दिनों से चेहरे के दाहिने हिस्से में सूजन, सुन्नता और दर्द से परेशान थी। उसकी नाक से खून का स्राव भी हो रहा था और दाहिनी आंख की रोशनी भी कम हो रही थी। महिला की 26 अप्रैल, 2021 को आरटी-पीसीआर की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी और वह 15 दिनों से घर पर स्टेरॉयड की हाई डोज ले रही थी। डा. भारद्वाज ने बताया कि महिला की जांच करने पर नाक के दोनों हिस्से मे काले रंग के बहुत सारे काली फंगल के टिस्सूस थे, बाएं नथुने की तुलना में दाहिनी नथुने में ज़्यादा टिस्सूस थे। महिला के चेहरे पर सुन्नपन भी मौजूद था और उनका ब्लड शुगर भी बढ़ा हुआ था। उसकी एमआरआइ, पीएनएस और ओरबिट रिपोर्ट ब्लैक फंगल संक्रमण का संकेत दे रही थी। उनकी आंखों की जांच भी की गयी जिसमें दाहिनी आंख की दृष्टि लगभग खत्म हो गई थी। डा. प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि ब्लैक फंगस संक्रमण को म्यूकरमायकोसिस कहते हैं। म्यूकरमायकोसिस एक बेहद दुर्लभ संक्रमण है, यह इन्फेक्शन मरीज़ की नाक में दाहिने तरफ मालिरी साईनस व इंफ्राटेम्परोल फोस्सा तक फैल चुका था। ब्लैक फंगस कोविड-19 संक्रमण और उसमे दी जानी वाली स्टेरॉइड्स की वजह से होता है। उन्होंने बताया कि सभी जांचों और फिटनेस क्लेरेन्स के बाद उन्हें 14 मई को सर्जरी के लिए ले जाया गया। सर्जरी के दौरान नाक की दोनों गुहाओं से ब्लैक फंगस और निकरोटिक डैड टिस्ससू को हटा दिया गया था। ज्यादा नुक्सान की वजह से दाहिने मैक्सिलरी साइनस की हड्डी को हटा दिया गया था। ऑपरेशन के बाद मरीज़ की सेहत की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और वह पिछले 3 दिनों से एंटीफंगल दवाइयां (एम्फोटेरिसिन बी) पर है जो सर्जरी से काफी पहले शुरू किया गया था। मरीज़ की हालत अब स्थिर है। एसएसबी अस्पताल के निदेशक एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डा. एस.एस. बंसल ने ब्लैक फंगल के सफल आप्रेशन पर अस्पताल के डाक्टरों व नर्सिंग स्टाफ को बधाई दी।

पायनियर
हमेशा सच के साथ
हरियाणा से प्रकाशित | हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शोक संदेश व श्रद्धांजलि प्रकाशन हेतु विज्ञापन बुक कराएं
निधन-अन्तिम यात्रा-पुण्यतिथि-उठावनी-पगड़ी

जो आपसे बिछड़ गए है उनकी याद में हम आपके दुख में सदैव साथ हैं।

बॉक्स साइज
कलर (प्रति विज्ञापन)

Size - 8x5 Sqcm. Rs. 600/-
Size - 8x10 Sqcm. Rs. 1200/-
Size - 12x10 Sqcm. Rs. 1800/-

पायनियर फरीदाबाद कार्यालय : 262-आई, सेक्टर- 24 फरीदाबाद।
मो. न. : 9582468441, 9871798095, Email ID : pioneeradvthr@gmail.com

कोरोना महामारी : 15 दिन में 612 मौतें, आंकड़े में मात्र 120 मौत

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मामलों में रोजाना कमी दशाई जा रही है। वहीं राहत की बात यह बताई जा रही है कि जिले में कोरोना के रोगियों की संख्या घटनी शुरू हो गई है। पिछले नौ-दस दिनों से तेजी से मरीज ठीक हो रहे है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ जिले में पिछले 15 दिनों में 612 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न श्मशानघाटों में किया गया है। वहीं आंकड़ों में 15 दिनों में मात्र 120 मृतकों का ही आंकड़ा दर्शाया गया है। इससे साफ है कि जिले में कोरोना का कहर अभी भी जारी है,

अब तक आंकड़े के मुताबिक मात्र जिले में 628 मौतें

लेकिन आंकड़ों को छिपाया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पूरे जिले में वर्ष 2020 से 15 मई 2021 तक मात्र 628 मृतक ही दर्शाए गए है। जबकि पिछले 15 दिनों में ही 612 पॉजिटिव मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया है।

सीएम के आदेश की अवहेलना

पिछले दिनों सीएम मनोहर लाल खट्टर ने फरीदाबाद जिले के छायंसा

में स्थित श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में 100 बिस्तर का अस्पताल शुरू करने की घोषणा के दौरान भी सरकारी अधिकारियों को जिले में मरने वालों की संख्या स्पष्ट करने के आदेश जारी किए थे। लेकिन इसके बाद भी जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लगातार आंकड़ों को कम दर्शाया जा रहा है।

जब स्वास्थ्य अधिकारी आंकड़ों में ही छेड़छाड़ कर रहे हैं तो कैसे माना जाए कि जिले में ठीक होने वालों और पॉजिटिव का आंकड़ा भी ठीक होगा। समाजसेवी संस्थाओं का कहना है कि लोग कोरोना के कारण घरों में ठीक नहीं हो पा रहे है और अधिकारी पूर्ण व्यवस्था होने की बात कह रहे है। यह तो सीएम के आदेशों की भी अह्वेलना मृतकों के आंकड़े कम करके कर रहे है।

ये हैं वास्तविक आंकड़े

माह	मौत	विभागीय आंकड़े	माह	मौत	विभागीय आंकड़े
1 मई	50	5	9 मई	40	8
2 मई	50	7	10 मई	50	8
3 मई	44	4	11 मई	36	9
4 मई	52	9	12 मई	29	10
5 मई	42	8	13 मई	32	8
6 मई	50	9	14 मई	27	8
7 मई	39	8	15 मई	24	9
8 मई	47	10			

वैक्सीनेशन सेंटर में खाली बैठे कर्मचारी

वैक्सीन के लिए लोग धूप में घंटों इधर उधर घूमते आए नजर

कविता। फरीदाबाद

जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए दूसरी डोज 12 से 16 सप्ताह बाद लगाने के आदेश जिला स्वास्थ्य विभाग ने बीके अस्पताल में लागू कर दिया। जिससे स्वास्थ्य कर्मी पूरे दिन खाली बैठे नजर आए। उनका कहना था कि जिले में 12 से 16 सप्ताह वाले व्यक्तियों की संख्या न के बराबर है, ऐसे में यदि एक व्यक्ति भी वैक्सीन लगवाने आएगा, तो अकेले के लिए वह डोज नहीं खोल सकते है, जिस कारण वैक्सीन केन्द्र में वैक्सीन ही नहीं लगाई गई। वहीं दूसरी तरफ दोपहर बाद पोर्टल पर समय लेने के बाद 18 प्लस कई लोग डिस्पेंसरी पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला।

शेड्यूल मिलने पर पहुंचे युवा बंद वैक्सीनेशन सेंटर के बाहर खड़े।

बीके अस्पताल में खाली बैठे रहे कर्मी।

पहली डोज नहीं

जहां पहले 100 व्यक्तियों को रोजाना पहली डोज लगाई जा रही थी। अब 45 प्लस वालों को पहली डोज लगानी भी बीके सिविल अस्पताल में बंद कर दी गई है। केन्द्र सरकार ने 12 मई के बाद पहली डोज लगाने वालों के लिए दूसरी डोज 12 से 16 सप्ताह के बीच लगाने के आदेश दिये थे, लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग ने यह नियम पहले डोज ले चुके लोगों पर भी लागू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग के इस तुगलकी फरमान से लोगों को लौटना पड़ रहा है।

प्रथम तो लगाएं

समाजसेवी जगजीत कौर पन्नू ने कहा कि सैकेंड डोज का समय तो 12 से 16 सप्ताह का है लेकिन स्वास्थ्य विभाग को पहली डोज तो लोगों को लगानी चाहिए। वेक्सीनेशन में जुटे कर्मचारियों को खाली बैठाने से बेहतर है, उन्हें पहली डोज लगवाने का काम दिया जाए।

वैक्सीनेशन सेंटर मिला बंद

नहरपार निवासी 18 प्लस दो युवाओं ने बताया कि उन्होंने पोर्टल पर बुकिंग कराने पर उन्हें एनएच-एक स्थित ईएसआई की डिस्पेंसरी नम्बर चार का समय मिला। डिस्पेंसरी पहुंचाने पर वहां ताला लटका हुआ मिला। डिस्पेंसरी के बाहर आवारा पशुओं का जमावड़ा था। पीड़ितों ने इसकी सूचना पायनियर को दी। पायनियर ने डिस्पेंसरी इंचार्ज डॉ. अनीता वर्मा से बात की तो उन्होंने बताया कि आज अवकाश है। वेक्सीन के लिए भटक रहे युवाओं के बारे में बताने पर उन्होंने बताया कि उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई है, अब उन्हें दौबारा समय लेना पड़ेगा। परेशान युवाओं ने मंत्री और डीसी को ट्यूटर के माध्यम से शिकायत देने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कोरोना में जनता की सुविधा के लिए लांच की वेबसाइट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि कोरोना आज हमारे सामने सबसे बड़ी आपदा बन के खड़ी है। आपदा की इस घड़ी में लोगों को तुरंत सहायता कैसे मुहैया कराएं इसके लिए सरकार व जिला प्रशासन दिन-रात कार्य कर रहा है।

लोगों की मदद के लिए ही जिला प्रशासन द्वारा (कोविडफरीदाबादडॉटकॉम) वेबसाइट में मोबाईल ऐप लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट व मोबाइल ऐप पर फरीदाबाद की जनता को कोविड-19 से संबंधित प्रत्येक सूचना उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 आपदा की दूसरी लहर में जिला प्रशासन ने लगातार कार्य किया है। इसमें लोगों को चिकित्सा सुविधा टेस्टिंग ,ऑक्सीजन सिलेंडर डॉक्टरी सलाह

सहित अनेकों ऐसी व्यवस्थाएं हैं जिनके लिए दिक्कत का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब जिला प्रशासन ने यह वेबसाइट लॉन्च की है इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति कोविड-19 आपदा के दौरान होने वाली किसी भी परेशानी व सहायता के लिए लॉगईन कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इसका एक मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया है जिसे प्रत्येक व्यक्ति अपने मोबाइल में अपलोड कर इन सुविधाओं का प्राप्त कर सकता है। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बटन दबा कर किया पहचान एनजीओ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से बनाई गई कोविडफरीदाबादडॉटकॉम वेबसाइट और एप को लांच किया ।

संक्षिप्त समाचार

गांव-गांव जाकर कोरोना के संबंध में जागरूक कर रही पुलिस

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह वैश्विक महामारी के दौर में लोगों को महामारी से बचाने के लिए फरीदाबाद पुलिस को रोजाना दिशा निर्देश जारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फरीदाबाद पुलिस कर्मियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि गांव में जाकर गांव के लोगों को महामारी से बचाने के लिए जागरूक किया जाए क्योंकि गांव में अब भी कई घर ऐसे हैं। जिनमें ना तो टेलीविजन है इसके अलावा कुछ लोग पढ़े लिखे ना होने के कारण अखबार भी नहीं पढ़ सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि लोगों को यह तो पता चल जाता है कि महामारी चल रही है लेकिन इससे कैसे बचा जाए इससे अनभिज्ञ रह जाते हैं। जिसके चलते फरीदाबाद पुलिस फरीदाबाद जिले के गांव-गांव जाकर लोगों को महामारी के प्रति जागरूक कर रही है। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने कहा कि गांव में नुक्कड़ चौराहे पर लोग इकट्ठा होकर आपस में बातचीत करते हैं कुछ दिनों के लिए लोगों को सामाजिक दूरी बनानी चाहिए और अपने घरों में रहना चाहिए। अक्सर देखा जाता है गांव में बैठक में बैठकर लोग इकट्ठा होकर हुक्का पीते हैं। वैश्विक महामारी के दौर में एक साथ हुक्का पीने से संक्रमण का खतरा रहता है। इसके चलते सभी लोगों को इस संबंध में जागरूक किया जा रहा है। सिंह ने कहा कि ग्राम वासियों को समझाया जा रहा है कि कुछ ही दिनों की बात है फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा। सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास रखें। ऐसा भी सुनने को मिला है कि कुछ लोग गांव में मास्क लगाने में अपनी बेइज्जती महसूस करते हैं। जो मास्क नहीं लगाते हैं। वह अपने आप को बड़प्पन दिखाते हैं। महामारी के दौर को समझे मास्क का इस्तेमाल करें सामाजिक दूरी का पालन करें। साबुन से हाथ धोते रहें, घरों में साफ सफाई रखें।

गांवों के सरकारी स्कूलों में लगा दिए बिस्तर

फरीदाबाद। गांव कावरा कलां और गांव लहंडौला के प्राइमरी स्कूल में पांच-पांच बेड डाले गए हैं। ऑक्सीजन की भी सुविधा शुरू की गई है। गांव लहंडौला के सरपंच अजीत और समाजसेवी सुरजीत अधाना ने बताया कि कुछ दिन पहले गांव में कई लोगों की मौत हो गई थी। इसके चलते हमने प्रशासन को मेल करके बेड की व्यवस्था शुरू करने की मांग की थी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मरीजों का इलाज शुरू किया जा सके। प्रशासन ने मांग को पूरा करते हुए पांच बेड डाल दिए हैं। ऐसे ही गांव कावरा कलां के स्कूल में भी पांच बेड लगाए गए हैं। गांव में रविवार को एक कोरोना संक्रमित को यहां भर्ती किया गया। सरपंच केशव भारद्वाज ने बताया कि गांव में कोरोना टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया। 173 लोगों की जांच हुई। इनमें एक व्यक्ति संक्रमित मिला, जिसे बेड देकर इलाज शुरू कर दिया गया है। केशव के मुताबिक प्रशासन गांवों की तरफ विशेष ध्यान दे रहा है। पुलिस गांवें में जाकर ग्रामीणों को समझा रही है और गांवों में बाहर से आने वाले लोगों को रोकने के लिए पहरा भी शुरू किया गया है।

लॉकडाउन के नियम तोड़ने पर 391 लोगों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा-निर्देश पर कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने लॉकडाउन, महामारी अलर्ट का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। फरीदाबाद पुलिस ने हरियाणा सरकार के द्वारा लगाए गए लॉकडाउन, महामारी अलर्ट के दौरान उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अब तक 315 मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस ने 391 को गिरफ्तार भी किया है। इनमें से सात मुकदमे दर्ज कर 10 लोगों को दवाई से संबंधित कालाबाजारी करने पर गिरफ्तार किया गया है। चार मुकदमे दर्ज कर चार लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने पर गिरफ्तार किया गया है। फरीदाबाद पुलिस की जिला वासियों से अपील है कि बेवजह घर से बाहर ना निकले, घर से बाहर निकलने पर आप अपनी व अपने परिवार वालों की जान के लिए खतरा बन सकते हैं। कोरोनावायरस से संबंधित सरकार के द्वारा जारी किए गए नियमों की पालना करें, घरों में रहकर कोरोनावायरस के खतरे को कम करने में सरकार व पुलिस प्रशासन की मदद करें।

भाजपा की वर्चुअल बैठक में की जन सेवा के कार्यों की समीक्षा

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों के साथ-साथ सभी विधायक और मेयर की एक वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में बडखल विधायक सीमा त्रिखा, फरीदाबाद विधायक नरेंद्र गुप्ता, तिगांव विधायक राजेश नागर और बल्लभगढ़ से मंत्री मूलचन्द शर्मा के भाई टिपरचन्द शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता सोहनपाल सिंह व फरीदाबाद नगर निगम महापौर सुमन बाला, वरिष्ठ उप महापौर मनमोहन गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ज़िला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने फरीदाबाद जिले में कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए किये जा रहे संगठन और प्रसाशनिक स्तर पर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। गोपाल शर्मा ने सेवा में लगे भाजपा कार्यकर्ताओं से उनके द्वारा किए जा रहे जन सेवा के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और कार्यकर्ताओं को और अधिक उत्साह के साथ जनसेवा के अभियान में जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। ज़िला अध्यक्ष ने कहा की हमारे मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद, पदाधिकारी व कार्यकर्ता जन सेवा के कार्यों में जुटे हुए हैं और आपदा के इस कठिन दौर में जरूरतमंद लोगों को हरसंभव मदद पहुंचा रहे हैं। ज़िला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि जनसेवा के कार्यों के लिए ज़िला और मंडल स्तर पर अलग अलग व्यवस्थाओं के लिए कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया है। भोजन रसोई सेवा के लिए ज़िला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है।

उपायुक्त ने आवश्यक वस्तुओं के रेट किए निर्धारित

फरीदाबाद। जिलाधीश यशपाल ने जिले में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन अवधि के दौरान आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी को रोकने के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों के रेट निर्धारित करने के आदेश जारी किए हैं। उपायुक्त यशपाल के निर्देशानुसार जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक के माध्यम से जारी की गई रेट लिस्ट के अनुसार थोक में क्विंटल तथा फुटकर में किलोग्राम व लीटर के अनुसार दाम तय किए गए है।

जिनमें थोक में चावल परमल 2900 रुपए क्विंटल व 34 रुपए किलो ,गेहूं पीबीडब्ल्यू-343 किस्म 1850 रुपए क्विंटल व फुटकर में 20 रुपए किलो, गेहूं का आटा खुला हुआ 2200 रुपये क्विंटल व फुटकर में 24 रुपए किलो, चने की दाल 7200 रुपए क्विंटल व फुटकर में 80 रुपए किलो, मूंग साबुत 10700 व 110, उर्द की दाल 501/ 44 ब्रांड 9600 रुपए क्विंटल व 110 रुपए किलो, अरहर की दाल किंग ब्रांड 10000 रुपए क्विंटल व 115 रुपए किलो , मसूर साबुत खजाना 8200 रुपए क्विंटल व 85 रुपए किलो, चीनी एम-30 किस्म 3750 रुपए क्विंटल व 40 रुपए किलो, मूंगफली तेल गिनी 15 लीटर 2750 रुपए व 1 लीटर 185 रुपए, सोयाबीन तेल गिनी 15 लीटर 2300 रुपए व 1 लीटर 160 रुपए, सरसों का तेल शहनाई 15 लीटर 2280 रुपए व एक लीटर 166 रुपए,सूरजमुखी का तेल फॉर्चून 15 लीटर 2700 रुपए व 1 लीटर 185 रुपए , वनस्पति घी गगन 15 लीटर 2000 रुपए व 1 लीटर 135 रुपए , पाम आयल गिनी 15 किलोग्राम 2000 रुपए व 1 लीटर 135, चाय की पत्ती खुली 2000 व 250, आलू लोकल 800 रुपए क्विंटल व 15 रुपए प्रति किलोग्राम, टमाटर देसी 800 व 15, प्याज लोकल 1600 व 20, नमक आयोडीनयुक्त टाटा 1800 व 20, गुड देसी 3300 व 40 तथा दूध वीटा 5600 व 57 की दर से तय किया गया है। यदि कोई दुकानदार उक्त आदेशों की अवहेलना करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।यदि कोई दुकानदार उपभोक्ता से उपरोक्त दरों से अधिक रेट लेता है तो इस संबंध में श्री भारत भूषण सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी फरीदाबाद मोबाइल नंबर 79 88 36 2882 को तथा वजन कम या ज्यादा लेने वाले निरीक्षक श्री राजवीर विधिक माप विज्ञान फरीदाबाद मोबाइल नंबर 98122 70124 पर संपर्क करके अपनी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है।

अब घर के निकट मिलेंगे ऑक्सीजन वाले बिस्तर :डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि जिला में जिस व्यक्ति को ऑक्सीजन बैड की जरूरत हो वह अपने नजदीकी स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र के चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करके सेक्टर -3 के कम्युनिटी सेंटर, खेड़ी कलां सीएचसी, कुराली सीएचसी,पाली सीएचसी, तिगांव सीएचसी व कोमिनीटी सेंटर संजय कॉलोनी में जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन के लिए बेड ले सकता है।

उपायुक्त यशपाल ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कोराना सक्रमण के बचाव के लिए वैक्सीन लगाने का कार्य भी 49 सरकारी अस्पतालों में निरन्तर चल रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने कोराना बचाव का वैक्सीन नहीं लगवाया है वे अपने नजदीक सरकारी अस्पताल में जाकर यह वैक्सीन अवश्य लगवाए। यह वैक्सीन कोराना के संक्रमण के बचाव में कारगर साबित हो रही है। कोविड टीकाकरण के लिए सरकार द्वारा एसओपी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला में 18 से 44 वर्ष की आयु के लाभार्थियों को कोविड -19 के संक्रमण के बचाव के लिए टीकाकरण केंद्र पर नियुक्ति संदेश प्राप्त करने के बाद मोबाइल नंबर पर लाभार्थी को कोविड -19 टीकाकरण जानकारी मिलेगी। कोविड वैक्सीन केंद्र पर आनलाइन जानकारी दिखाने के बाद वैक्सीन लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 से 45 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थी किसी भी सरकारी स्वास्थ्य पर कोविड-19 का वैक्सीनेशन करवा सकते हैं।

आईडी प्रूफ दिखाने के बाद स्पॉट रजिस्ट्रेशन वाली संस्था आधार कार्ड / पैनकार्ड / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट आदि मे से कोई एक आईडी वैक्सीन लगवाने वाले लाभार्थी को देनी होगी। सीएमओ डा. रणदीप पुनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन लोगों को पहली कोविड-19 के बचाव के लिए वैक्सीन लग चुकी है वह दूसरे डोज की वैक्सीन बीके जिला नागरिक अस्पताल, ई.एस.आई. मेडिकल कॉलेज एनएच - 3 फरीदाबाद और पीपीसी ईएसआई मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद मे प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक लगाए जा रहे हैं। इसी प्रकार एसडीएच बल्लभगढ़, सीएचसी कुराली, सीएचसी खेड़ी कलां, पीएचसी पनेहरा खुर्द, पीएचसी मोहना, पीएचसी दयालपुर, पीएचसी छांयसा, पीएचसी अनंगपुर, पीएचसी पल्ला, पीएचसी पाली, पीएचसी धौज, पीएचसी फतेहपुर बिलोच, पीएचसी सीकरी, एफआरयू-1सैक्टर-30 फरीदाबाद, एफआरयू -2 सैक्टर-3 बल्लभगढ, यूएचसी एसजीएम नगर , यूएचसी मुजेसर , यूएचसी संजय कॉलोनी,यूएचसी सेहतपुर, यूपीएचसी एसी नगर, यूपीएचसी आदर्श नगर, यूपीएचसी एत्मादपुर, यूपीएचसी भारत कॉलोनी, यूपीएचसी भीम बस्ती, यूपीएचसी डबुआ कॉलोनी, यूपीएचसी हरि विहार, यूपीएचसी मेवाला महाराजपुर, यूपीएचसी नंगला एनक्लेव, यूपीएचसी प्रतापगढ़, यूपीएचसी राजीव कॉलोनी, यूपीएचसी सुभाष कॉलोनी, सीडी सूरजकुंड, ईएसआई - 1 सेक्टर -27 बी फरीदाबाद , ईएसआई -2 सेक्टर -19 फरीदाबाद, ईएसआई -3, एनआईटी -5 फरीदाबाद, ईएसआई -4 एनआईटी - 1, ईएसआई -5 एनआईटी -2, ईएसआई -6 में कोविड-19 वैश्विक महामारी कोराना के बचाव के लिए वैक्सीन प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक लगाए जा रहे हैं। जिला फरीदाबाद में 18 से 44 साल की आयु के लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन के लिए कोविन ऐप पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने के साथ-साथ बुकिंग भी करवानी होगी।

खाम्बी में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की आवश्यकता

पलवल। जिले के प्रमुख गांव खाम्बी में वर्षों पूर्व बनाया गया औषधालय ठप पड़ा हुआ है। यहां पर नियमित रूप से ना कोई डॉक्टर आता है और ना ही कोई दवाइयां मिलती हैं। खाम्बी में स्थापित बीवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमेन मोहनश्याम शर्मा के अनुसार खाम्बी में सरकार द्वारा संचालित चिकित्सा सेवाएं नगण्य हैं यह सरकार की बेरुखी को दर्शाता है।

खाम्बी की सरपंच हेमलता शर्मा के पति हरिदत्त शर्मा ने बताया कि कुछ समय पहले हरियाणा सरकार द्वारा गांवों में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाने के वायदे किए गए थे, किंतु धरातल पर अभी कुछ सुविधा प्रदान नहीं की गई है। प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए वैकल्पिक तौर पंचायत ने किराए का भवन भी चिन्हित किया हुआ है। किंतु जिला पलवल स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। खाम्बी के प्रमुख समाजसेवी युगल किशोर शर्मा, रामेश्वर दयाल शर्मा (स्वास्थ्य निरीक्षक, दिल्ली नगर निगम), टेकचंद शर्मा एडवोकेट (बंगाली मोहल्ला), रमन देव शर्मा, गिरीश शर्मा, चंद्रभान शर्मा आदि ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीण अंचलों में कोरोना वायरस के बढ़ते केसों के मद्देनजर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र यथाशीघ्र चालू किया जाना अति आवश्यक है।

गर्भाशय में भ्रूण की जान बचाई, जिले में पहला इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गर्भस्थ शिशु को मां के पेट से खून चढ़ाकर नई जिन्दगी देने की सफल चिकित्सा सेक्टर-16 स्थित क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल में की गई है। डॉ. श्रेयसी शर्मा, फीटल मेडिसिन स्पेशलिस्ट, क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल ने बताया कि हाल ही में हमारे पास गुड़गांव से नेहा (बदला हुआ नाम) की 32 वर्षीय एक गर्भवती महिला को भ्रूण की जांच के लिए लाया गया। अल्ट्रासाउंड जांच करने पर पता चला कि यह महिला 28 हफ्ते की गर्भवती है और उसके गर्भ में पल रहा बच्चा एनीमिया नामक गंभीर समस्या से जूझ रहा है और खून की कमी के कारण बच्चे की जान को लगातार खतरा बढ़ रहा है।

इस स्थिति को देखते हुए इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर किया गया जिसमें अल्ट्रासाउंड की मदद से सूई के जरिये गर्भाशय में ही भ्रूण को गर्भनाल के माध्यम से रक्त चढ़ाया गया। इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन के बाद महिला और उसका गर्भस्थ बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। फरीदाबाद शहर में पहली बार इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर किया गया है।

डॉ. श्रेयसी शर्मा ने आगे बताया कि यह केस काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि पहले तो पेट के अन्दर जाना और फिर बेबी की सही स्थिति के अनुसार गर्भनाल में सुई डालना और फिर वहां पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन करना होता है। पूरा हिसाब लगाया जाता है कि कितना ब्लड देना है क्योंकि बेबी बहुत ही छोटा है। अगर कम ब्लड दे दिया तो भी परेशानी होती है और अगर ज्यादा खून दे दिया तो बेबी उसे सहन नहीं कर पाता है। बेबी पेट के अन्दर हलचल करता रहता है जिससे इस प्रक्रिया को करने में बहुत ज्यादा कठिनाई आती है। इस केस में इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर सफल रहा।

डॉ. श्रेयसी ने बताया कि गर्भावस्था में एक ऐसी स्थिति होती है कि अगर मां का ब्लड ग्रुप नेगेटिव होता है और बेबी का ब्लड

डॉ. श्रेयसी शर्मा।

ग्रुप पॉजिटिव होता है तो ऐसे में मां के ब्लड सेल्स उसे अपना नहीं समझते हैं। बच्चे के ब्लड सेल्स के विरुद्ध मां के अन्दर एंटी बॉडी बन जाते हैं तो फिर वो जाकर बेबी के ब्लड सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे बच्चे में एनीमिया (खून की कमी) हो जाता है।

यह एनीमिया अल्ट्रासाउंड में ब्लड की गति (वेलोसिटी) से देखा जाता है। खून पतला होता है तो वह बहुत तेजी से बहता है। 28 सप्ताह की गर्भावस्था में एनीमिया होने के कारण बेबी के सर्वाइवल को लेकर चिंता बनी रहती है। इस स्थिति में अगर बेबी को ब्लड न चढ़ाया जाए तो पेट के अन्दर ही बेबी की जान जाने का खतरा बढ़ जाता है। अगर ऐसा नही किया जाता है तो भविष्य में होने वाले भ्रूण में ऐसी समस्या बहुत ही जल्दी समय से शुरू हो जाती हैं।

ऐसे में बच्चे को गर्भ के अन्दर ही ब्लड चढ़ाना होता है। भ्रूण में एनीमिया से सम्बंधित यह समस्या आमतौर पर दूसरी डिलीवरी के दौरान आती है। इस समस्या को आरएच-आइसो इम्युनाइज्ड कहते हैं। इसके उपचार के लिए इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर किया जाता है। गर्भवस्थ बच्चे का डिलीवरी होने तक नियमित रूप से फॉलोअप किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो फिर से ब्लड ट्रांसफ्यूजन किया जाएगा। अब बेबी जब 34 या 37 सप्ताह से ऊपर का हो जाएगा तो फिर डिलीवरी की जाएगी तो परिणाम अच्छे आने की संभावना ज्यादा होगी।

लापरवाही: जिले में 1299 बच्चे मिड डे मील से वंचित

फरीदाबाद। 1299 बच्चों को जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा डीपीसी के अधीन चल रहे आउट स्टेशन सेंटरों के कारण राशन न मिलने का मामला सामने आया है। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार को जानकारी देनी है।

शिक्षा विभाग में इस बात की चर्चा बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक हरेक जिले में डीपीसी हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत काम करते हैं। इनका काम 6 से 14 साल तक के उन बच्चों को शिक्षा के दायरे में लाना होता है, जिन्होंने कभी शिक्षा नहीं ली। इस काम के लिए हुमाना एंजीओ से सरकार ने अनुबंद किया हुआ है। यह संस्था सर्वे कर डीपीसी को रिपोर्ट देती है। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए एजुकेशन वालंटियर नौ हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर रखे जाते हैं। सरकार इन बच्चों के लिए अच्छा खासा बजट देने के साथ-साथ जरूरी संसाधन भी उपलब्ध कराती है।

मकान मालिक ने बिना कोरोना जांच के नहीं रखने दिया सामान

जिले में रविवार को 23 का अंतिम संस्कार आंकड़े में 8 मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जहां एक तरफ कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में कमी आ रही है। वहीं दूसरी तरफ तेजी से मरीजों के ठीक होने की बात प्रशासन द्वारा कही जा रही है। लेकिन आज भी लोग परेशान है। ऐसा ही बीके अस्पताल की प्रयोगशाला में रविवार को देखने को मिला।

जहां एक परिवार परेशान होकर जांच करवाने पहुंचा। पीड़ित गोपाल के परिजनों ने बताया कि उन्होंने कमरा किराये पर डबुआ में लिया है। सामान लेकर पहुंचे तो मकान मालिक ने अचानक कहा कि शिफ्ट होने से पहले कोरोना की जांच रिपोर्ट लेकर आओ। जबकि उनके परिवार के किसी को

कोई सिमट्म्स नहीं है। ऐसे में वह परेशान होकर बीके पहुंचे है और यहां से जांच करवाई है। परिजनों की सभी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इस परेशानी को देखते हुए प्रयोगशाला में तैनात कर्मचारियों ने पीड़ित परिजनों को तुरंत जांच करके रिपोर्ट दे दी। प्रयोगशाला के इंचार्ज सुनील ने कहा कि यह गलत तरीका है। मकान मालिक पहले ही जांच को बोलना चाहिए था।

रविवार की स्थिति

जिले में रविवार को 702 कोरोना संक्रमित नए मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 95422 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ जिले में 8 लोगों ने दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा विभाग की तरफ से कुल 636 दर्शाया गया। राहत की बात यह रही कि जिले में 1432 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 91 प्रतिशत पर पहुंच गया।

वही जिले में फिलहाल एक्टिव मामले 7932 बचे है। जिसमें होम हाईसोलेट 6205 और अस्पतालों में 1727 मरीज भर्ती है। वहीं जिले में 23 मृतकों का अंतिम संस्कार निगम की टीमों ने शहर के विभिन्न श्मशानघाटों में किया। जिसमें 15 जिले के और शेष 8 अन्य शहरों के मृतक शामिल रहे।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचे	: 770623
अब तक पॉजिटिव	: 95422
अब तक नेगेटिव	: 674476
रिपोर्ट आनी शेष	: 725
आक्सीजन पर है	: 857
वेन्टीलेटर पर है	: 86
जिले में एक्टिव	: 7932

कोविड की दूसरी लहर के प्रबंधों के साथ तीसरी लहर से निपटने की भी तैयारी : मनोहर लाल

सीएम ने गुरुग्राम में रविवार को 400 बेड के अस्थाई अस्पतालों का किया उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी कार्यक्रम के दौरान रहे मौजूद

गुरुग्राम के सेक्टर-67 में कोविड सेंटर का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल, साथ में विधायक सुधीर सिंगला।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को कहा कि हरियाणा में कोरोना की दूसरी लहर के प्रबंधों के साथ-साथ तीसरी लहर से निपटने के लिए भी तैयारी की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार महामारी की तीसरी लहर भी आ सकती है। ये बातें उन्होंने यहां सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में 100 बेड के कोविड सेंटर का उद्घाटन करने के दौरान मीडिया से बातचीत में कही।

मुख्यमंत्री ने रविवार को गुरुग्राम में 100 बेड क्षमता का वेदांता ग्रुप, गिव इंडिया तथा डॉक्टर्स फॉर यू एनजीओ के सहयोग से ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बनाए गए अस्थाई फील्ड अस्पताल के अलावा सेक्टर-67 में एम3एम, सीआईआई, इंडियन एयरफोर्स के सहयोग से बनाए गए 300 बेड क्षमता के कोविड केयर सेंटर का भी उद्घाटन किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह, विधायक सुधीर सिंगला भी उनके साथ थे।

सीएम मनोहर लाल ने अंग्रेजी की कहावत-होप फॉर बेस्ट एंड बी प्रिपेयर्ड फॉर वर्स्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि अच्छे के बारे में सोचें, लेकिन बुरी परिस्थितियों की तैयारी भी रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी मानवता के खिलाफ लड़ाई है। यह सभी की सामूहिक लड़ाई है, जिसमें पक्ष, विपक्ष, मीडिया, आम जनता आदि सभी योगदान दें। सभी सकारात्मक सोच के साथ काम करें। जो हो रहा है उसमें अपना योगदान दें और जो किया जा सकता है उसके लिए अपने सुझाव दें। हम उन सुझावों पर काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कोरोना के मरीजों के लिए 19 हजार बेड की व्यवस्था हो गई है। मुख्यमंत्री ने सहयोग देने वाली संस्थाओं का आभार भी जताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने में संस्थाएं और एनजीओ आगे आ रही हैं। कई स्थानों से संस्थाओं की ओर से सरकार को कोविड केयर सेंटर तथा अन्य सहयोग के लिए ऑफर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी संस्थाएं समर्पण भाव से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड मरीजों के लिए विभिन्न अस्पतालों में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और आईसीयू सहित 17500 बेड की व्यवस्था थी, जिसमें रविवार को हिसार, पानीपत तथा गुरुग्राम के कोविड केयर सेंटरों को मिलाकर 1500 अतिरिक्त बेड जुड़ गए हैं।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी कोरोना फैलना शुरू हो गया है जिसके लिए गांवो में घर-घर जांच के लिए टीमें गठित की गई हैं। ये कार्य कल से शुरू हो चुका है। ये टीमें प्रारंभिक जांच करेंगी और कम लक्षणों वाले मरीजों को घर में या आइसोलेशन सेंटर में रखा जाएगा। मॉडरेट अर्थात मध्यम दर्जे के मरीजों का सीएचसी, डिस्पेंसरी और पीएचसी में ईलाज किया जाएगा। गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को बड़े अस्पतालों में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एक हजार आइसोलेशन सेंटर बनाए गए हैं। इस प्रकार के 8 हजार टीमें बनाने की योजना है।

ब्लैक फंगस के इलाज को चार मेडिकल कॉलेजों में व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में पिछले तीन-चार दिन से ब्लैक फंगस नामक बीमारी के केस सामने आए हैं। अब तक इसके 70 केस रिपोर्ट हो चुके हैं और इनके ईलाज के लिए प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों में व्यवस्था की गई है। ये कॉलेज हैं एसजीटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बुढ़ेड़ा (गुरुग्राम), महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा (हिसार), पंडित भगवत दयाल पीजीआईएमएस रोहतक और करनाल का कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज। मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार से इस बीमारी के उपचार के बारे में बात की गई है। इसके लिए भी बोर्ड बनेगा और दवा दी जाएगी। तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों ने बच्चों वाले वैक्सीन का ट्रायल शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से सभी को टीके लगाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

गांव मंडावर गुरुग्राम में विराजे भगवान परशुराम

गुरुग्राम। गांव मंडावर जिला गुरूग्राम के मंदिर में भगवान परशुरामजी व भगवान दत्तात्रेय की प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे पं सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा वहां पहुंचने पर ग्रामीणों ने पंडित सुरेन्द्र शर्मा बबली का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पं सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा मेरा परम सौभाग्य है, जो दो-दो भगवानों को वन्दन करने का मौका मिला। पं सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा बड़े गर्व की बात है। इन करकमलों द्वारा 53 वां भगवान परशुरामजी का मंदिर है। आज बड़ी खुशी का दिन भगवान परशुराम जी के जयकारे पूरे देश व विदेश में लग रहे हैं। भगवान परशुराम चिरंजीवी अवतार है। इस अवसर उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार पं. किशोर शर्मा, पं. अमीचंद, पं नवीन शर्मा, महन्त सोमाराम, पं नरेश नम्बरदार, पं देवेन्द्र शर्मा, पं धर्मेंद्र शर्मा, पं नरेश एडवोकेट सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हुई बालिग लड़की

पलवल। गदपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत से एक बालिग लड़की रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने लड़की के पीड़ित पिता की शिकायत पर गुमशुदी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रविंद्र के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 20 वर्षीय बेटी 14 मई को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसको काफी तलाश किया गया लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कृषि कानूनों से बर्बाद होगी सार्वजनिक वितरण प्रणाली: संतोख सिंह

गुरुग्राम। संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान योजना की 8वीं किशत जारी करते हुए कहा कि भारत मे दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनाज दिया जा रहा है। परन्तु सच यह है कि तीन कृषि कानूनों के लागू होने के बाद यह प्रणाली खतरे में पड़ जाएगी। संतोख सिंह का कहना है कि खेती सेक्टर में कॉरपोरेट के प्रवेश होने व आवश्यक वस्तुओं पर स्टॉक लिमिट हटाने के बाद पीडीएस सिस्टम भी बर्बाद हो जाएगा। देश की अधिकांश गरीब जनता भुखमरी का शिकार हो जायेगी। सरकार ने भारतीय खाद्य निगम का बजट पहले ही कम कर दिया है तथा सरकारी खरीद केंन्द्रों की संख्या भी कम कर दी है। तीन काले कानून लागू होने से सरकारी मंडिया बर्बाद हो जाएंगी तथा प्राइवेट मंडियों का देश में कब्जा हो जाएगा। आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन से स्टॉक लिमिट हटाने से बड़े पूंजीपति खाद्य पदार्थों की जमाखोरी करेंगे तथा मार्केट को अपने हिसाब से चलाएंगे। सरकारी खरीद न होने से किसान की एमएसपी अपने आप खत्म हो जाएगी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली सिस्टम अपने आप ध्वस्त हो जाएगा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली ध्वस्त होने से गरीब आदमी की आटा दाल स्कीम भी बंद हो जाएगी।

किसान सम्मान निधि योजना ऊंट के मुंह में जीरा जैसी: गोराया

निगदू। मोदी सरकार की किसान सम्मान निधि योजना मात्र एक राजनैतिक स्टंट है। जिसका प्रचार ज्यादा और लाभ ना के बराबर है। यह योजना किसानों का सम्मान नहीं अपमान है। ये कहना है तीन कृषि कानूनों के विरोध में जजपा जिलाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले इंद्रजीत सिंह गोराया का। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार लगातार किसान विरोधी फैसले कर रही है। जब देश का किसान अपनी फसल के रेट व पूंजीपतियों के शिकंजे से बचने के लिए एक लंबे आंदोलन के रूप में सड़कों पर बैठा है। ठीक इसी समय केन्द्र सरकार ने खाद के रेट 58 प्रतिशत तक बढ़ा कर किसानों को बहुत बड़ा झटका दे दिया है। इसी तरह डीजल, दवाइयां व कृषि उपयोग में आने वाली हर वस्तु का रेट लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जिस कारण किसान की लागत प्रति एकड़ 4 से 5 हजार बढ़ गई है, परंतु सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने की बजाए सिर्फ़ 500 रुपये की यह बेमानी योजना से किसानों का अपमान कर रही है। गोराया ने कहा कि अगर पांच एकड़ के किसान की बात करें तो बढ़े हुए रेटों के कारण उसकी लागत में 25 हज़ार रुपये की वृद्धि हुई है। सरकार उसे मात्र 6 हजार सलाना देकर किसान हितैषी होने का ढिंढोरा पीट रही है। उन्होंने पूछा कि यह कैसी किसान हितैषी सरकार है, जो किसान की जेब से 25 हजार जबरन निकाले जा रही है। उसका कहीं जिक्र तक नहीं करते। सरकार मेरी फसल मेरा ब्यौरा व ई ट्रेडिंग जैसी योजनाएं थोपकर किसानों को परेशान करने का काम कर रही है। जिससे आढ़ती व किसान का रिश्ता भी ख़राब हो रहा है। यह सरकार चंद पूंजीपतियों के हित साधने के लिए एक कठपुतली की तरह काम कर रही है। जिसका उदाहरण तीन काले कृषि कानून हैं। जिन्हें रद् करवाने को ले कर किसान पिछले छह माह से घरों से बेघर होकर दिल्ली के बॉर्डरों पर आंदोलन कर रहे हैं। मगर सरकार कुम्भकर्णी नींद में सो रही है। गोराया ने कहा प्रधानमंत्री टेलीविजन पर बैठ कर किसान सम्मान निधि योजना से किसानों से मजाक व देशवासियों को गुमराह कर मात्र राजनीति हित साधने में लगे हैं।

विधायक दीपक मंगला के अनुभव से संगठन होगा मजबूत: नवीन गोयल

दीपक मंगला। गार्गी कक्कड़। नवीन गोयल।

गुरुग्राम के प्रभारी बनाए गए हैं पलवल के विधायक दीपक मंगला

जिला अध्यक्षा गार्गी कक्कड़ ने भी जिला को किया मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की ओर से पलवल के विधायक दीपक मंगला को गुरुग्राम जिला प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा युवा नेता नवीन गोयल ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी इस नियुक्ति से संगठन और मजबूत होगा। सक्रिय राजनीति में उनका काफी अनुभव भी है। वहीं जिला अध्यक्षा गार्गी कक्कड़ द्वारा भी संगठन को बेहतरी से चलाया जा रहा है। नवीन गोयल ने कहा कि विधायक दीपक मंगला मुख्यमंत्री मनोहर लाल के राजनीतिक सलाहकार रहे चुके हैं। फिलहाल प्रदेश कोषाध्यक्ष भी हैं। विधायक दीपक मंगला की संगठन के प्रति गहरी सोच और सकारात्मक कार्यों को देखते हुए अब पार्टी ने उन्हें गुरुग्राम के प्रभारी बनाकर उनका कद बढ़ाया है।

गुरुग्राम हर तरह से प्रदेश ही नहीं देश का महत्वपूर्ण जिला है। यहां पर उनकी नियुक्ति राजनीतिक रूप से संगठन को मजबूती देगी, वहीं अन्य कार्यों में भी उनका मार्गदर्शन मिलेगा। नवीन गोयल ने कहा कि वैसे तो संगठन कोरोना महामारी काल में पार्टी की जिला अध्यक्षा गार्गी कक्कड़ के मार्गदर्शन में लगातार जमीनी स्तर पर काम कर ही रहा है। वे कार्यकर्ताओं के साथ इस महामारी में निरंतर जनसेवा में लगी हैं। चाहे रक्तदान हो या प्लाज्मा दान, कोरोना के मरीजों को बेड दिलवाना आदि कार्य करते हुए संगठन के कार्यकर्ता दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। संगठन की ओर से कोविड रसोई के माध्यम से अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों को मुफ्त खाना देने की पहल भी की गई है। अपने आप में यह सकारात्मक पहल है। इस कार्य में पार्टी का हर कार्यकर्ता मिलकर मरीजों की सेवा में जुट गया है।

आठ बेड के कोविड सेंटर का डीसी ने किया उद्घाटन

मैप्सको कासा बेला सोसायटी की पहल पर शुरू हुआ सेंटर

गुरुग्राम के सेक्टर-82 स्थित मैप्सको कासा बेला सोसायटी में कोविड सेंटर का उद्घाटन करते जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-82 स्थित मैप्सको के कासा बेला कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन की पहल से तैयार किए गए आठ बेड के कोविड सेंटर का रविवार को जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीबीसीए (कासा बेला कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन) के सदस्य, कासा बेला कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन के प्रेसिडेंट कमांडर सत्यवीर सिंह, मैप्सको स्टाफ और रेजिडेंट्स उपस्थित रहे।

मैपस्को कासा बेला के क्लब हाउस को अन्य सुविधाओं के साथ वाई-फाई, ब्रॉडबैंड, भोजन, जूस आदि सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित करके 8 बेड वाले कोविड केयर सेंटर में बदला गया है। सेंटर में एक नर्स,एक अटेंडेंट और हाउसकीपिंग एक्जीक्यूटिव की तैनाती सहित थ्री लेयर मास्क, ऑक्सीजन, डॉक्टर कंसल्टेशन की सुविधाएं भी दी जा रही हैं। इसके अलावा सेंटर में अलग-अलग रेड जोन और ग्रीन जोन, डोनिंग और डफिंग एरिया और 24 घंटे/ 48 घंटे वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम मौजूद है। मैप्सको ग्रुप के डायरेक्टर राहुल सिंगला ने कहा कि यह पहल समाज को वापस देने और कोरोना वायरस रोगियों की कठिनाइयों को कम करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

एक नाबालिग समेत दो लड़कियों को अगवा के आरोप में चार नामजद

पलवल। अलग-अलग थाना क्षेत्र से एक बालिग व एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले प्रकाश में आए हैं। पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायतों पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 23 वर्षीय बेटी को गांव बहबलपुर (फरीदाबाद) निवासी यशपाल 30 अप्रैल को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया। इसी प्रकार एक पीड़ित ने सदर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 16 वर्षीय बेटी को गांव फजलपुर निवासी युधिष्ठिर, मोहित व राजू ने मिलकर 14 मई को गांव से अगवा कर लिया। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सैनेटाइज अभियान से कोरोना संक्रमितों की संख्या में आई कमी

शहरी क्षेत्र में दो मशीनों से चलाया हुआ है सैनेटाइज अभियान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद के कर्मचारी वार्ड-13 की पहाड़ कॉलोनी में सैनेटाइज करते हुए।

नगर परिषद ने शहरी क्षेत्र में सैनेटाइज कराने की गति पहले से हुई तेज किया है। शहरी क्षेत्र में दो मशीनों से सैनेटाइज अभियान चलाया हुआ है। नगर परिषद विभाग ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सेनेटाइज करने के अभियान में और ताकत झोंक दी है। परिषद की तरफ से एक दिन में तीन अलग-अलग टीमें सैनेटाइज का कार्य कर रही है। परिषद की टीम एक दिन में 5 से 6 कॉलोनियों को सैनेटाइज कर रही है। शनिवार को शहरी क्षेत्र के वार्ड-13, वार्ड-11 और अनाज मंडी व सब्जी मंडी परिसर को सेनेटाइज किया गया। जबकि रविवार को वार्ड-6 की हरीनगर कॉलोनी से सेनेटाइज करने के अभियान की शुरुआत की गई।

सैनेटाइज से संक्रमण का असर कम

नगर परिषद द्वारा सैनेटाइज करने के अभियान में जब से तेजी लाई गई है। परिषद की टीमें एक दिन में 5 से 6 कॉलोनियों को समेत सरकारी कार्यालय व नागरिक अस्पताल परिसर को सैनेटाइज किया जा रहा है। जिससे शहर में कोरोना का संक्रमण कम हुआ है। शनिवार को शहरी क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया है।

ऐसा कहते हैं अधिकारी

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक ने बताया कि सैनेटाइज को प्राथमिकता के आधार पर चलाया हुआ है। जिसको लेकर तीन टीम एक दिन में सैनेटाइज करने का कार्य कर रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में बराबर सैनेटाइजेशन का कार्य चलता रहेगा।

बिना अवकाश कर रहे हैं काम

परिषद के सचिव सुमित कुमार ने बताया कि पिछले एक माह से नगर परिषद के कर्मचारी बिना अवकाश कार्य कर रहे हैं। चाहे वह सैनेटाइज करने का कार्य हो, कोरोना संक्रमितों की हुई मौत के बाद शव का अंतिम संस्कार का कार्य हो।

उपचाराधीन कोरोना संक्रमितों को मिलेगा सेवा रसोई से खाना: संजय सिंह

सोहना के नागरिक अस्पताल में विधायक संजय सिंह ने खाना वितरण कर की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना विधायक संजय सिंह नागरिक अस्पताल में दाखिल कोविड रोगियों को भाजपा की सेवा रसोई योजना के तहत दोपहर का भोजन वितरण करते हुए।

नागरिक अस्पताल के कोविड वार्ड में रोगियों का भाजपा सरकार की सेवा रसोई योजना के तहत खाना वितरण किया जाएगा। जिसकी शुरुआत सोहना विधायक ने रविवार को स्वयं दोपहर का खाना वितरण करके की।

प्रदेश के सभी नागरिक अस्पतालों में कोरोना संक्रमित का उपचार कराने वाले रोगियों को भोजन केन्द्र सरकार की सेवा रसोई योजना के तत्वावधान में मिलेगा। केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकारों ने रविवार को सेवा रसोई योजना की शुरुआत की। सोहना के नागरिक अस्पताल में विधायक संजय सिंह ने कोविड वार्ड में दाखिल रोगियों को अपने हाथों से दोपहर का खाना वितरण करके शुरुआत की।

इस अवसर पर विधायक संजय सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भापजा पार्टी की तरफसे देश में कोरोना संक्रमित रोगियों के लिए खानपान की व्यवस्था की है। नागरिक अस्पतालों में कोरोना का उपचार कराने वालों को अब खाने की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

निजी कोष से विमला राघव ने मरीजों की दी चाय और खाना : विधायक ने बताया कि नागरिक अस्पताल में 23 अप्रैल से पार्टी की नेत्री बिमला राघव अपने निजी कोष से कोविड वार्ड में दाखिल रोगियों को दो वक्त की चाय व तीन समय का खाना पहुंचा रही थी। ऐसी पार्टी कार्यकर्ताओं ने मानवा सेवा में बिना किसी संकोच के सेवा की। विमला राघव ने मानवता का परिचय देते हुए पार्टी की गरिमा को सम्मान देने का काम किया है।

कोरोना संक्रमण में आई गिरावट : संजय सिंह ने कहा कोरोना संक्रमण में काफी गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों लेकर डॉक्टरों ने इस महामारी काल में जिस दिलेरी से कार्य किया है। वह कार्य मानवता के साथ-साथ काबिले तारीफ है।

नागरिक अस्पताल में मिल रहा सबसे उत्तम उपचार : पिछले 15 दिन से सोहना के नागरिक अस्पताल में जिले के अंदर सबसे उत्तम उपचार कोविड रोगियों को मिल रहा है। डॉक्टरों से लेकर कर्मचारी भी कोरोना संक्रमित हुए हैं। जिसके चलते डॉक्टर और कर्मचारियों की कमी हुई थी।

गन प्वाइंट पर एक लड़की के साथ दुष्कर्म और दूसरी के साथ किया प्रयास

शिकायतों के आधार पर तीन नामजद और दो अन्य आरोपियों पर केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी के मामले प्रकाश में आए हैं। एक लड़की के साथ गन प्वाइंट पर दुष्कर्म किया, जबकि दूसरी लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में पीड़ितों की शिकायतों तीन नामजद व दो अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने चांदहट थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 16 वर्षीय बेटी 14 मई की रात को घर से प्लाट पर खाना देने के लिए आई थी। खाना देकर वापस घर जाते समय गांव भूड़ निवासी खेमचंद उर्फ खेमी व उसके दो अन्य साथी उसे (बेटी को) गन का भय दिखाकर अपने घर ले गया। जहां पर खेमचंद ने पीड़ित की बेटी के साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया। काफी देर तक पीड़ित की बेटी घर नहीं पहुंची तो खोजबीन शुरू की गई और पता चला कि उसे खेमचंद रास्ते से अपने घर ले गया है। पीड़िता पुत्र व भाई खेमचंद के घर पहुंचे तो वह अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया। इसी प्रकार एक पीड़ित व्यक्ति ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 15 मई की सुबह वह अपनी पत्नी के साथ घर से मेहनत मजदूरी पर चला गया। घर पर पीड़ित की 12 वर्षीय बेटी व बुजुर्ग मां मौजूद थी।

उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले नकुल व कपिल घर में घुस आए और पीड़ित की बेटी के गले पर चाकू रख दुष्कर्म करने का प्रयास किया। आरोपियों ने किसी को कुछ बताने पर पीड़ित की बेटी को जान से मारने की धमकी दी। बच्ची द्वारा शोर मचाने पर दोनों आरोपी उसे छोड़ मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोरोना काल में सुरक्षा समेत कई तरह से ड्यूटी दे रही गुरुग्राम पुलिस

निर्धारित ड्यूटी समय से अतिरिक्त ड्यूटी 24 घंटे सात दिन काम कर रही पुलिस

हेल्पडेस्क नंबर 9999999953 से कोई भी जन पा सकता है तुरंत सहायता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में बीच सड़क पर मजदूरों को खाना आवंटित करते पुलिसकर्मी।

कोरोना को लेकर गुरुग्राम पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है। यहां पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ खाना, ऑक्सीजन आदि आवंटित करने का भी काम कर रही है। नियमित रूप से डेली रूटीन की ड्यूटियों सहित अतिरिक्त विशेष ड्यूटियां व नाके लगाए गए तथा सभी ड्यूटी स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई।

गुरुग्राम पुलिस द्वारा लगाई गई ड्यूटियों पर तैनात रहकर अपनी ड्यूटी करने वाले गुरुग्राम पुलिस के करीब 250 पुलिसकर्मी वर्तमान में कोरोना संक्रमित भी हो चुके हैं। उसके बाद भी वे गुरुग्राम पुलिस अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी से निभा रही है। पुलिस कर्मचारी कोरोना को हराकर फिर से अपनी ड्यूटी पर वापस आकर पूरी ईमानदारी से ड्यूटियां कर रहे है। इन विकट परिस्थितियों में गुरुग्राम अपनी ड्यूटी के साथ निम्नलिखित प्रकार से अपने पास उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करते हुए आमजन व कोरोना संक्रमितों की सेवा तथा सहायता के लिए पुलिस 20 पीसीआर वाहनों को पुलिस एम्बुलेंस में तबदील किया गया। इन पुलिस एम्बुलेंस द्वारा आमजन/पीड़ित को नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान कराई जा रही है। एक विशेष हेल्पलाइन/हेल्पडेस्क नंबर 9999999953 जारी किया गया। इस हेल्पडेस्क/हैल्पलाइन नंबर पर फोनकॉल, मैसेज, वाट्सएप मैसेज इत्यादि के माध्यम से कोई भी जन तुरंत सहायता या जानकारी प्राप्त कर सकता है। पुलिस द्वारा पीसीआर गाड़ियों में ऑक्सीजन की भी होम डिलीवरी की जा रही है।

मजदूरों को खिला रहे हैं खाना : लॉकडाउन के चलते दैनिक रूप से दिहाड़ी/मजदूरी करने वाले व कम्पनियों में मजदूरी करने वाले कर्मचारियों को रोजगार ना मिलने के कारण उन्हें रोजमर्रा के संसाधनों को जुटाने में बहुत परेशानियां हो रही है। गुरुग्राम पुलिस द्वारा जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को मध्यनजर रखते हुए विभिन्न टीमों द्वारा भोजन की व्यवस्था करके भोजन उपलब्ध कराया गया व यह सहायता नियमित रूप से गुरुग्राम पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा दी जा रही है।

कोरोना काल: पौष्टिक भोजन नहीं मिलने से स्कूली बच्चों के लिए संकट

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

नीति आयोग ने भी नूंह को देश के पिछड़े जिलों में शामिल किया

कोरोना काल में सरकारी स्कूलों तथा निजी स्कूलों में ताला लटका हुआ है। इससे ना केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि उन गरीब परिवारों के बच्चों को पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। जिनके माता-पिता का रोजगार चले जाने की सूरत में रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मेवात जिले में लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर है।

नीति आयोग ने भी इस जिले को देश के पिछड़े जिलों में शामिल किया गया है। यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय ट्रक चालक तथा दैनिक मजदूरी है, जो लॉकडाउन की वजह से पूरी तरह से प्रभावित हुई है। सबसे खास बात यह है कि कोरोना की पहली वेब में बच्चों को सूखा राशन घर-घर शिक्षा विभाग द्वारा वितरित किया गया था, लेकिन इस बार कोरोना की दूसरी वेव में बच्चों को ना तो पका हुआ भोजन मिल पा रहा है और ना ही सूखा भोजन उनके घरों में वितरित किया जा रहा है। बच्चों तथा अभिभावकों ने कोरोना

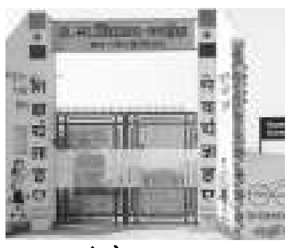

स्कूल का बंद गेट।

काल में सूखा राशन घरों में वितरण करने की मांग की है। स्कूलों में बच्चों को खीर-अंडा, दलिया इत्यादि पौष्टिक आहार मिड डे मील के दोपहर के भोजन में बच्चों को पका कर दिया जाता था। इसी भोजन के सहारे गरीब परिवारों का गुजारा हो रहा था, लेकिन कोरोना काल में अब ऐसे परिवारों के सामने पौष्टिक आहार मिलने का संकट खड़ा हो गया है। कुल मिलाकर अभिभावकों से लेकर स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे परेशान हैं। सबसे खास बात यह है कि गरीबी के साथ-साथ हरियाणा का मेवात जिला उन जिलों में शामिल है। जहां महिलाओं से लेकर बच्चों में कुपोषण बहुत ज्यादा पाया जाता है।

दोपहर का भोजन मिलना बच्चों का अधिकार

लिहाजा दोपहर का भोजन बच्चों को मिलना उनका अधिकार है। इसके लिए राष्ट्रीय बाल आयोग में जाकर भी बच्चों को मिड डे मील का भोजन देने की मांग की जा सकती है। कुल मिलाकर कोरोना ने वैसे तो सारे सिस्टम को प्रभावित किया है, लेकिन पहली से आठवीं तक के बच्चों के मिड डे मील के भोजन पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। ऐसे में बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए दिए जाने वाले पौष्टिक आहार का अभाव लोगों के सामने देखने को मिल रहा है।

इस बेव में सूखा राशन घरों में कराए वितरण

ऐसे में कोरोना के दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं। कुपोषण की समस्या जिले में और ज्यादा विकराल रूप ले सकती है। लिहाजा सरकार को बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए जल्द से जल्द कोरोना की पहली वेब की तरह इस वेब में भी सूखा राशन घरों में वितरण करना चाहिए, ताकि बच्चे उसे पकाकर पौष्टिक आहार ले सकें और स्वस्थ रह सकें।

ऑक्सीजन ऑन व्हील्स सेवा का हुआ शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

रोटरी मिडटाउन चंडीगढ़ और बड़ी कैब्स के सहयोग से कानूनी सेवा प्राधिकरण ने की शुरुआत

वर्तमान महामारी के दौरान जनता तक पहुंचने और वर्तमान संकट को दूर करने के लिए एक और पहल में, न्यायमूर्ति राजन गुप्ता, न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय और कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण ने ऑक्सीजन ऑन व्हील्स का उद्घाटन किया। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने रोटरी मिडटाउन चंडीगढ़ और बडी कैब्स के सहयोग से जरूरतमंद व्यक्तियों को आवश्यक राहत प्रदान करने के उद्देश्य से इस परियोजना की शुरुआत की है।

इस अवसर पर अपने लॉर्डशिप की लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से मीडिया को संबोधित करते हुए, समाज के सभी वर्गों से कोविड राहत कार्य में अपनी क्षमता के अनुसार अधिकतम योगदान देने का आह्वान किया। कोविड-19 महामारी ने हमारे जीवन को इस तरह से प्रभावित किया है जो हमारी पीढ़ी के लिए अज्ञात है। कोविड-19 की दूसरी लहर के उद्भव के साथ, साथी नागरिकों द्वारा झेले जा रहे जीवन की हानि और दुखों का विस्तार असहनीय और परेशान करने वाला है। हालांकि, कोविड -19 को भी हराया जा सकता है यदि हम सभी संयुक्त रूप से कार्य करें, संयुक्त लड़ाई करके और प्रभावी रणनीति बनाकर चुनौतियों का सामना करें। उनके प्रभुत्व ने यह भी सुझाव दिया कि कॉर्पोरेट क्षेत्रों को कोविड राहत कार्यों के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड का उदारतापूर्वक उपयोग करना चाहिए। रोटरी क्लब और ऐसे अन्य गैर सरकारी संगठनों और उनके सदस्यों को संकट के इस समय में समाज का समर्थन करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि वे इस महामारी को हराने के लिए डॉक्टर की सलाह के तहत कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करें और अपनी चिकित्सा शर्तों के अधीन टीकाकरण के लिए जाएं। 26 मार्च, 2021 को न्यायमूर्ति राजन गुप्ता, न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय और कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण ने एक कोविड जागरूकता परियोजना शुरू की थी, जिसका नाम है बीमारी को गिरफ्तार करें-मास्क पहनें, न करें नागरिकों के बीच मास्क शिष्टाचार विकसित करने और मास्क पहनने, हाथों की सफाई आदि जैसे स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा राज्य भर में अपनी नाक को कवर करें। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने अभियान को आगे बढ़ाते हुए रोटरी चंडीगढ़ मिडटाउन और बडी कैब्स के सहयोग से ऑक्सीजन ऑन व्हील्स परियोजना शुरू की, ताकि ऑक्सीजन की सख्त जरूरत वाले कोविड रोगी की मदद की जा सके। किसी मरीज को उचित इलाज मिलने से पहले यह परियोजना फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी देगी। इस परियोजना के तहत, सभी कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ, ऑक्सीजन सिलेंडर फिट कैब में संशोधित कैब्स, कोविड रोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से ऑक्सीजन बैकअप के साथ उन्हें अस्पतालों में परिवहन करके या उन्हें ऑक्सीजन प्रदान करके उन्हें ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए ट्राइसिटी में चलेंगी। द्वार ये कैब उन अस्पतालों की भी मदद करेंगी, जहां मरीजों को लेने और छोड़ने में भारी केस लोड लेकिन कम आपातकालीन वाहन हैं।

डिप्टी सीएम ने हल्का प्रधानों से चर्चा कर मांगे सुझाव

कोविड महामारी पर दुष्यंत चौटाला ने की वीडियो कॉफ्रेंस

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

प्रदेश में कोविड महामारी से चिंतित डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने 11 जिलों के जजपा हल्का प्रधानों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। वहीं उन्होंने इस पर अपनी चिंता करते हुए हल्का प्रधानों से सुझाव भी मांगे।

ये जानकारी तावडू जजपा हलका प्रधान अख्तर अली खोरी ने दी। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान सीएचसी स्तर पर कोविड आइसोलेशन सेंटर खोलने का सुझाव दिया गया था जिस पर उपमुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया। कहा कि इसमें अच्छे चिकित्सकों की व्यवस्था कराई जाएगी। कोविड-मरीजों को किसी भी परेशानी का सामना नहीं होने दिया जाएगा। इसके अलावा हरियाणा की सभी ग्राम पंचायतों में आबादी के मुताबिक 30 हजार रुपये से 50 हजार तक की राशि कॉविड से निपटने के लिए खर्च की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जजपा हल्का प्रधानों के साथ चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

जिसकी लिए फण्ड रिलीज किया गया हैं। ये फंड ग्राम पंचायतों में गांव को सैनेटाइजिंग करने, ग्रामीणों को मास्क व सैनेटाइजर वितरण करने के लिए दिया जाएगा, वहीं उन्होंने हल्का प्रधानों से आह्वान करते हुए कहा कि कोविड केयर सेंटर से संबंधित शिकायतों को उनके चंडीगढ़ कार्यालय में भेजकर सरकार को अवगत कराएं।

उन्होंने हल्का प्रधानों से आह्वान करते हुए कहा कि कोविड पीड़ित मरीजों की सेवा व उनकी समस्याओं का निराकरण करना ही सरकार की प्राथमिकता है। अख्तर अली प्रधान ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश पर ग्रामीण क्षेत्रों में सैनेटाइजिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

डिपो होल्डर पर कोविड काल में राशन वितरण में गड़बड़ी का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

उपमंडल के अंतर्गत गांव भढंगपुर में एक डिपो होल्डर द्वारा कोविड काल में उपभोक्ताओं को राशन वितरण में गड़बड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित उपभोक्ताओं ने आरोपी डिपो होल्डर के खिलाफ प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग मंत्रालय को शिकायत भेज कर आरोपी डिपो होल्डर के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

बीपीएल कार्ड धारक मुबीन, हसन मोहम्मद व अन्य उपभोक्ता रशीद, मुबारक साहुन रहीसा, दीनू, ईशा, जमशेद, अली मोहम्मद आदि ने बताया कि कोविड कॉल में सरकार के आदेश पर खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वार तीन प्रकार के राशनकार्ड धारकों के परिवार के प्रत्येक सदस्य को दिए जाने वाले पांच किलो अनाज और राशन वितरण में डिपो धारक द्वारा भारी गड़बड़ी की जा रही है।

आरोप है कि जब इसका एतराज उन्होंने डिपो धारक से जताया तो पहले तो बचे हुए राशन को दो-तीन दिन में पूर्ति करने का आश्वासन दिया गया। लेकिन जब ज्यादा ग्रामीण

अनाज माप तोल में डिपो होल्डर द्वारा की गई गड़बड़ी को दिखाते हुए उपभोक्ता।

उपभोक्ताओं ने दबाव उन पर बनाया तो उन्होंने उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उनके साथ गाली गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि जो भी कानूनी कार्रवाई करनी है कर लो मैं आगे राशन नहीं दूंगा।

वहीं उपभोक्ता रसीद निवासी भढंगपुर द्वारा इस मामले में प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग को शिकायत भेजी गई है। जिसमें उन्होंने डिपो होल्डर पर अनाज राशन वितरण में की जा रही कमी व गड़बड़ी को लेकर विस्तार पूर्वक अवगत कराया है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए इसे प्रधानमंत्री कार्यालय के निजी सचिव को फॉरवर्ड किया गया है।

सड़क हादसे में दो की मौत

मेवात। महुं-पुन्हाना मार्ग पर चांदडाका गांव के समीप देर रात बाइक एवं वैन्यू कार की भिड़ंत हो गई। जिससे बाइक सवार चचेरे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में वाहन भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद कार सवार चंपत हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। ईद के एक दिन बाद हुए इस हादसे से आलीमेव गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार देर रात महुं से अपने गांव आलीमेव की तरफ बाइक पर सवार होकर साकिर पुत्र इब्राहिम उम्र 23 वर्ष, यूसुफ पुत्र मोहमद आवेश उम्र 15 वर्ष निवासियान आलीमेव जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक चांदडाका गांव के समीप पहुंची तो वैन्यू कार से उनकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भयानक था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुन्हाना पुलिस ने दोनों शवों का अल आफिया सामान्य अस्पताल मांडीखेड़ा में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस अब कार चालक की तलाश में जुट गई है।

ऑक्सीजन और अस्पताल का विरोध करने वाले किसानों की सच्चाई आई सामने : भाटी

दीपक कुमार। नूंह

भाजपा प्रदेश मंत्री एवं नवनियुक्त जिला प्रभारी समय सिंह भाटी ने कहा

किसान हितैषी भाजपा सरकार ने 17 लाख से किसानों को दिए 356 करोड़ रुपये

रविवार को हिसार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में तथाकथित किसानों द्वारा किए गए विरोध की समुचित हरियाणा में भर्त्सना हो रही है। आक्सीजन अस्पताल का विरोध करने वाले किसान नहीं किसानों के नाम पर धब्बा है। इनका असली चेहरा देश प्रदेश की जनता के सामने आ चुका है। ये बातें भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं नवनियुक्त नूंह जिला प्रभारी समय सिंह भाटी ने कही।

उन्होंने कहा एक तरफ प्रदेश और देश कोरोना की सबसे भयावह लहर से गुजर रहा है। दिन प्रतिदिन लगातार कोरोना के मामले बढ़ने से दूसरी लहर में सरकार को अतिरिक्त संसाधन जुटाने पड़ रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक ऑक्सीजन सहित तमाम तरह की स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे इसके लिए मनोहर सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। लेकिन कुछ देश विरोधी ताकतों को यह चीज रास नहीं आ रही है। हिसार में ऑक्सीजन युक्त 500 बेड के अस्पताल के उद्घाटन का विरोध किसान नहीं कर सकते। ये किसान की नाम का सहारा लेकर कर राजनीतिक दलों के मोहरे हैं। किसान का चोला पहनकर मानवता के खिलाफ काम करने वाले लोगों का चेहरा जनता के सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कांग्रेस के एक बड़े नेता के इशारे पर इस घिनौनी घटना को अंजाम दिया गया है। वहीं मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार विनोद मेहता ने भी ट्वीट कर इस मामले की निंदा करते

समय सिंह भाटी।

हुए कहा है कि इसकी क्या गारंटी है कि ये तथाकथित किसान जब आक्सीजन अस्पताल का उद्घाटन का विरोध कर सकते हैं तो ये अस्पतालों पर भी तो हमला कर सकते हैं।

उन्होंने कहा हिसार में कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों की मौत के जिम्मेदार ऐसे ही मानवता के दुश्मन होंगे। ऐसे लोगों को गंदी राजनीति छोड़कर कोरोना महामारी से निपटने के लिए सरकार का साथ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश का किसान तो भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों से खुश है। दो दिन पहले देश के प्रधानमंत्री ने साढ़े 9 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की आठवीं किश्त के तौर पर 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। जिसमें हरियाणा के 17 लाख 29 हजार 311 किसानों के खातों में 356 करोड़ 15 लाख 90 हजार रुपए की राशि डालने का काम किया है। जिला प्रभारी ने कहा आने वाले समय में मेरे प्रदेश का किसान इन राजनीतिक भेड़ियों को मुंह तोड़ जवाब देगा। ये किसान का संघर्ष नहीं सत्ता का संघर्ष है। जो मानवता के खिलाफ जा सकता है वह किसान नहीं हो सकता, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों से कोरोना काल में धरना समाप्त करने की अपील की थी अपील के बाद हमारे कुछ भोलेभाले किसान जो इन के बहकावे में था, वह घर लौट चुका है। अब केवल मानवता के दुश्मन ही धरना चला रहे है और सरकार को जनता के हित के कामों को करने से रोक रहे हैं।

जिले में दस विभिन्न स्थानों पर आज होगा टीकाकरण

नूंह। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि जिले में वैक्सीनेशन के कार्य लगातार जारी है। उन्होंने बताया जिले में विभिन्न स्थानो पर टीकाकरण किया जाएगा।

उपायुक्त ने बताया कि स्थान निम्न प्रकार नल्हड मेडिकल कालेज, सीएचसी नूंह, सीएचसी फिरोजपुर, झिरका, सीएचसी पुन्हाना, सीएचसी तावडू, सीएचसी मांडीखेडा, पीएचसी उजीना, पीएचसी मौहम्मदपुर अहीर, पीएचसी जौरासी तथा पीएचसी बीवां फिरोजपुर-झिरका में प्रात: 10 बजे से सायं 04 बजे तक टीकाकरण किया जाना है।

उन्होंने बताया कि कोविड टीकाकरण के निमित्त जन आंदोलन चलाया जाएगा। जिला नूंह के सब सेंटर एरिया पर यह टीकाकरण किया जाना निश्चित हुआ है। उपायुक्त ने बताया कि जिले में 18 वर्ष या उसके अधिक आयु के व्यक्तियों को वैक्सीनेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में वैक्सीनेशन के लिए कोविनडॉटगोवडॉटइन पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

वायरस के खात्मे को शहर में निकाली धूनी यात्रा

विशेष सामग्री की धूनी लगाकर शहर की फॉगिंग

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

देश में दिन प्रतिदिन बढ़ते कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए नूंह कस्बे में वातावरण शुद्धी यात्रा निकाली गई। जिसमें सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने हवन सामग्री की धूनी लगा कर पूरे शहर में फोगिंग का अभियान चलाया गया।

सेवा भारती के कार्यकर्ता नूंह के हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एकत्र हुए। जहां से पूरे शहर की गलियों में धूनी से फॉगिंग की गई। कार्यक्रम में शामिल राजेश शर्मा, बाबूराम शर्मा, राधेश्याम, जेएस सैनी एडवोकेट, राजेश अलमादी तथा अन्य ने धूनी लगाने के लिए यज्ञ की दो वेदी तैयार कीं। जिन्हें एक रिक्शा में रखा गया। यज्ञ में सामग्री, लोहबान, गुग्गल, राई, सरसों, नीम, गाय के उपले, पीपल व

धूनी के जरिए फोंगिंग करते हुए लोग।

सफेद के पत्ते आदि को देशी गाय के घी में मिला कर आग में जलाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मंत्रजाप भी किया। राजेश शर्मा ने बताया कि विशेष सामग्री से किया गया यह हवन कोरोना वायरस को समाप्त करने में काफी कारगर है। धूनी से निकलने वाला धुआं वातावरण में से वायरस को समाप्त कर वायु को शुद्ध करने का काम करेगा। कोरोना वायरस को मिटाने के लिए हम सभी का सहयोग जरूरी है। आज विश्व महामारी के चलते बुरे दौर से गुजर रहा है। हमारा यह दायित्व है कि हम वायरस को खत्म करने में अपना सहयोग दें। बिना वजह घर से बाहर न निकलें तथा मास्क का प्रयोग करें। भीड़ वाले स्थानों पर जाने से परहेज करें व समय-समय पर हाथ धोने की आदत डालें। भारत में कोरोना के केसों में अब गिरावट आई है। कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या बढ़ रही है। इसलिए हम सभी को अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए। सकारात्मक सोच रखने से ही कोरोना को हराया जा सकता है। कोरोना से घबराना नहीं है, बल्कि इसका डटकर मुकाबला करना है।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

सही है क्या, ग़लत है क्या, समय बतलायेगा आख़िर
मगर तब तक बहुत पानी यहाँ बह जायेगा आख़िर
जिन्हें जलती चिताओं से भी मिलती ऊर्जा, उनको
यहाँ पर कौन है जो आईना दिखलायेगा आख़िर

ऑर्फन इन नीड संस्था ने दी लाखों रुपये की दवाई और उपकरण

संस्था कोविड काल तक उपलब्ध कराएगी एंबुलेंस की सेवा

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

जिले में कार्यरत वरिष्ठ संस्था ऑर्फन इन नीड ने कोविड मरीजों की जरूरतों को देखते हुए मदद की पेशकश की है। इसके लिए संस्था द्वारा पहल शुरू कर दी गई है। ऑर्फन इन नीड संस्था द्वारा तावडू में नए बने कोविड केयर सेंटर के लिए लाखों रुपये की दवाइयां और जरूरी उपकरण भेंट किए गए हैं। वहीं कोविड दौर में मरीजों के आवागमन के लिए एक एंबुलेंस की सेवा भी संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

ऑर्फन इन नीड संस्था द्वारा जिले के तावडू उपमंडल के अंतर्गत गांव पीपाका में संचालित बाल गृह के इंचार्ज जहीर अहमद ने बताया कि संस्थान प्रबंधन द्वारा निर्णय लिया गया था की तावडू में बने कोविड केयर

तावडू स्वास्थ्य विभाग को जरूरी उपकरण व दवाइयों को सौंपते हुए संस्था के कर्मचारी।

सेंटर में जिला प्रशासन के सहयोग से वह मदद करेंगे। जिसके लिए उन्होंने जिला जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें कोविड केयर सेंटर में जरूरी उपकरणों और दवाइयों की एक सूची सौंपी गई। सूची के मुताबिक कोविड मरीजों के लिए से लाखों रुपए की दवाइयां और उपकरण खरीद कर तावडू कोराना नोडल अधिकारी डॉ देवेंद्र कुमार सोलंकी को सौंप दी गई है। दवाओं के अलावा उपकरणों ऑक्सीजन कंसंट्रेटर सहित जरूरी सामान शामिल है। बताया कि तावडू स्वास्थ्य विभाग को सोंपे गए जरूरी उपकरण और दवाइयों के अलावा अभी भी संस्थान प्रबंधन मदद के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा लगभग 25 लाख रुपये की कीमत की एक एंबुलेंस भी कोराना दौर तक कोविड मरीजों के आवागमन के लिए तावडू स्वास्थ्य विभाग को सौंपी जाएगी। जो कोविड काल के बाद ग्राम पंचायत सहसोला अंतगर्त पांच गांव के ग्रामीणों को अपनी सेवा के लिए तत्पर रहेगी। जिसका चालक सहित सभी प्रकार का संचालन संस्था की ओर से किया जाएगा। वही ऑर्फन इन नीड संस्था के अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन शेख अनीस मूसा ने बताया कि नूंह जिले में फैलते हुए कोरोना संक्रमण को लेकर वह बेहद चिंतित है। उनकी संस्था द्वारा कोविड मरीजों की सुविधाओं के लिए मदद की जा रही है। वह आगे भी जिला प्रशासन के सहयोग से मदद के लिए पूरी तरह तत्पर रहेंगे। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से सरकार के आदेशों के मुताबिक लॉकडाउन व कोविड नियमों का पालन करने का आह्वान किया है। ताकि कोराना संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके। आपको बता दें कि तावडू उपमंडल के अंतर्गत गांव पीपाका में ऑर्फनेड संस्था द्वारा एक बार गृह भी संचालित है। इसके अलावा संस्थान प्रबंधन द्वारा समय-समय पर गरीब विधवा महिलाओं को राशन किट भी वितरित की जाती है।

जिला नागरिक अस्पताल में स्थापित की ऑक्सीजन मशीन

नूंह। कोरोना के बढ़ते संकट के बीच में नूंह जिले में खुद की पहली ऑक्सीजन उत्पादन करने वाली मशीन जिला नागरिक अस्पताल मांडीखेड़ा में स्थापित की गई है। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि इस मशीन के स्थापित होने से मांडी खेड़ा अस्पताल में वेंटिलेटर बेड की क्षमता में बढ़ोतरी हो सकेगी।

उपायुक्त ने बताया कि सिविल अस्पताल में ये मशीन एक मिनट में 50 लीटर ऑक्सीजन का उत्पादन कर सकती है। जिससे आपात सेवाओं के छह बेड मांडीखेड़ा हॉस्पिटल में और बढ़ाये जाएंगे। जिससे कि कोरोना के मरीजों को सही सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा मांडीखेड़ा अस्पताल में यह आपातकालीन सेवाओं के बेड बढ़ने से नल्हड मेडिकल कॉलेज का दबाव भी कम होगा।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के साथ एमएमटीसी के सहयोग से सिविल अस्पताल मांडीखेडा में मशीने लगाई गई है। इसके अलावा जिले में आक्सीजन का एक बड़ा प्लांट भी पूर्ण होने की प्रक्रिया में हैं। इस प्लांट की उत्पादन क्षमता 500 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन उत्पादन की होगी।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)

9050976800
9416103259

ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

टीकाकरण अभियान

सुधार की आवश्यकता

कोरोनावायरस संक्रमण से जनता को बचाने के लिए हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, पर अभी इसमें काफी समय लगेगा और इसके पहले भारत को अपनी जनता की महामारी से सुरक्षा के लिए बहुत कुछ करना होगा। भारत में कोविड-19 टीकाकरण एक प्रकार से हवा में तैर रहा है। हालांकि, वायरस की तीसरी लहर से बचने के लिए लगभग एक अरब जनता का टीकाकरण कभी आसान काम नहीं है, पर टीकाकरण कार्यक्रम उस दिशा में तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। निश्चित नहीं है कि यह कार्यक्रम टीकाकरण की व्यापक प्रकृति की दिशा में है अथवा टीकाकरण प्रबंधन योअना में बिखराव प्रदर्शित कर रहा है। तथ्य यह है कि वैश्विक महामारी को ज्यादा से ज्यादा इस साल के अंत तक नियंत्रित करना है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि भारत में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या के कम से कम 70 प्रतिशत का टीकाकरण होना चाहिए। इसका अर्थ है कि यदि लगभग 94 करोड़ लोग वैक्सीन की दोनों खूराकें प्राप्त करें तो हर्ड इम्युनिटी मिल सकती है। इतने लोगों को दो खूराकें देने के लिए 188 करोड़ खूराकें चाहिए। यह बहुत कठिन काम है। यदि इस अनुमान से टीकाकरण को केवल एक खूराक तक सीमित कर दिया जाए कि कुछ लोगों को पूर्ण सुरक्षा न दे पाने के बजाय सबको आधी सुरक्षा देना बेहतर होगा तो भी 100 करोड़ खूराकों की जरूरत होगी। इस बारे में अनेक सवाल स्वाभाविक रूप से पैदा होते हैं। टीकों की इतनी खुराकें कहां से आएंगी? इनको प्राप्त करने में कितना

समय लगेगा? टीकाकरण प्रक्रिया पूरा करने में कितना समय लगेगा? आखिरकार यदि केवल एक खूराक दी जाती है तो देश के सामने दूसरी खूराक देने का सवाल बना रहेगा।

ध्यान रखें कि यह सब केवल 70 प्रतिशत जनसंख्या के टीकाकरण के लिए है। इसका अर्थ है कि लगभग एक तिहाई जनसंख्या बिना टीकों के रह जाएगी जिसमें ज्यादातर बच्चे होंगे जिनको अभी टीकाकरण के दायरे में लाया जाना है। सीरम इंस्टीट्यूट आफइंडिया ने कहा है कि वह जुलाई के बाद हर महीने 10 करोड़ खूराकें तैयार करने की स्थिति में होगा। अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत बायोटेक भी जुलाई के बाद प्रति माह पांच से छः करोड़ खूराकें तैयार कर सकेगा। जाइडस कैडिला व डा. रेड्डीज़ लैब प्रति माह तीन करोड़ खूराकें तैयार कर लेंगे। इससे प्रति माह खूराकों का कुल आंकड़ा अगस्त, 2021 तक 20 करोड़ प्रति माह तक पहुंच जाएगा। इस प्रकार दिसंबर तक टीकाकरण का काम पूरा करने के लिए लगभग 100 करोड़ खूराकों की अतिरिक्त जरूरत होगी। हालांकि, कुछ आधी अधूरी खबरों के अनुसार वास्तव में टीकाकरण का यह काम पूरा करने में दो से तीन साल का समय लगेगा। यदि यह मान लिया जाए कि यह लक्ष्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा तो 94 करोड़ जनसंख्या को एक प्रभावी खूराक या उनमें से आधे लोगों को दो खूराकें मिल जाएंगी। इसका नतीजा सबके सामने होगा। कुल मिला कर देखें तो इस प्रकार 2021 के अंत तक हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना लगभग असंभव होगा क्योंकि इसके लिए 188 करोड़ खूराकों की और जरूरत होगी। पांच महीनों में टीकाकरण की इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय अभियान को अभूतपूर्व, संगठित व सुव्यवस्थित बनाना होगा। लेकिन सवाल है कि क्या केन्द्र इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसकी योजना कहां है?

इस्राइल-हमास युद्ध की विभीषिका

पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलिस्तीनियों को निकालने के लिए तेल अवीव के ठोस प्रयास और हमास के इजरायल और यहूदियों को नष्ट करने के निरंतर प्रयास शांतिपूर्ण समाधान पर पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा हैं।

माखन सैकिया
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

गाजा एक बार फिर सुर्खियों में है। पूर्वी यरुशलम में, खून से सने सड़कें और सुलगते टायर इजरायली सुरक्षा बलों और हमास के बीच एक भीषण लड़ाई के संकेत हैं। 2014 में हुए 50-दिवसीय युद्ध के बाद से इस क्षेत्र में सबसे खराब हिंसा देखी जा रही है। आज, इज़राइल के लिए कड़वा सच यह है कि हमास, एक इस्लामी आतंकवादी समूह, संवेदनशील गाजा क्षेत्र को नियंत्रित करता है।

फ़िलिस्तीनी इज़रायली उपनिवेशवाद के अधीन रहते हैं। उनका डर यातना के अनुभव, अपमान की दैनिक लड़ाई, बुनियादी स्वतंत्रता से लगातार इनकार, जीवन की गरिमा की अनुपस्थिति, जीवन और श्रम, कारावास और अंत में अपंग और हत्या पर आधारित है। इसलिए यह बहुत स्वाभाविक है कि वहां पैदा होने वाले प्रत्येक फिलीस्तीनी में इजरायल के कब्जे के खिलाफ लड़ने की मूल प्रवृत्ति होगी। इजरायल और उसके सुरक्षा बलों के प्रति नफरत बढ़ रही है। और अगर आगे भी ऐसा ही चलता रहा तो युद्ध जैसी स्थिति रोज हो जाएगी।

महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि इजरायल क्या चाहता है? इस्राइल पूर्वी यरुशलम पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है। वर्तमान संघर्ष शेख जर्राह के कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम इलाके से फिलिस्तीनी परिवारों के जबरन निष्कासन के कारण उभरा है। कुछ सूत्रों का कहना है कि इन परिवारों के कब्जे वाली भूमि मूल रूप से यहूदी स्वामित्व में थी। लेकिन फिलीस्तीनी इसे यरुशलम से ज्यादा से ज्यादा फिलीस्तीनियों को विस्थापित करने की इजरायल की नीति के विस्तार के रूप में देखते हैं। अंतिम उद्देश्य शहर में बहुसंख्यक यहूदी पहचान को पुन: प्राप्त करना और बनाए रखना है। क्या फ़िलिस्तीन को कभी मनचाही आज़ाद ज़मीन मिलेगी? नहीं, कम से कम निकट भविष्य के लिए। यहां यह कहना होगा कि फिलिस्तीन के लिए संघर्ष और जेहाद जारी रहेगा। हमास जैसे इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन, जिसका अर्थ है ताकत, इजरायल राज्य की पहचान को चुनौती देते रहेंगे। वास्तव में, हमास की वाचा जिसमें 36 लेख हैं, स्पष्ट रूप से इस बात पर प्रकाश डालता है कि समूह इस्लामी आंदोलन को कैसे आगे ले जाएगा। वाचा का अनुच्छेद 15 कहता है कि फिलिस्तीन की मुक्ति के लिए जेहाद एक व्यक्तिगत कर्तव्य है। इसमें कहा गया है, ''जिस दिन दुश्मन मुस्लिम भूमि का हिस्सा हड़प लेते हैं, जेहाद हर मुसलमान का व्यक्तिगत कर्तव्य बन जाता है। यहूदियों द्वारा फ़िलिस्तीन को हड़पने के विरोध में, यह अनिवार्य है कि जेहाद का झंडा फहराया जाए।'' ऐसा करने के लिए क्षेत्रीय, अरब और इस्लामी दोनों स्तरों पर जनता के बीच इस्लामी चेतना के प्रसार की आवश्यकता है। देश के दिल में जेहाद की भावना पैदा करना जरूरी है ताकि वे दुश्मनों का सामना कर सकें और लड़ाकों की कतार में शामिल हो सकें।

फिलिस्तीनियों ने दशकों से इजरायल के कब्जे और उपनिवेश का विरोध किया है। फिलीस्तीनी सड़क पर गुस्सा बढ़ गया है। लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध का झंडा फहरा रहे हैं। उनका दावा है कि इजरायल जमीन से फिलिस्तीनी पहचान को मिटाने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

अभी के लिए, तेल अवीव ने युद्धविराम के लिए किसी भी चर्चा को खारिज कर दिया है। यह आक्रामक जारी रखने की कसम खाता है। इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने गाजा हमलों को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''एक स्थितिजन्य आकलन के निष्कर्ष पर, यह निर्णय लिया गया कि हमलों की ताकत और हमलों की आवृत्ति दोनों को बढ़ाया जाएगा।''

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि ''हमास और इस्लामिक जेहाद ने भुगतान किया ... और उनके जुझारूपन के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी होगी ... उनका खून ज़ब्त है''। यह इंगित करता है कि इजरायल अपना आक्रमण जारी रखेगा। ऐसी संभावना है कि यह पश्चिम एशियाई क्षेत्र में दशक के लंबे संकट के दौरान आग में घी का काम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह गाजा में इस्राइली हवाई हमले और गाजा से दागे गए रॉकेटों से इस्राइली मारे जाने से बच्चों सहित बड़ी संख्या में हताहत होने से दुखी हैं। उन्होंने इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि इस्राइल द्वारा पूर्वी यरुशलम से फिलीस्तीनी परिवारों का नियोजित निष्कासन युद्ध अपराध हो सकता है। लेकिन इसने इजरायली आबादी केंद्रों की ओर रॉकेट और मोर्टार के अंधाधुंध प्रक्षेपण के लिए हमास पर भी हमला किया।

इस बीच, अमेरिका ने इस्राइल और हमास के बीच जारी तनातनी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। चर्चा इस सप्ताह होनी थी, लेकिन अमेरिका कूटनीति के लिए जगह बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि विवादित गाजा क्षेत्र में सबसे खराब स्थिति को टाला जा सके। इजरायल के प्रमुख सहयोगी अमेरिका ने कई मौकों पर पुष्टि की है कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है क्योंकि गाजा के आतंकवादी समूहों ने उसके क्षेत्र में लगभग 1,750 रॉकेट दागे हैं। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सभी अटकलों को खारिज कर दिया है कि वाशिंगटन महत्वपूर्ण वार्ता को पूरी तरह से टारपीडो करने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा, ''मैंने अब तक जो कुछ देखा है, उनमें से एक यह है कि कोई महत्वपूर्ण अतिरंजना नहीं हुई है।''

लगभग उसी समय, इजरायल गाजा में हवाई हमले कर रहा है, इमारतों को समतल कर रहा है जिससे दर्जनों लोग मारे गए हैं। बिडेन पहले ही हमास के रॉकेट हमलों के बीच इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार के बारे में बात कर चुके हैं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए हैं। इस प्रकार व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि यरूशलेम सह-अस्तित्व का स्थान होना चाहिए।

27 राष्ट्रों के एक समूह यूरोपीय संघ ने भी युद्ध के लिए हमास की आलोचना करते हुए कहा कि इजरायल पर फिलिस्तीनी रॉकेट हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य थे। और यूरोपीय संघ ने सभी पक्षों से डी-एस्केलेशन का लक्ष्य रखने और अधिक नागरिक हताहतों को रोकने का आह्वान किया। उसी समय, यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेफ बोरेल ने पूर्वी यरुशलम में फिलिस्तीनी परिवारों को बेदखल करने की निंदा की। उन्होंने निष्कासन को अवैध बताते हुए कहा कि यह केवल तनाव को बढ़ाने का काम करता है। ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने विचार को प्रसारित किया कि ''ब्रिटेन बढ़ती हिंसा और नागरिक हताहतों से बहुत चिंतित है और हम तनाव में तत्काल कमी देखना चाहते हैं।'' अरब लीग के प्रमुख अहमद अबुल घीत ने इजरायल के हवाई हमलों को अंधाधुंध और गैर जिम्मेदाराना बताया।

हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, जो कि इजरायल राज्य के एक प्रसिद्ध समर्थक हैं, ने कहा, ''ज़ायोनी बल की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं समझते हैं, इसलिए फिलिस्तीनियों को अपनी शक्ति और प्रतिरोध बढ़ाना चाहिए ताकि अपराधियों को आत्मसमर्पण करने और उनके क्रूर कृत्यों को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके।'' इस बीच इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 सदस्यीय समूह ने पूर्वी यरुशलम में बिगड़ते सुरक्षा परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की।

अब, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने का आह्वान किया गया है, हमास और इज़राइल दोनों को यह समझना चाहिए कि वे केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। युद्ध भूमि की समस्या का समाधान नहीं है। मौजूदा संकट दोनों पक्षों के कट्टरपंथी तत्वों को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का मौका दे रहा है।

सीमा पर नेतन्याहू सरकार द्वारा जमीनी सैनिकों की भारी तैनाती आने वाले दिनों में व्यापक हमले का संकेत देती है। गाजा के पास सशस्त्र बलों को ले जाने से आक्रमण और खूनी युद्ध की संभावना बढ़ जाती है। इजरायली रक्षा बल (ढ्ढष्ठस्न) इस समय सभी प्रकार की घटनाओं और तनाव को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। बलों की ऐसी तैनाती 2014 में ही हुई थी।

जैसा कि युद्ध जारी है, वैश्विक मीडिया रिपोर्ट करता है कि हमास द्वारा दागे गए अधिकांश रॉकेट इजरायल के आयरन डोम डिफेंस सिस्टम द्वारा अवरुद्ध किए जा रहे हैं। हालांकि, बेहतर रक्षा सर्किट से गुजरने वाले कुछ रॉकेटों ने इज़राइल की ओर से कुछ ही लोगों को मार डाला। दूसरी ओर, गाजा पर अपनी वायु सेना के माध्यम से इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमले अधिक घातक हैं, अब तक 90 से अधिक लोगों की मौत की सूचना है। आयरन डोम को चुनिंदा रूप से रॉकेट हमलों से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। और यह प्रणाली उन दुश्मन रॉकेटों को भी रोकती है जो आबादी वाले क्षेत्रों में जाते हैं। आईडीएफ का दावा है कि आयरन डोम लगभग 90 प्रतिशत प्रभावी है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एक उच्च संभावना अवरोध दर भी आबादी वाले क्षेत्रों को नष्ट करने के हमास के प्रयासों को पूरी तरह से अप्रभावी बना सकती है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आयरन डोम सिस्टम अमेरिकी वित्त से तैयार किया गया था। फिलिस्तीन के लिए अपनी संप्रभु पहचान स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष इजरायल के लिए एक स्थायी अड़चन बन गया है। दूसरी ओर, इजरायल ने अपनी यथास्थिति बनाए रखने और आगे विस्तार करने और पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलिस्तीनी कब्जेदारों (तेल अवीव के अनुसार) को बेदखल करने का प्रयास इस क्षेत्र में एक और अधिक युद्ध को बढ़ावा दिया। हमास चाहता है कि यहूदी मर जाएं और इसराइल राज्य को खत्म कर दिया जाए। उनके लिए, यह इज़राइल के बारे में नहीं है, लेकिन यह अंततः यहूदियों के बारे में है।

स्वास्थ्यरक्षा नीति को प्रोत्साहन जरूरी

“ जनता में व्याप्त असमानता के कारण महामारी से पैदा हुई मुसीबतों के दौरान गरीब लोग और ज्यादा संकट में पड़ गए हैं। ”

ईशानी शर्मा
(लेखिका लैंगिक न्याय एवं अभिव्यक्ति की

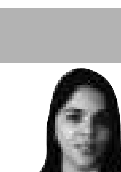

भारत में कोरोनावायरस जनित महामारी का व्यापक प्रसार होने से पहले अक्सर आर्थिक समृद्धि व स्वास्थ्यरक्षा विकास को एक दूसरे का पूरक समझा जाता था। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान स्पष्ट प्रमाणों से यही पता चलता है कि दोनों के बीच खाई कम नहीं हुई है जिसका कारण विकृत किस्म का विकास है। होता यही आया है कि हर साल केंद्र और राज्य सरकारें अपना वार्षिक वित्त दस्तावेज रखते हुए कुछ क्षेत्रों या उनसे जुड़े क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देती हैं। इनमें बीमा क्षेत्र शामिल है जो हमारी चिकित्सा व स्वास्थ्यक्षेत्र नीतियों का लाभ उठाता है।

दु:ख की बात है कि स्वतंत्रता के बाद से स्वास्थ्यरक्षा विकास के लिए प्रतिशत आधारित वित्तीय आबंटन कभी कुल वित्तीय आबंटनों के दो प्रतिशत से अधिक नहीं रहा है। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में सामाजिक असमानता बढ़ी है तथा हमारी जनसंख्या के बहुसंख्य हिस्से को मूलभूत चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए निजी अस्पतालों में भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इस असमानता से गरीब जनता की मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में जोखिम बढ़ जाती है तथा उसे समानता के आधार पर राज्य से स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाते हैं। बीमा कंपनियां इस स्थिति का अपनी इच्छानुसार लाभ उठाती हैं जिससे आर्थिक विकास विकृत होता है और हमारे देश के हजारों लोग अनुपयुक्त स्वास्थ्यरक्षा ढांचे का शिकार बनते हैं।

कोविड-19 महामारी ने अनचाहे ही हमारी अर्थव्यवस्था में वर्तमान ढांचागत कमियों को उजागर किया है जो मुख्यत: चिकित्सा और स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में पाई जाती हैं। उपयुक्त ढांचे में कमी के कारण तथा सरकारी अस्पतालों में मानव संसाधनों के अत्यधिक अभाव के चलते अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा योजनायें विफल हो रही हैं जिनमें गरीबों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा हेतु निर्धारित आयुष्मान भारत योजना भी शामिल है। इनसे महामारी के समय जनता की वैध चिकित्सा मांगें पूरी नहीं हो रही हैं। एक प्रमुख अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के केवल 10 प्रतिशत कार्ड धारकों को ही केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना का लाभ मिल पाता है। हमने देखा है कि देश में विद्यमान अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा संस्थानों में गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू), वेंटीलेटर, आरटी-पीसीआर सुविधाओं, आक्सीजन सिलिंडरों, कार्डियक मानीटरों, एलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, बिस्तरों, टीकों, अतिरिक्त दवाओं, परिवहन सुविधाओं, कर्मचारियों तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से डाक्टरों की भी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जांच सुविधाओं व वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण व सरकारी अस्पताल गरीब मरीजों को तत्काल इजाज के लिए सुदूर स्थानों पर जाने के लिए मजबूर करते हैं। इस समस्या का जन्म 1991 में उस समय हुआ था जब हमारे देश ने उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण-एलपीजी नीतियां अपनाई थीं।

इसके बाद सरकारी क्षेत्र ने निजी क्षेत्र को स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में प्रमुख भूमिका निभाने की अनुमति दी और राज्य धीरे-धीरे जनता को उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधायें देने की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ता चला गया।

इससे चिकित्सा सेवाओं में सार्वजनिक क्षेत्र कमजोर हुआ तथा इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्यरक्षा लाभ प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ती गई। सरकार को यह समझने की आवश्यकता है कि निजी क्षेत्र मुनाफा कमाने को केन्द्र में रखता है तथा वह जमीनी स्तर पर जनता तक पहुंचने के प्रयास नहीं करेगा।

वर्तमान समय में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 1000 जनसंख्या पर केवल 0.6 डाक्टर हैं। चिकित्सा उद्योग के लाभ कमाने के दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं के लिए यूजर चार्ज ने जनता को भारी नुकसान पहुंचाया है।

अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों तथा स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए बजटीय आबंटन में समानता और संतुलन बहुत महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय होना चाहिए। हमारे देश को हजारों लोगों को महामारी से बचाने के लिए फौरन इसकी आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थिति में स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए उपयुक्त वित्तीय आबंटन की आवश्यकता से समझौता नहीं किया जा सकता है।

आप की बात

टीकों का अभाव

आज देश के हालात कोरोना की वजह से महफूज नहीं है और घंटों लाइन में लगकर भी लोग टीके का जुगाड़ नहीं कर पा रहे हैं। जैसे-जैसे महामारी का कहर जोर पकड़ता जा रहा है लाइन में लंबी होती जा रही है। 18 प्लस को टीकों की जब से घोषणा हुई है इसके लिए जद्दोजहद काफी तेज होती जा रही है। ऐसे में वैक्सीन की कमी अखरने वाली है। सरकार जब पर्याप्त टीको की व्यवस्था हो तभी टीकाकरण शुरू करें। फिलहाल दूसरे डोज वालों की ही सुध ले। एक समय था जब लोग टीके के नाम से डर रहे थे और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा जाकर समझाइश के बाद भी लोग केंद्रों पर नहीं पहुंचे लेकिन महामारी का जो तांडव चला उससे टीकाकरण केंद्रों पर अपार भीड़ उमड़ने लगी और देखते-देखते सारा स्टॉक खत्म हो गया। यहां सरकार का दावा है कि अभी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास पर्याप्त स्टॉक है तो फिर राज्य सरकारे टीकाकरण में आनाकानी क्यों कर रही है? सरकार को लोगों को इस मामले में वस्तु स्थिति से अवगत कराना चाहिए वही जब तक पर्याप्त स्टाक ना हो नया टीकाकरण शुरू नहीं करना चाहिए। अब तक के स्टाक को देखते हुए 45 प्लस वालों को प्राथमिकता के साथ पहला या दूसरा डोज लगाया जाना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

सीमा सुरक्षा

भारत देश की लचर सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के कारण शत्रु देश द्वारा आतंकियों,मादक पदार्थो,नकली मुद्राओं और हथियारों को पंजाब और जम्मू कश्मीर से सटी सीमाओं पर स्थित इलाकों में ड्रोनों द्वारा भेजा जा रहा है। ड्रोनों द्वारा देश के अंदर मादकपदार्थो और तस्करी की घटनाये होना। चिन्तनीय बिंदु है। कुछ घटनाये पकड़ में आती है।तब हमारा तन्त्र जसगरुक होता है। ड्रोनों से पहले भी भारत मे पुरुलिया में जहाज द्वारा हथियार गिराये जाने की घटनायें हो चुकी हैं। हाल ही में साम्बा सेक्टर में ड्रोन द्वारा गिराए गए ए के 47 राइफलें, पिस्तौल, कारतूस आतंकवादियों के हाथ न लगकर बी एस एफ जवानों की सक्रियता से बरामद कर लिये गए। पाक सीमा पार से इसके पूर्व भी पंजाब और कश्मीर में हेरोइन और हथियारों को ड्रोनों द्वारा घटनाये पकड़ी जा चुकी है। पाकिस्तान आतंकियों तक हथियार पहुचाने की कोशिश और सीमा पर गोलीबारी करके आतंकियों को भेजने की कोशिश कई बार कर चुका है। इसी इलाके में पाकिस्तानी सुरंग का पता हमारे जवानों ने लगाया था। सीमा पर सक्रिय देश विरोधी तत्वों को पहिचानने की ओर हमारे जवान क्षेत्रों की निगरानी और छानबीन के अभियान चला रहे हैं।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

भाप थेरेपी से बचाव

एक जानकारी के मुताबिक खरगोन जिले के अंचल में कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए भाप केंद्र स्थापित किए गए। बताया जाता है कि भाप लेना कोरोना मरीजों के लिए व उसके संक्रमण से बचने में लाभप्रद है। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूलों में स्थापित भाप केंद्रों में सुबह शाम ग्रामीणों को तीन- तीन मिनिट भाप दी जा रही है। इनके अलावा कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव के विविध उपाय और वैक्सीन लगवाने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। मध्यान भोजन कार्यक्रम परिषद और पंचायत का ये कार्य प्रशंसनीय और प्रेरणादायी भी है। उल्लेखनीय है कि कई जगह पर प्राचीन ऐतिहासिक महलों आदि में स्टीम बाथ स्नानागार भी होते थे। जिसकी विधि शरीर मे रोगों को दूर कर शरीर को स्वस्थ्य बनाने की रही होगी। खैर, अन्य जिलों के अंचलों में भी भाप केंद्र बनाने की पहल की जाना चाहिए। ऐसे में सभी को डॉक्टर्स की सलाह, योग, आर्युवेदिक नुस्खे, कोरोना गाइडलाइन का पालन, आदि साथ में अवश्य ही करना चाहिए।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

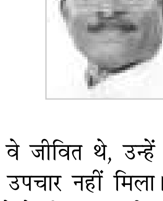

“ **गोवा** समेत सभी राज्य भीषण महामारी से जूझ रहे हैं। आक्सीजन की कमी सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द है।

– **श्रीपद नाइक**
केंद्रीय राज्य मंत्री

जब वे जीवित थे, उन्हें दवाएं, आक्सीजन, बिस्तर और उपचार नहीं मिला। अब मर जाने के उपरांत जलाने के लिए लकड़ी और अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं है।

– **लालू प्रसाद यादव**
राजद प्रमुख

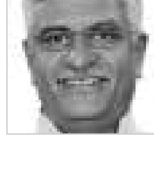

लाशों का नदी में बहना दुर्भाग्यपूर्ण है। मोदी सरकार गंगा की पवित्रता एवं निरंतरता बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है। ”

– **गजेंद्र सिंह शेखावत**
केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

अपनी विफलताओं का ठीकरा किसानों के सिर फोड़ रही सरकार: अशोक

मध्यम वर्ग के लोगों के खातों में सरकार डाले पांच हजार रुपये प्रति महीना

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक अरोड़ा ने कहा है कि हरियाणा सरकार कोरोना महामारी के बीच जनता को स्वास्थ्य सेवाएं देने में बिल्कुल विफल रही हैं। अब हरियाणा के मुख्यमंत्री अपनी विफलताओं का ठीकरा आंदोलनरत किसानों के सिर पर फोड़ रहे हैं। अरोड़ा अपने निवास स्थान पर पत्रकारों से वातार्लाप कर रहे थे।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के संगठन सचिव सुभाष पाली, कांग्रेसी नेता ओमप्रकाश हथीरा, पूर्व सरपंच फकीरचंद जोगनाखेड़ा तथा विनोद चौहान भी उपस्थित रहे। अशोक अरोड़ा ने हिसार में किसानों पर लाठीचार्ज करने व आंसू गैस छोड़ने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को इस हालात में कार्यक्रम नहीं करने चाहिए। ये सब कार्यक्रम वर्चुअल तरीके से आयोजित हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सहित गठबंधन सरकार के नेता किसानों द्वारा विरोध किए जाने की घोषणा के बावजूद कार्यक्रम आयोजित कर

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते कांग्रेस नेता अशोक अरोड़ा।

जातीय तनाव बंढाने का काम कर रहे हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में लॉकडाउन की सबसे ज्यादा मार मध्यम वर्ग पर पड़ रही है। गरीब व मध्यम वर्ग के छोटे-छोटे दुकानदार अपना काम धंधा ठप होने के कारण परेशान हैं।

उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग की कि मध्यम वर्ग के लोगों सहित रेहडी, फड़ी, ऑटो व रिक्शा चालकों तथा अन्य गरीब लोगों के खातों में सरकार पांच हजार रुपये प्रति महीना तुरंत प्रभाव से जमा करवाए ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके। इसके साथ साथ लॉकडाउन में जो दुकानें बंद हैं उनको भी रूटेशन के हिसाब से खोलने की इजाजत दी जाए ताकि वे लोग भी अपनी रोजी रोटी चला सके।

चेयरमैन न होने के कारण प्रभावित हो रहा मिट्टी कला बोर्ड का कार्य : रम्बा

कुरुक्षेत्र। प्रजापति जागरूक सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष रामकुमार रम्बा ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के बाद से मिट्टी कला बोर्ड का चेयरमैन नहीं बनाया गया है। रामकुमार रम्बा ने सिरसला रोड स्थित सभा के कार्यालय में बताया कि काफी दिनों से बोर्ड का चेयरमैन पद खाली होने से काम नहीं हो रहा है। बोर्ड का गठन होने के बाद से समाज के लोगों में आशा जगी थी कि कुम्हार समाज का पुस्तैनी कार्य मिट्टी के कारीगरों का फायदा मिलेगा, लेकिन विस चुनाव के बाद चेयरमैन पद खाली होने से काम प्रभावित हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

करोना की जंग को जीतने के लिए किया महामृत्युंजय यज्ञ

भिवानी। विश्व भर में फैली करोना महामारी के निवारण के लिए आस्था स्पेशल स्कूल भिवानी में आज रविवार को महामृत्युंजय यज्ञ का आयोजन किया गया। इस महामृत्युंजय यज्ञ के आयोजन में हरियाणवी कलाकार सरोज जांगड़ा, एडवोकेट मीना जांगड़ा, समाजसेवी संजय नरूला एवं संस्थाकी प्राचार्य एवं संचालिका सुमन शर्मा ने आहुति डालकर भगवान शंकर से महामारी रूपी पीड़ा को हरण करने की प्रार्थना की। महामृत्युंजय यज्ञ को आचार्य के रूप में संस्था के संस्थापक वीर शर्मा ने मंत्रोच्चारण के माध्यम से आहुतियां डलवाई। एडवोकेट मीना जांगड़ा ने बताया कि अब अग्नि में घी की आहुति डालकर परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करना ही एक मुख्य कारक है। हमें अपने आप को अकेला महसूस नहीं करना चाहिए। हरियाणवी कलाकार सरोज जांगड़ा ने कहा किस वर्तमान महामारी के बचाव के लिए वैदिक रीति के अनुसार हवन वास्तव में एक ऊर्जा प्रदान करता है जिसके माध्यम से हम मानसिक, शारीरिक रूप से ऊर्जावान बनते हैं। आचार्य के रूप में संस्था के संस्थापक विजय शर्मा ने बताया कि हमें वैदिक नीति एवं हिंदू धर्म की गति के अनुसार हवन के माध्यम से करोना जैसी महामारी की जंग को जीत सकते हैं इसलिए हमें प्रत्येक घर में हवन करना चाहिए।

कैम्प के पहले दिन 90 पत्रकारों को लगा टीका

भिवानी। उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य के निर्देशानुसार आज रविवार को इंप्रूवमेंट ट्रस्ट परिसर में स्थित मीडिया सेंटर में जिला के 90 मीडिया कर्मियों व उनके परिजनों को कोविड सील्ड वैक्सीन की डोज लगाई गई। ये जानकारी देते हुए टीकाकरण अभियान के इंचार्ज डाक्टर आशीष सांगवान ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा मीडिया कर्मियों को फ्रंट लाइन वॉरियर्स का दर्जा दिया गया है। इसलिए उपायुक्त ने आज इन्हें कोविड सील्ड वैक्सीन लगवाने के निर्देश दिए हैं। ये टीकाकरण अभियान कल भी चलेगा। इस टीकाकरण अभियान में लगभग 250 मीडिया कर्मियों व उनके परिजनों को टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है।

घर और कार्यस्थलों पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन 26 को

भिवानी। सेंटर ऑफ इण्डियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू), भिवानी-दादरी जिला सचिव मण्डल की ऑनलाइन बैठक जिला प्रधान राममेहर सिह की अध्यक्षता में सम्पंन हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव अनिल कुमार ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए सीटू राज्य कोषाध्यक्ष कामरेड विनोद कुमार ने कहा की भाजपा सरकार की नाकामी की वजह से कोरोना की दूसरी लहर ने पूरे देश में मेहनतकश जनता पर तबाही बरपाई है। एक साल बीतने के बावजूद सरकार न तो जनता के लिए फ्री दवाई उपलब्ध करवा पाई हैं और न ही नए स्वास्थ्य ढांचों का निर्माण किया है। सरकार की नाकामी के कारण आज लाखों लोगों ने अपनी जान गवाई हैं। आज जनता मारी-मारी फिर रही हैं मगर जनता के लिए न अस्पतालों में जगह है, न आक्सीजन हैं न वेंटिलेटर और बैड का प्रबंध है। भाजपा सरकार ने आज जनता को मरने के लिए छोड दिया हैं। ऐसे हालात में 8 मई को सीटू, किसान सभा, खेत मजदूर यूनियन की ऑनलाइन राष्ट्रीय कंवेन्शन में फ्री इलाज व फ्री वैक्सिन सभी को मिले, गरीब परिवारों के संक्रमित मरीजों के लिए आईसोलेशन केन्द्र बने, सभी परिवारों के लिए अगले 6 माह तक 10 किलो अनाज प्रति व्यक्ति मिले, गैर आयकरदाता परिवारों को 7500 रुपये प्रतिमाह सुनिश्चित करो, सभी गांवों में मनरेगा के तहत 200 दिन काम दो व 700 रुपये दिहाडी लागू करो, भवन निर्माण मजदूरों बिना शर्त सुविधाओं की राशि जारी करो, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों, आंगनबाडी, आशा कर्मियों को कोरोना के तहत बीमा कवर में शामिल करो व कोरोना के दौरान 2000 रुपये जोखिम भत्ता लागू करने, किसानों की मागों का बातचीत के माध्यम से समाधान करने आदि मांगों को लेकर 26 मई को गांव व मोहल्ला स्तर पर अपने घरों के बाहर व कार्यस्थलों पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

पीएम केयर फंड से मिले खराब वेंटिलेटरों की जांच सीबीआई करे

विभिन्न राज्यों में दिए गए वेंटिलेटर में से 60 प्रतिशत से ज्यादा हैं खराब

पायनियर समाचार सेवा। रेवाडी

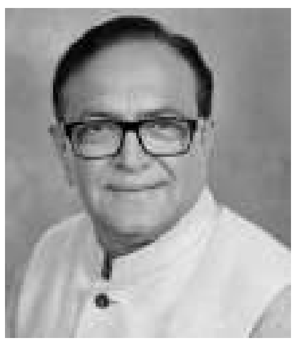

पूर्व मंत्री अजय सिंह यादव कैप्टेन ने कहा कि बडे दुख की बात है कि ऐसे समय में भी भष्ट्राचार अपनी चरम सीमा पर है। केंद्र सरकार द्वारा पीएम केयर्स फंड से विभिन्न राज्यों में वेंटिलेटर दिए गए हैं। उसमें से 60 प्रतिशत से ज्यादा वेंटिलेटर खराब हैं। जिसकी वजह से लोगों की जान गई हैं। इसलिए देश की जनता की खून पसीने की कमाई के पैसे को जिन अधिकारियों ने डकारना चाहा है उस की सीबीआई से जांच करानी चाहिए।

पूर्व मंत्री कैप्टेन अजय सिंह यादव ने कहा कि झज्जर जिले के बाढसा में बने एम्स में जितने भी कोरोना के मरीज हैं। वे सभी एम्स दिल्ली से रेफर किए जाते हैं और अधिकतर मरीज हरियाणा के बाहर के होते हैं। जबकि जमीन और ऑक्सीजन हरियाणा सरकार देती है तो फिर हरियाणा के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से क्यों वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है।

कैप्टेन अजय सिंह ने कहा कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए सरकार को अभी से

कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए सरकार अभी से तैयारियों में जुटे

तैयारियों में जुट जाना चाहिए। मनेठी में बनने वाले एम्स को सरकार ने तुरंत प्रभाव से शुरू करवाना चाहिए। जल्द से जल्द पीएम केयर फंड से पैसा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लेकर मनेठी एम्स का कार्य शुरू करवाना चाहिए। ताकि जिस प्रकार कोरोना की दूसरी लहर में रेवाडी में बेकसूरों की जाने गई हैं उनको आगे रोका जा सके। श्रीयादव ने कहा कि गांवों में कोरोना घर-घर दस्तक दे रहा है। सरकार संक्रमितों व मृतकों के आंकडे छुपाकर झूठे दावों के पुलिंदे बांध रही है। ग्रामिण क्षेत्रों में अस्पतालों व स्वास्थ्य सेवाओं की भारी कमी है। पीएचसीयों में पर्याप्त संसाधन नही हैं, डाक्टर्स व स्वास्थ्य कर्मियों की भारी कमी है, जिसके चलते मरीजों के परिजनों को खुद ही मरीजों की देखभाल करनी पड़ रही है। इसलिए सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों का विशेष ध्यान देना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में जल्द से जल्द टीम गठित करके सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्र में टेस्टिंग बढ़ानी चाहिए। पीएचसी में पर्याप्त संसाधन व खाली पडे पदों को भरना चाहिए।

श्रीयादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले एक साल में कोई सीख नहीं ली और एक साल बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य सेवाओं में हम जहां थे आज भी वहीं पर ही हैं। अस्पतालों में अब भी वेंटिलेटर की भारी कमी है। अस्पतालों में ऑक्सीजन समय पर नहीं मिल पा रही है।

कोरोना मरीजों के लिए है बेडों की उचित व्यवस्था : पूनिया

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि कोरोना से निपटने के लिए बीपीएस महिला मैडिकल कालेज खानपुर कलां में कोरोना मरीजों के लिए 500 बेड्स की व्यवस्था की गई है। जिसमें आईसीयू में 220 आक्सीजन बेडों तथा 80 नॉन ऑक्सीजन बेडों तथा 50 वेंटीलेटर बेड शामिल हैं। इसके अलावा आईसीयू से अलग भी 170 ऑक्सीजन बेड्स की उचित व्यवस्था की गई है।

उपायुक्त ने कहा कि बीपीएस खानपुर में आईसीयू में 80 नॉन ऑक्सीजन बेड्स में से 73 खाली है। वहीं आईसीयू में ही 220 ऑक्सीजन बेड्स में से 26 बेड खाली हैं। उन्होंने कहा कि आईसीयू से अलग 170 ऑक्सीजन बेड में से 26 बेड खाली है वहीं 50 वेंटीलेटर बेडों में से कोई भी वेंटीलेटर बेड खाली नहीं है। उपायुक्त पूनिया ने कहा कि बीपीएस खानपुर में कोरोना मरीजों को नियमित रूप से आक्सीजन उपलब्ध करवाई जा रही है। बीपीएस मेडिकल

कोरोना मरीजों को नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जा रही है ऑक्सीजन

कॉलेज में डी-टाईप के 420 ऑक्सीजन सिलेंडर, बी-टाईप के 65 सिलेंडर तथा ए-टाईप के 26 सिलेंडरों की व्यवस्था की गई है। खानपुर मेडिकल कालेज में 46 ऐसे कोरोना मरीज है, जो सामान्य आक्सीजन बेड पर एडमिट है और 148 मरीज है जो हाई फ्लो आक्सीजन थैरेपी बेडों पर एडमिट हैं। उपायुक्त ने कहा कि बीपीएस खानपुर में 10 टन क्षमता वाले तरल ऑक्सीजन प्लाट की भी शुरूआत की गई है। इस ऑक्सीजन प्लांट का प्रेशर 4.2 है, जो वेंटीलेटर के लिए सुरक्षित है। इस शुरू होने से अब बीपीएस में ऑक्सीजन की कमी नहीं रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को उचित मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा बीपीएस में एक और ऑक्सीजन प्लांट पर कार्य तेजी से चल रहा है।

छात्रों को नई टेक्नोलॉजी से करवाया अवगत

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

टीम नेशनल स्कालरशिप एग्जाम ने रविवार को छात्रों के लिए टेक्नोलॉजी पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई। छात्रों को बताया गया की कई बार हम बिना जानकारी की वजह से धोखा खा जाते हैं। जैसे बात करे टीवी के साथ इस्तेमाल होने वाली एचडी एमआई केबल की। जिसमें डिजिटल सिगनल का प्रयोग होता है तो महंगी केबल लेने से सिगनल में कोई फर्क नहीं पड़ता। इसके अलावा छात्रों को बताया की विश्व की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कम्पनी एप्पल की डिस्प्ले स्क्रीन को सैमसंग कंपनी बनाती है। प्रतियोगिता में अनिरुद्ध चैटर्जी ने पहला, देवी प्रिय दर्शिनी ने दूसरा और प्रणव अग्रवाल ने तीसरा स्थान पाया। संस्था के सीनियर एसोसिएट यतीश सिंहल ने बताया की जल्दी ही संस्था की तरफ से देश के सभी बच्चों के लिए मुफ्त वेबिनार कराये जाएंगे।

जल्द बहाली नहीं हुई तो पीटीआई करेंगे बड़ा आंदोलन:कितलाना

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

नौकरी बहाली की मांग को लेकर जारी बर्खास्त पीटीआई का धरना आज रविवार को 336वें दिन भी जारी रहा। रविवार को धरने की अध्यक्षता करते हुए राजेश कितलाना ने कहा कि इस तानाशाही भाजपा-जजपा के शासनकाल में पीटीआई को धरने पर बैठे एक एक लंबा अरसा हो चुका है, मगर इस बेशर्म सरकार पर किसी प्रकार का कोई प्रभाव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि परिवार का, बच्चों

का दुख-दर्द क्या होता है, ये गृहस्थ लोगों को पता होता है, मगर सरकार को चला रहे लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। पारिवारिक भावनाओं की जानकारी इन लोगों को नहीं है। इसीलिए ऐसे लोगों को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इन्हे सत्ता को छोड़कर गृहस्थ जिम्मेदारी निभाने वाले ईमानदार लोगों के हाथ में सत्ता सौंप देनी चाहिए। धरने को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक प्रधान राकेश मलिक, हरियाणा शारीरिक शिक्षा संघ के जिला महासचिव विनोद पिंकू, शिक्षा बोर्ड के प्रधान सुभाष कौशिक, एसकेएस से ओमप्रकाश शेखावत ने कहा कि सरकार अपनी बेशर्मी छोड़कर पीटीआई को नौकरी पर वापस ले, अन्यथा प्रदेश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। 336वें दिन के क्रमिक अनशन पर विनोद सांगा, सतीश प्रहलादगढ़, सुरेंद्र सिंह और उदयभान बैठे।

गोचारण भूमि पर पौधारोपण को उठाएं ठोस कदम: उपायुक्त

प्रकृति की रक्षा करने के लिए पर्यावरण की दिशा में बढ़ाने होंगे अहम कदम

रणबीर रोहिल्ला। सोनीपत

कुमासपुर नंदीशाला का दौरा करते डीसी और अन्य।

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि जिला की प्रत्येक पंचायत गांव की गौचरण भूमि पर पौधारोपण करने के लिए ठोस कदम उठाएं, ताकि प्रत्येक गांव प्रकृति संरक्षण में अपना अहम योगदान दे सकें।

प्रकृति ने हमें प्राचीन समय से ही इस धरती पर जीने के लिए हर वो आवश्यक वस्तु दी जो मनुष्य के जीवन के लिए जरूरी थी। लेकिन कभी आपने सोचा है कि हमने प्रकृति को क्या दिया। इसलिए हमें प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पर्यावरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढाने होंगे, नहीं तो वो दिन दूर नहीं कि मनुष्य का अस्तित्व खतरे में आ जाएगा। क्योंकि अगर इस धरती पर प्रकृति नहीं तो मनुष्य का जीवन भी संभव नहीं है। उपायुक्त ने रविवार को कुमासपुर नंदीशाला में पौधारोपण करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान होने वाली ऑक्सीजन की कमी का कारण कहीं न कहीं पेड़ों की अधिक कटाई भी है। मनुष्य ने अपने विकास के लालच में प्रकृति को इतना नुकसान पहुंचा दिया है कि मनुष्य को अनेक बिमारियों का सामना करना पड़ रहा है। पेड़ों की अधिक कटाई के कारण वातावरण में ऑक्सीजन का संतुलन बिगड़ गया है और वातावरण में ऑक्सीजन की कमी हो गई है। उपायुक्त पूनिया ने पौधो की सुरक्षा के लिए अपने निजी कोष से लोहे कि ग्रील लगाई ताकि पौधों को पशुओं तोड़ ना सके।

उपायुक्त ने कहा कि ट्रीमैन देवेन्द्र सूरा व उनकी टीम जो कार्य कर रहे है वो बहुत ही सराहनीय है जो प्रकृति संरक्षण कार्य में भी ये युवा एक क्रांतिकारी के रूप में कार्य कर रहे है। वे पौधारोपण कर प्रकृति की रक्षा करने के साथ मनुष्य की रक्षा भी करने का कार्य कर रहे हैं, क्योंकि बिना ऑक्सीजन मनुष्य एक मिनट भी जिंदा नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण को लेकर सभी युवाओं को मिलजुल कर कार्य करना चहिए, तभी मनुष्य जीवन को बचाया जा सकता है।

छुट्टी पर गए डाक्टरों को ज्वाइन करने के आदेश

भिवानी। उपायुक्त एवं जिलाधीश ने विभिन्न कारणों से छुट्टी पर गए 19 डॉक्टरों को तुरंत ऑफिस ज्वाइन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पीएमओ डा. मंजू कादयान जो दिसंबर 2020 से लगातार छुट्टी पर है, के साथ-साथ एसएमओ डा कृष्ण कुमार, डा अनिल शर्मा, डा रघुबीर सिंह, मेडीकल ऑफिसर डा सुनीता, डा विनीता, डा रमेश लांबा, डा रीना सिसोदीया, डा बिजेन्द्र, डा बबली गुप्ता, डा अंकिता अग्रवाल, डा धर्मेन्द्र, डा दिव्या के साथ-साथ छुट्टी पर गए डा संदीप कुमार, डा राम निवास, डा उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी कोविड-19 से संबंधित गाइड लाइन के अनुसार होम आईसोलेशन की समयावधि 17 दिन से घटाकर 10 दिन कर दी गई है।

यैस वुई कैन के चेयरमैन ने मेडिकल स्टाफ को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

प्राइमरी हेल्थ सेंटर कुंजपुरा में यैस वुई कैन के चेयरमैन संजय बतरा ने डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मधुबन के प्रिंसिपल सरदार मनतोष पाल सिंह के साथ कॉविड वैक्सीन के वैक्सीनेशन कैम्प का अवलोकन किया।

जहां डॉ विनीत सैनी, डॉ प्रदीप एवं डॉ रीना की देखरेख में कोरोना वैक्सीन करवाने आये लोगों को कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण में सहयोग कर रहे शोभा एएनएम, शुभप्रीत एएनएम, रितु फार्मासिस्ट, अभिषेक वार्ड ब्वाय, अजय,बलकार सिंह, संजीव कुमार व सभी हैल्थ स्टाफ की सराहना करते हुए संजय बत्रा ने बताया की स्वास्थ्य विभाग

कोरोना महामारी में जिम्मेदारी के साथ अपनी अग्रिणी भूमिका निभा रहे है और टीकाकरण करना, ऑनलाइन करना, कोरोना के टेस्ट करना, फार्मेसी में दवाइयां देनी, लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करना, व साथ ही साथ 18 प्लस को टीकाकरण करवाने के लिए पर्याप्त जानकारी देना बहुत ही अच्छे से कार्य कर रहे हैं।

यैस वुई कैन के चेयरमैन संजय बतरा ने डॉ विनीत सैनी, डॉ प्रदीप एवं डॉ रीना के कार्य को देखते हुए कि वह अपनी टीम के साथ छुट्टी के दिन भी उत्साह के साथ वैक्सीन करवाने आए लोगों का सहयोग कर

कोरोना योद्धा बताते हुए अंग वस्त्र ओढा कर सम्मानित किया

रहे थे, को कोरोना योद्धा बताते हुए अंग वस्त्र ओढा कर सम्मानित किया

उन्होंने सभी युवा व सीनियर सिटीजन (बुजुर्गो) से अपील कि की इस वैक्सीनेशन ड्राइव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। चेयरमैन संजय बतरा ने जानकारी देते हुए बताया की कोविड-19 के तहत देश विदेश में फैली भयंकर महामारी से बचने के लिए सभी को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना, मास्क पहनना, बेवजह घर से बाहर न जाना, भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचना, आदि की सलाह दी।

प्रेरणा

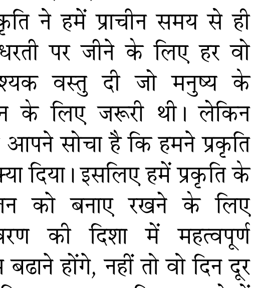

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बीमारी कोई भी हो कमजोर कर देती है,
मन में निराशा और भय का भाव भर देती है,
इस निराशा को जीतो और कहो कि जीऊंगा सौ तक,
जो कमजोर पड़े तो ये खटिया को ही शमशान कर देती

प्रतियोगिता में मुस्कान ने मारी बाजी

थानेसर। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गुलजारी लाल नंदा केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सामान्य ज्ञान तथा भारत रत्न श्रीगुलजारी लाल नंदाजी के जीवन के संघर्षो से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए थे। जिसमें जूलोजी विभाग की मुस्कान ने प्रथम स्थान, केमिस्ट्री विभाग की भारती ने दूसरा स्थान व कामर्स विभाग की विनिता गुप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

समिति ने कैदियों की विशेष पैरोल को 31 अगस्त तक बढ़ाया : रमेश चन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रमेश चन्द्र ने बताया कि हाई पावर समिति की 14वीं बैठक में 07 मई को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश राजन गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोविड की महामारी की दूसरी लहर के चलते कैदियों की पैरोल को 31 अगस्त तक बढ़ाया गया।

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी ने बताया कि इस समिति द्वारा निर्धारित श्रेणियों के तहत विशेष पैरोल पर छोड़े गए 7 साल से अधिक की सजा वाले कैदियों की रिहाई की अनुमति दी गयी। इस समिति द्वारा निर्धारित श्रेणियों के तहत विशेष पैरोल पर पहले रिहा किए गए 07 साल से अधिक के कारावास की सजा पाने वाले सभी दोषियों को सक्षम अधिकारियों द्वारा 31 अगस्त तक विशेष पैरोल पर फिर से जमानत के उसी सेट पर रिहा किया जाएगा।

यदि जमानतदार इसके लिए सहमति देते हैं और नए सिरे से पूछताछ किए बिना। इसके अलावा नए जमानतदारों के मामले में जहां पुरानी जमानतदार अपनी सहमति देने से इनकार करते हैं, नए जमानतदारों को शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने के लिए नई जांच किए बिना सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए स्वीकार किया जाएगा।

धनी शुरू कर रहा है, 25 लाख परिवारों के लिए मुफ्त कोविड केयर दवाइयों का वितरण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद/करनाल।

धनी एप ने 25 लाख परिवारों के लिए 90 करोड़ रुपये की कीमत के कोविड केयर स्वास्थ्य किट्स का नि:शुल्क वितरण शुरू किया है, जो कि 50 लाख पुख्ता उम्र के व्यक्तियों को काम आएगा। प्रत्येक कोविड केयर स्वास्थ्य किट के अंदर दो व्यक्तियों के लिए रोगनिरोधक दवाइयां होंगी। धनी एक डिजिटल एप है जो इंडिया बुल्स ग्रुप के बिजनेस ऑफ हेल्थ केयर पर आधारित है।

यह किट मिनिस्ट्री आफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेर द्वारा सूचित मार्गदशिका के आधार पर तैयार की गई है। यह कोविड-19 के शुरूआती दौर में रोगनिरोधक दवाई के रूप में काम आएगी। हर किट में पूरे एक महिने की दवाइयां जैसे कि विटामिन सी, विटामिन डी3, जिंक और पेरासिटामोल (बुखार या शरीर-दर्द हो तो) की गोलियां हैं जो व्यक्ति की रोग प्रतिकारक शक्ति को बढ़ाएगी। जो परिवार इस अभियान का लाभ लेना चाहता हो, वह या तो धनी एप पर जाएं या फार्मेसी डॉट धनी डॉट कॉम पर लॉग ऑन करें और अपने नि:शुल्क आर्डर का पंजीकरण करवाएं। इसके अलावा वे धनी डॉक्टरों व विशेषज्ञ के साथ कभी भी नि:शुल्क वीडियो कॉल कर सकते हैं और 15 सेकंड के अंदर डॉक्टर के साथ वीडियो कॉल पर सम्पर्क साध सकते हैं। धनी हेल्थ केयर के अध्यक्ष निखिल चारी का कहना है, इस किट का इस्तेमाल रोग प्रतिकारक शक्ति को बढ़ाने में सहायता करेगा। यदि किसी इंसान को बुखार, खांसी या गले के इन्फेक्शन के चिन्ह दिखे तो वह तुरंत कोविड को शुरूआती दौर में ही रोकने के लिए यह दवाइयां ले सकते हैं। परिवार, किसी भी प्रकार की सलाह और मार्गदर्शन के लिए नि:शुल्क वीडियो कंसल्टेशन द्वारा धनी डॉक्टरों के साथ जुड़ सकता है। इस मुद्दे पर जुड़ते हुए चीफ मेडिकल ऑफिसर-धनी हेल्थ केयर, डॉक्टर स्मिता दाश कहती हैं-ऐसा नहीं कि यह किट सम्पूर्ण कोविड केयर का विकल्प नहीं है, लेकिन यह कोविड केयर के शुरूआती दौर के लिए है, जो कि शरीर में रोग प्रितकारक शक्ति बढ़ाएगा और वह सभी वाइरल इन्फेक्शन को रोकने में मदद करेगा।

इस पहल का नाम है धनी आप के साथ और इस पहल में अधिक मददगार होने के लिए धनी ने अपने डॉक्टरों का एक मंडल बनाया है।

हरियाणा के बाइस जिलों में पच्चीस भर्ती होंगे सुशासन के सहयोगी

सरकार ने पांच साल के कार्यक्रम को बताया सफल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी (सीएमजीजीए) कार्यक्रम को छठे वर्ष में भी जारी रखने का ऐलान कर दिया है। इसके लिए 21 मई से देशभर के युवा ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सीएमजीजीए के कार्यक्रम निदेशक डॉ. राकेश गुप्ता ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीएमजीजीए कार्यक्रम राज्य की प्राथमिकताओं पर काम करने और सुशासन को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं की ऊर्जा, रचनात्मकता और कौशल का लाभ उठाने के लिए वर्ष 2016 से अशोका विविद्यालय और हरियाणा सरकार के बीच एक रणनीतिक सहयोग है।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 25 चयनित उम्मीदवारों को हरियाणा के 22 जिलों में रखा जाएगा। वे सीधे उपायुक्त और प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि सिस्टम को सुव्यवस्थित किया जा सके और उत्पादकता में वृद्धि और नागरिक सेवाओं के वितरण में वृद्धि के लिए मौजूदा संरचनाओं को सुधारने के लिए अभिनव समाधान किए जा सकें।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्ष 2016 में युवाओं को सरकार के साथ जोड़ने की योजना को मंजूरी दी थी। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में सीएमजीजीए के युवाओं ने राज्य में कई क्रॉस-कटिंग मुद्दों पर काम किया जैसे परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, सार्वजनिक सेवा वितरण, स्वच्छता और कोविड प्रबंधन से लेकर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, अंत्योदय सरल, ई-ऑफिस आदि प्रमुख योजनाओं के लिए बेहतर काम किया है। यही नहीं इन युवाओं ने अपने-अपने जिलों के उपायुक्तों के नेतृत्व में संबंधित जिले में सबसे अधिक दबाव वाले मुद्दों से निपटने के लिए कई पायलट कार्यक्रम भी किए। सीएमजीजीए के कार्यक्रम निदेशक के अनुसार 26 जुलाई 2021 से शुरू होने वाले नए बैच को हरियाणा में शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, महिला सुरक्षा और सार्वजनिक सेवा वितरण के तहत नए और वर्तमान प्रमुख कार्यक्रमों पर काम करने का अवसर मिलेगा।

परिवहन, शिक्षा स्वास्थ्य, सार्वजनिक सेवा वितरण पर रहेगा फोकस

डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि पिछले साल देश के 15 से अधिक राज्यों से कुल 2600 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। अशोका विश्वविद्यालय के सह-संस्थापक और ट्रस्टी विनीत गुप्ता ने बताया कि सीएमजीजीए की शुरुआत वर्ष 2016 में एक प्रयोग के रूप में हुई थी, अब सरकारी हितधारकों के साथ-साथ युवाओं के बीच भी इसकी सफलता-दर जबरदस्त रही है।

हिसार में किसानों और पुलिस के बीच हुआ खूनी संघर्ष

सीएम के दौरे का कर रहे थे विरोध, पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस, लाठीचार्ज और पथराव

एक दर्जन किसान व बीस पुलिस कर्मचारी घायल, भीड़ ने पुलिस की पांच गाड़ियां तोड़ी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के हिसार दौरे का विरोध कर रहे किसान संगठनों तथा पुलिस के बीच जमकर हुए खूनी संघर्ष में एक दर्जन से अधिक महिला व पुरुष किसान आंदोलनकारी तथा बीस पुलिस कर्मी घायल हो गए। हिसार शहर में करीब एक घंटे तक जमकर हिंसा होती रही। पुलिस कर्मियों ने गलियों में घुसकर लोगों पर लाठियां बरसाई और भीड़ ने पुलिस की पांच गाड़ियों को तोड़ते हुए पुलिस पर जमकर पथराव किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को जिंदल मॉडर्न स्कूल में बने 500 बेड के चौधरी देवीलाल संजीवनी अस्पताल के उद्घाटन करने के लिए पहुंचे थे। विभिन्न संगठनों के आह्वान पर आंदोलन कर रहे किसानों को जैसे ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आने की सूचना मिली तो वे एकत्रित होकर जिंदल मॉडर्न स्कूल की तरफ आने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। किसानों तथा मौके पर तैनात डीएसपी अभिमन्यु के बीच कहा सुनी हो गई और कुछ ही पलों में दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई।

किसान संगठनों से से जुड़े लोग सेक्टर 9-11 चौक तक पहुंच गए, जहां पुलिस ने आंसू गैस छोड़ दिए। जिससे मामला और बढ़ गया। भीड़ ने पुलिस की गाड़ियों को निशाना बनाते हुए पथराव शुरू कर दिया।

इस बीच कुछ आंदोलनकारी उग्र हो गए और हिसार शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में ट्रैक्टरों की मदद से पुलिस की बैरीकेडिंग को तोड़ते हुए शहर के भीतर प्रवेश कर गए। जिसे लेकर पुलिस के हाथ-पांव फूल गए।

भारी सुरक्षा के बीच पुलिस ने सीएम को वहां से निकाला और प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए जमकर लाठीचार्ज किया। करीब एक घंटे तक शहर में पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प होती रही। इस घटनाक्रम में जहां करीब एक दर्जन किसान घायल हुए हैं वहीं चंडीगढ़ पुलिस मुख्यालय से जारी जानकारी में दावा किया गया कि आंदोलनकारियों के हमले में पांच महिला पुलिस कर्मियों समेत कुल 20 पुलिस कर्मचारी घायल हुए हैं। भीड़ ने डीएसपी पर भी हमला किया है। पुलिस के अनुसार उपद्रवियों ने पांच गाड़ियां भी तोड़ी हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार उपद्रवियों ने सबसे पहले नहर पुल पर स्थापित किए गए बैरिकेड को तोड़ा और बैरिकेड नहर में फेंक दिए।

अफवाहों पर ध्यान न दें, कोरोना की दोनों वैक्सीन सुरक्षित

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

वैक्सीनेशन को लेकर अफवाहों पर ध्यान ना दें और जल्द से जल्द कोरोना रोधी वैक्सीन लगवाएं। वैक्सीन को लेकर आवश्यक जानकारी सांझा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की दवाइयों का सेवन कर रहा है तो इसकी जानकारी वह कोरोना रोधी वैक्सीन लगवाते समय वैक्सिनेटर को अवश्य दें। इसी प्रकार, वैक्सीन व्यक्ति की फर्टिलिटी को प्रभावित नहीं करती, यह मात्र एक भ्रम है।

महिलाएं कोरोना रोधी टीका मासिक धर्म वाले दिनों में भी लगवा सकती हैं, इससे वैक्सीन की एफिकेसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दोनो वैक्सीन पूर्णतया प्रभावी व सुरक्षित है। वैक्सीन लगवाने के बाद यदि व्यक्ति संक्रमित हो भी जाए तो उसकी स्थिति गंभीर नहीं होती। उन्होंने कहा कि कोमोर्बिडिटी अर्थात् गंभीर बीमारी जैसे-कैंसर, डायबिटिज आदि से पीड़ित लोगों को वैक्सीन अवश्य लगवानी चाहिए। वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी व्यक्ति को कोविड प्रोटोकाल का पालन अवश्य करना चाहिए। वैक्सीन की डोज लेते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि जिस वैक्सीन की पहली डोज ली है, दूसरी डोज भी उसी वैक्सीन की होनी चाहिए। वैक्सीन की कोई कमी नहीं जिले में सामान्य तरीके से वैक्सीन लगाई जा रही है, सभी को धर्य रखने की जरूरत है। उपायुक्त ने बताया कि वैक्सीन की डोज लेने उपरांत व्यक्ति को कुछ सामान्य अतिरिक्त प्रभाव हो सकते हैं, इसलिए वह घबराए नहीं। ये प्रभाव एक-दो दिन से लेकर एक सप्ताह तक रह सकते हैं। उन्होंने बताया कि वैक्सीन लगवाने पर व्यक्ति को हल्का बुखार, थकान, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द या वैक्सीन वाली जगह पर दर्द या लाल हो सकता है। व्यक्ति घबराए नहीं और जल्द से जल्द अपना टीकाकरण करवाएं। उन्होंने जिला वासियों का आह्वान किया कि वे कोरोना वायरस से सतर्क रहे, घबराएं नहीं। सफल टीकाकरण अभियान से ही कोरोना संक्रमण की रोकथाम संभव है। टीकाकरण के लिए आरोग्य सेतु एप या कोविन पोर्टल से अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर स्वेच्छा से आगे आएं।

टीकाकरण के बाद भी सैनेटाइज, मास्क व सामाजिक दूरी का हो पालन

कोरोना चैन को तोड़ने के लिए कराएं टेस्ट: संतलाल

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला सिविल सर्जन डा. संत लाल वर्मा ने कहा कि कहा कि कोरोना का संक्रमण कुरुक्षेत्र जिले में तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस जिले में कई जगहों पर कोरोना संक्रमण का प्रभाव बहुत ज्यादा है, ऐसे क्षेत्रों को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से चिन्हित किया जा रहा है और वहां पर एंटरेंडम सैम्पलिंग का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है।

इन जगहों पर अधिक से अधिक सैम्पल एकत्रित किए जा रहे हैं ताकि प्रभावित क्षेत्रों पर नियंत्रण पाया जा सके। इस जिले में सरकारी अस्पताल व मोबाइल वैन के जरिए कोरोना वायरस के टेस्ट किए जा रहे है। सीएमओ डा. संत लाल वर्मा ने बातचीत करते हुए कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने वाले लोगों को कोरोना टेस्ट करवाने के लिए आगे आना होगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दर्जन भर गांवों को किया सैनेटाइज

रादौर। कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को सैनेटाइज किये जाने का अभियान लगातार जारी है। रविवार को भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांव बकाना, जुब्बल, धौडंग, रतनगढ़ नंदपुरा आदि कई गांव में सैनेटाइज अभियान चलाया। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मांगेराम मारुपुर ने बताया कि अभियान के तहत अब तक कार्यकर्ताओं द्वारा हल्का रादौर के 25 से 30 गांव में सैनेटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को लेकर हल्का रादौर में पांच टीमों का गठन किया गया है।

जजपा ने उठाया जिले को संपूर्ण सैनेटाइज करने का बीड़ा

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

पूर्व उपप्रधानमंत्री स्व. देवीलाल की पुण्यतिथि 6 अप्रैल से जजपा द्वारा जिला स्तर पर शुरू किए गए कोरोना के खिलाफ अभियान अब एक जूनून बन गया है। अभियान के तहत पहले जिले की अनाज मंडियों को सैनेटाइज किया गया, किसानों, मजदूरों व व्यापारियों को मास्क व हैंड सैनेटाइजर वितरित किए गए। जिले भर में कोरोना बचाव के छह वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किए गए। कोरोना पीड़ितों के लिए हेल्प लाइन जारी कर दी थी।

इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज रविवार को जननायक जनता पार्टी के जिला प्रधान विजय सिंह गोठड़ा ने भिवानी जिले के सभी गांव और शहरों को सैनेटाइज करने के अभियान की शुरुआत देवीलाल सदन से दर्जनों ट्रैक्टर रवाना करते हुए की। इस अभियान के तहत जेजेपी ने जिला भर में जितने भी गांव और शहर है, उनको सैनेटाइज करने का बीड़ा उठाया है। कल से भिवानी शहर के सभी वार्डो को सैनेटाइज करने का अभियान भी शुरू हो जाएगा। ताकि कोरोना महामारी संक्रमण को खत्म किया जा सके। आज शुरू किए अभियान की विस्तृत जानकारी देते जजपा जिला प्रधान विजय सिंह गोठड़ा ने कहा कि जजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे जिले को सैनेटाइज करने की रूपरेखा बना ली है।

लायंस क्लब ने कोरोना वॉरियर्स को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

थाना प्रभारी प्रतीक कुमार को सम्मानित करते लायंस क्लब के सदस्य।

कोविड के दौरान पुलिस, चिकित्सकों व सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी है प्रशंसनीय

रविवार को लायंस क्लब-321-ए-2 की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर शाहाबाद में कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में क्लब के जिला जनपद पाल रमन गुप्ता विशेष रूप से पहुंचे। क्लब की ओर से चिकित्सकों, समाज सेवियों व पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

क्लब के प्रधान उमेश गर्ग, जिला जनपद पाल रमन गुप्ता व ललित बहल ने शाहाबाद थाना प्रभारी प्रतीक कुमार को पुष्प मालाओं के साथ कोविड के दौरान विशेष कार्य करने के लिए सम्मानित किया। जिला जनपद पाल रमन गुप्ता ने कहा कि कोविड के दौरान पुलिस, चिकित्सकों व सफाई कर्मचारियों की की ड्यूटी प्रशंसनीय है। यह सभी अपनी जान की परवाह किए बिना निडरता से अपना कार्य कर रहे हैं। इसलिए हर व्यक्ति को इन लोगों का से मान व सहयोग करना चाहिए। क्लब के प्रधान उमेश गर्ग ने कहा कि क्लब की ओर से पुलिस को मास्क व सैनेटाइजर भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्लब कोविड के दौरान निरंतर काम कर रहा है और प्रयास है कि समाज के जरूरतमंद तबके को मदद पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर ललित बहल, वीरेन्द्र महता, त्रिलोक सिंगल, हरभजन छाबड़ा, पवन गुप्ता, पवन गुप्ता, राजेन्द्र गाबा, अनिल अग्रवाल सहित क्लब के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

लोग अहसान फरामोश मत बनें : अनुराधा भार्गव

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

श्रीगुरु तेग बहादुर ब्रिगेड करनाल की अध्यक्ष अनुराधा भार्गव ने कहा कि मनुष्य वही है, जो किसी के अहसान को भुलाए नहीं। अगर कोई व्यक्ति या समाज किसी के किए अहसान को भूल जाता है तो उसको अकृतघ्न या अहसान फरामोश कहा जाता है। यह बहुत बड़ा दोष है जिसे धर्म की दुनिया में पाप कहा गया है। सनातन समाज व खास कर ब्राह्मण समाज जो युगों से अपने ऋषियों मुनियों अवतारों को पूजता आ रहा है मानता आ रहा है। सतयुग में बावन अवतार त्रेता में राम अवतार द्वापर में कृष्ण अवतार लेकिन जैसे ही कलयुग आया तो पाप कर्म बढ़ने लगे। सनातन धर्म पर एक बड़ा खतरा मुगल व तुर्क शासकों का होने लगा। मंदिर तोड़े जाने लगे सनातन धार्मिक कार्य रोक दिए गए।

उन्होंने कहा कि भारत में हर तरफ जुल्म अत्याचार बढ़ने लगा। कोई देवी या देवता प्रगट नहीं हो रहा था, मंदिरों में पड़ी मूर्तियां मूकदर्शक बनी हुई थी। क्षत्रिय अपने परिवारों व समाज को बचाने के लिए लड़ रहे थे, वैश्य लूटे जा रहे थे, ब्राह्मण धर्महीन किए जा रहे थे।

बुजुर्गों के लिए कोरोना सुरक्षा थाली मुहिम की हुई शुरुआत

एक स्टील थाली में पांच फेस मास्क, एक सैनिटाइजर, एक साबुन आदि दिए जा रहे

राजा झिंजर ने नंगे पैर घूम रहे 25 बुजुर्गों एवं बच्चों को पहनाए जूते-चप्पल

पीएल वर्मा। कैथल

दिव्यांगजन एवं बुजुर्गों को कोरोना सुरक्षा थाली देते प्राध्यापक राजा झींजर व अन्य।

कोरोना वायरस की जंग को जीतने के लिए जन-जन के सामूहिक सतर्कता एवं सहयोग की जरूरत है। वायरस का गांव की ओर पांव पसारना काफी जटिल समस्या है। अब दिव्यांग जनों, बुजुर्गों व बच्चों को कोरोनावायरस से सुरक्षा के घेरे में लाना ज्यादा जरूरी है।

ये विचार जिला जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्राध्यापक राजा झींजर ने अपने जनसंपर्क अभियान के तहत गांव खरौदी, पड़ता व चीका में लोगों को कोरोनावायरस बारे जागरूक करते हुए कहे। झींजर ने कहा कि बुजुर्ग पारिवारिक और सामाजिक धरोहर होते हैं। इन्हें महामारी से ज्यादा सुरक्षित रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों के लिए जूनियर रेडक्रॉस शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना सुरक्षा थाली के नाम से गांव दर गांव अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें उन्हें एक स्टील थाली में पांच फेस मास्क, एक सैनेटाइजर, एक साबुन, 10 पीसीएम टेबलेट्स, एक इम्युनिटी किट, तीन फल, एक बिस्कुट पैकेट, एक जानकारी प्रपत्र जागरूकता संदेश के साथ मुफ्त दिया जा रहा है। झींजर ने कहा कि इस विकट परिस्थिति में जहां बुजुर्गों का सम्मान आदर्श परिवार की पहचान है वहीं उनके जीवन भर के तजुर्बे को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। कोरोना सुरक्षा थाली के साथ-साथ आम लोगों को दो गज की दूरी और फेस मास्क लगाने व स्वच्छता पर ज्यादा ध्यान देने पर जोर दिया गया।

शुगरमिल कोविड सेंटर में दिये स्टीमर, पीपी किट, स्पाइरो मीटर

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

नर-नारायण सेवा समिति के संस्थापक मनीष भाटिया ने बताया

जनसेवा में लगी नर-नारायण सेवा समिति ने शुगरमिल में स्थापित किए गए 25 बैड के कोविड सेंटर में कोविड रोगियों के लिए आवश्यक सामान दिया है।

जानकारी देते हुए संस्थापक मनीष भाटिया ने बताया कि समिति की ओर से स्टीमर, पीपी किट, स्पायरो मीटर, ऑक्सीजन मास्क व अन्य सामान सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि महामारी के इस दौर में कोरोना की चपेट में आए लोगों को की मदद की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उपचार व सुविधाओं के अभाव में जरूरतमंद रोगी दम न तोड़ दे इसलिए हर सक्षम व्यक्ति मदद को आगे आए। मिल के सीए दीपक खटौर ने सहयोग के लिए समिति का आभार व्यक्त किया। सीए दीपक खटौर ने कहा कि यह भारतीय संस्कृति का इतिहास रहा है कि विपदा के समय यहां के लोग बढ़चढ़ कर मदद करने के लिए आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि एसडीएम वीरेन्द्र चौधरी एनसीएस की देखरेख में शुरू हुआ सेंटर अवश्य ही कोविड रोगियों के लिए लाभकारी साबित होगा और सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं द्वारा दिया गया दान व सामान कोविड रोगियों के काम आएगा। इस अवसर पर विनोद कनौजिया, मनीष सुरेन्द्र बजाज मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भारत विकास परिषद ने कोविड सेंटर में सामान किया वितरित

सामान वितरित करते भारत विकास परिषद के सदस्य

कुरुक्षेत्र। भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा ने शाहबाद शुगर मिल में स्थापित कोविड सेंटर में कोविड रोगियों को मास्क, गिलव्स, टूथब्रश, साबुन, सैनेटाइजर वितरित किया। ऐसा ही सहयोग भविष्य में भी करते रहने का संकल्प दोहराया ताकि इस भयंकर वैश्विक महामारी से सभी का बचाव हो सके। इस अवसर पर शुगर मिल के एमडी वीरेंद्र चौधरी के प्रतिनिधि सीईओ दीपक ने भारत विकास परिषद का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शाखा के प्रधान अनिल अरोड़ा, सचिव गुरचरण सिंगल, कोषाध्यक्ष रवनीश कटारिया, प्रेस सचिव राजेश बावेजा, नवीन मंगला, दीपक गुप्ता, मनीष अग्रवाल, नवीन मित्तल, कुणाल अरोड़ा व जिलाध्यक्ष मनीष मलिक विशेष तौर पर मौजूद रहे।

ओम नाथजी महाराज 31 दिवसीय पंचधुनी तपस्या पर बैठे

भिवानी। त्रिवेणी धाम के महंत ओम नाथ महाराज ने विश्व शांति तथा महामारी निवारण के संकल्प के साथ आज रविवार को पंचधुनी तपस्या पर बैठ गए। 31 दिवसीय इस तपस्या पर सिद्धपीठ बाबा जहरगिरि आश्रम के महंत डाक्टर अशोक गिरि जी महाराज, कुसुमेश्वर महादेव मंदिर के महंत आचार्य माई महाराज और विष्णु नाथ महाराज ने पूरी विधि-विधान के साथ महंत ओमनाथ महाराज को तपस्या पर बैठाया। आचार्य माई महाराज ने उनको तिलक कर आचमन करवाया। उन्होंने बताया कि यह कठिन तपस्या चारों ओर उपलों के धूनों में की जाती है। ओम नाथ महाराज करीब एक दशक से यह तपस्या करते आ रहे हैं। इस बार विश्व भर में फैली महामारी के विकट समय में वे तपस्या पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि यह बताया कि पंचधुनी तपस्या बड़ी प्रभावी तपस्या है। आचार्य ने बताया कि इस तपस्या के दस दिन पूरे हो जाने के बाद तपस्या स्थल पर 21 दिवसीय यज्ञ किया जायेगा। तपस्या और यज्ञ एक साथ ही पूर्ण होंगे।

जोगिंदर सिंह के निधन पर जताया शोक

कुरुक्षेत्र। गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंघ सभा इंद्री के प्रधान सरदार जोगिंदर सिंह मथारू दो मई को गुरु चरणों में लीन हो गए। वह इंद्री में सभी धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेते थे। वे इन्द्री हल्का शहरी शिरोमणी अकाली दल बादल के प्रधान भी थे तथा इंद्री हल्का ग्रामीण में सिख संपर्क कमेटी के मेंबर थे। रामगढ़िया सभा के प्रधान पद पर आसीन भी थे। उनकी अचानक मृत्यु पर एसजीपीसी मैंबर हरभजन सिंह मसाना, सिख मिशन हरियाणा के इंचार्ज ज्ञानी मंगप्रीत सिंह व प्रेम सिंह लाडवा ने गहरा शोक प्रकट किया है।

कलाकारों को पांच हजार रुपये सहायता भत्ता दे हरियाणा सरकार

कुरुक्षेत्र। जिले के कई कलाकारों ने फेथ इन थियेटर संस्था के निर्देशक ऋषिपाल के साथ मिलकर आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक कर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कोरोना काल में कलाकारों के सामने आ रही आर्थिक तंगी से जूझ रहे कलाकारों को सहायता प्रदान करने गुहार लगाई है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया कि कोविड-19 के चलते लॉकडाउन ने कलाकारों को अपने पैतृक काम-धंधे छोड़कर दिहाड़ी, मजदूरी, फल सब्जी की रेहड़ियां लगाने को मजबूर हैं। ऐसे में तुरन्त प्रभाव से जरूरतमंद कलाकारों को प्रतिमास 5000 रुपये राहत भत्ता तब तक दिया जाना चाहिये जब तक सरकारी तौर पर सांस्कृतिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजनों की स्वीकृति न मिल जाये। कलाकारों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 2021 भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। उनके लिए परिवार का पालन-पोषण करना बहुत ही मुश्किल हो गया है। धार्मिक व सामाजिक संस्थानों ने भी कोविड के भय से अपने दरवाजे बंद ही रख हुए हैं। ऐसे में कलाकारों की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर होती जा रही है। कला एवं संस्कृति कार्य विभाग, हरियाणा कला परिषद् व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला के पास प्रदेश के कलाकारों की सूची उपलब्ध है। केवल मात्र मुख्यमंत्री के आदेशों की जरूरत है। इसलिए हरियाणा के जरूरतमंद कलाकारों को चिन्हित कर उन्हें जल्द से जल्द लाभान्वित किया जाना चाहिये। इसके अलावा प्रत्येक जिला स्तर पर पांच-पांच कलाकारों की एक कमेटी बनाकर भी वंचित कलाकारों के नाम मंगवाये जा सकते हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पिछली बार ऐसी ही एक सूची चंडीगढ़ से डीआईपीआरओ कार्यालय में आई थी जिसमें ज्यादातर साधन-सम्पन्न कलाकारों के नाम अंकित थे। इस ऑनलाइन बैठक में ऋषिपाल, दिलबाग चौहान, कुमार ईशात, जसबीर सिंह मथाना, सुरिंदर, विकी लोहट, ऋतिका, सोमिल, विनोद कुमार आदि ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

सरकारी अस्पताल में मनाया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

रादौर। सरकारी अस्पताल नाहरपुर में रविवार को एसएमओ डॉ. सुमिता संधू की अध्यक्षता में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एसएमओ डॉ. सुमिता संधू ने कहा कि सभी लोगों के सहयोग से ही हम डेंगू जैसी बीमारी को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि डेंगू की बीमारी होने पर आंखों में दर्द होना, त्वचा पर लाल चकते निकलना, नाक व मसूड़ों से खून आना, तेज सिर दर्द होना, अचानक तेज बुखार होना, निम्न रक्तचाप होना, पेट दर्द, लगातार उल्टी आना, लगातार तेज प्यास लगना आदि सभी डेंगू के लक्षण है। डेंगू से बचने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें, छत पर पानी की टंकी को ढककर रखें, पुराने टायर एवं अन्य सामान को छत पर न रखें, अपने घर में कहीं भी पानी इकट्ठा न होने दे, गमलों व कूलरों की नियमित रूप से सफाई रखें। इस अवसर पर एमपीएचडब्ल्यू साहब सिंह ने भी लोगों को डेंगू से बचने के उपाय बताए।

चक्रवात तौकते: कनार्टक में 73 गांव प्रभावित, चार की मौत

एजेंसी। बेंगलुरू

चक्रवात तौकते कर्नाटक के तटीय और मलनाड जिले के आसपास कहर बरपा रहा है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि राज्य में अभी तक इस चक्रवात के कारण चार लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा रविवार सुबह जारी स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़, कोडागु, शिवमोगा, चिकमंगलुरू और हासन जिलों के 73 गांव और 17 तालुका चक्रवात से अभी तक प्रभावित हुए हैं। तिहत्तर प्रभावित गांवों में 28 गांव उडुपी जिले के हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कन्नड़, उडुपी, चिकमंगलुरू और शिवमोगा जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक 318 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है और 11 राहत शिविरों में 298 लोगों को रखा गया है। इसमें बताया गया कि 112 घर, 139 खंभे, 22 ट्रांसफॉर्मर, चार हेक्टेयर बागान को क्षति हुई है। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को जिला प्रभारी मंत्रियों तथा उपायुक्त को प्रभावित जिलों में दौरा करने एवं बचाव तथा राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के दफ्तर ने एक बयान में कहा कि येदियुरप्पा ने तटीय जिलों के प्रभारी मंत्रियों तथा उपायुक्तों से रविवार को बात की और स्थिति का जायजा लिया। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने उनसे चक्रवात से प्रभावित इलाकों का दौरा करने और राहत और बचाव कार्य शुरू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार से किसी भी आपात सहायता की जरूरत पड़ने पर संबंधित मंत्रियों या उन्हें फोन किया जाए। कर्नाटक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, रात में मुख्य तौर पर तटीय और मलनाड जिलों में भारी बारिश हुई है। बयान के मुताबिक, आठ जिलों में भारी बारिश हुई है। इसमें बताया गया कि कर्नाटक के तटीय इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अधिकतर इलाकों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश की चेतावनी दी है। हालांकि, आईएमडी ने कहा कि राज्य में रविवार को तटीय और निकटवर्ती घाट वाले जिलों के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया

बेंगलुरु। कर्नाटक के तटीय जिलों में चक्रवात तौकते के तबाही मचाने के मद्देनजर, राज्य के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को जिला प्रभारी मंत्रियों तथा उपायुक्त को प्रभावित जिलों में दौरा करने एवं बचाव तथा राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के दफ्तर ने एक बयान में कहा कि येदियुरप्पा ने तटीय जिलों के प्रभारी मंत्रियों तथा उपायुक्तों से रविवार को बात की और स्थिति का जायजा लिया। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने उनसे चक्रवात से प्रभावित इलाकों का दौरा करने और राहत और बचाव कार्य शुरू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार से किसी भी आपात सहायता की जरूरत पड़ने पर संबंधित मंत्रियों या उन्हें फोन किया जाए। कर्नाटक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, रात में मुख्य तौर पर तटीय और मालनाड जिलो में भारी बारिश हुई है। बयान के मुताबिक, आठ जिलों में भारी बारिश हुई है।

केरल: कई बांधों में बढ़ा जलस्तर

कोच्चि। चक्रवात तौकते के तबाही मचा कर केरल के तट से दूर जाने के बावजूद राज्य के बांधों में रविवार को जल स्तर में बढ़ोतरी देखी गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तीन जिलों एर्नाकुलम, इडुक्की और मलाप्पुरम के लिए रविवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जिसका मतलब है इन जिलों में भारी बारिश हो सकती है। मध्य केरल के जिलों में कई बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश की सूचना है जिस वजह से अधिकारियों ने चेतावनी दी है। त्रिशूर प्रशासन ने कहा कि पेरिंगलकुथु बांध का जल स्तर 419.41 मीटर के पार जाता है तो बांध के शटर उठा दिए जाएंगे। एक बयान में प्रशासन ने चलकुडी नदी के तट पर रहने वाले लोगों से सतर्क रहने को कहा है। जिला अधिकारियों ने कहा कि जल स्तर बढ़ने पर इडुक्की जिले में मलनकरा बांध के शटर रविवार को खोल दिए जाएंगे। तटीय इलाकों में समंदर की ऊंची लहरें तबाही मचा रही हैं।

भारी बारिश एवं तेज हवाओं के कारण बिजली गुल

पणजी। चक्रवात तौकते की वजह से गोवा के कई हिस्सों में रविवार को तेज हवाएं चलीं तथा भारी बारिश हुई, जिस वजह से बिजली के खंभे उखड़ गए और कई इलाकों में बिजली की आपूर्ति बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। गोवा के ऊर्जा मंत्री नीलेश कैब्राल ने एजेंसी को बताया कि तेज हवाएं चलने के कारण बिजली के खंभे उखड़ गए हैं, जिस वजह से गोवा के अधिकतर इलाकों में बिजली चली गई है। उन्होंने कहा, बिजली के सैकड़ों खंभे टूट गए हैं। बिजली की आपूर्ति करने वाली 33 केवी की कई हाई टेंशन तारें पेड़ों के गिरने की वजह से प्रभावित हुई हैं। पड़ोसी महाराष्ट्र से गोवा में बिजली की आपूर्ति करने वाली 220 केवी की लाइनें भी प्रभावित हुई हैं। कैब्राल ने कहा कि ऊर्जा विभाग ने बिजली की आपूर्ति बहाल करने के लिए अपने सभी कर्मियों को तैनात कर दिया है, लेकिन तेज हवाओं के कारण बिजली सेवा बहाल करने के काम में बाधा आ रही है। राज्य में दमकल एवं आपात सेवा के निदेशक अशोक मेमन ने बताया कि नियंत्रण कक्ष में पेड़ गिरने और सड़कें बाधित होने की सैकड़ों कॉल आई हैं।

समुद्र में नौका पलटने से एक की मौत, छह लापता

मेंगलुरु। मेंगलुरु के तट से 10 समुद्री मील दूर एक पोत के रखरखाव में मदद दे रही नौका पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। मेंगलुरु बंदरगाह से 17 किलोमीटर दूर स्थित एकल बिंदु नौकाबंध केंद्र पर रखरखाव का काम करने के लिए शुक्रवार को बंदरगाह से निकली नौका में नौ लोग सवार थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को तट पर लौटते वक्त नौका प्रतिकूल मौसमी स्थितियों की वजह से समुद्री तूफान में फंस गई और पलट गई। चालक दल के एक सदस्य का शव उडुपी जिले के पास कॉप तट पर मिला जबकि दो अन्य को सुरक्षित निकाल लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चालक दल के बाकी सदस्यों की तलाश जारी है। क्षतिग्रस्त नौका उडुपी जिले में पादुबिदरी बीच के पास कटीपटना में मिली।

उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों में रिक्तियां: सरकार को अनुशंसाओं की प्रतीक्षा

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के सात पद खाली हैं, दो उच्च न्यायालय नियमित मुख्य न्यायाधीशों के बिना काम कर रहे हैं और दो उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश अगले डेढ़ महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सरकार के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन रिक्तियों को भरने के लिए सरकार शीर्ष अदालत के कॉलेजियम से अनुशंसाएं भेजे जाने की प्रतीक्षा कर रही है। उच्चतम न्यायालय में पहली रिक्ति न्यायमूर्ति रंजन गोगोई के नवंबर 2019 में प्रधान न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद आई।

इसके बाद शीर्ष अदालत में कुछ और पद न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता, न्यायमूर्ति आर भानुमति, न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और पिछले महीने प्रधान न्यायाधीश के पद से न्यायमूर्ति एसए बोबडे के सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हुए हैं। वहीं न्यायमूर्ति एम एम शांत/नागौदर का अप्रैल में निधन हो गया था। शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है, जबकि वर्तमान में वह 27 न्यायाधीशों के साथ काम कर रही है।

इलाहाबाद और कलकत्ता उच्च न्यायालय कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश चला रहे हैं। पदाधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इस महीने के अंत में जबकि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जून में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्याय विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध एक मई तक के आंकड़ों के मुताबिक देश के 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की कुल संख्या 1,080 स्वीकृत है ।

बिडेन ने गाजा में पत्रकारों, आम नागरिकों को लेकर जताई चिंता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत के दौरान हमास के मिसाइल हमलों के जवाब में गाजा में इजराइली हमलों के प्रति पूरा समर्थन व्यक्त किया, लेकिन हमलों में आम नागरिकों के हताहत होने और पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। व्हाइट हाउस ने बताया कि बिडेन ने शनिवार को हुई बातचीत के दौरान इजराइल में अंतरसांप्रदायिक हिंसा और वेस्ट बैंक में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई। बिडेन और नेतन्याहू ने यरूशलम पर भी चर्चा की और इस दौरान बिडेन ने कहा कि यह सभी धर्मों एवं पृष्ठभूमियों के लोगों के लिए एक साथ मिलकर शांति से रहने की जगह होनी चाहिए।

आपदा में आपदा खड़ी करने के फार्मूले पर उतर आई है भाजपा: अखिलेश

एजेंसी। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि कोरोना प्रबंधन में भारी नाकामी और पंचायत चुनाव में पिछड़ने से बिलबिलाई भाजपा जनता से बदला लेने पर उतारू हो गई है।

यादव ने यहां एक बयान में कहा, 'कोरोना संकट काल में प्रबंधन में भारी नाकामी, बड़ी तादाद में शहरों और गांवों में हो रही मौतों से व्यापक जनरोष तथा पंचायत चुनावों में सपा के मुकाबले पिछड़ जाने से बिलबिलाई भाजपा सरकार जनता से बदला लेने के लिए आपदा में आपदा खड़ी करने के फार्मूले पर उतर आई है।

'उन्होंने कहा कि हर मोर्चे पर भाजपा की विफलता से जनता में भारी रोष है और भाजपा नेतृत्व को भी मालूम है कि उसके साथ पश्चिम बंगाल की कहानी अब उत्तर प्रदेश में भी दोहराई जाएगी, इससे वह अब प्रदेशवासियों को हर तरह से परेशान करने और महंगाई की मार से उसकी कमर तोड़ देने का कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहती है।

प्रधानमंत्री से कड़े सवाल पूछे जाएंगे हमें भी गिरफ्तार करें: कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में कथित तौर पर प्रधानमंत्री की आलोचना वाले पोस्टर लगाने पर कुछ लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की रविवार को निंदा की और सरकार को चुनौती दी कि वह कोविड रोधी टीकों के निर्यात पर सवाल उठाने पर उन्हें भी गिरफ्तार करके दिखाए। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने ट्विटर पर अपनी परिचय तस्वीरें बदलकर यह सवाल करता पोस्टर लगा लिया कि कोविड रोधी टीके विदेश क्यों भेजे गए।

विपक्षी दल ने कहा कि यदि लोगों को टीके, दवा और ऑक्सीजन नहीं मिलती तो प्रधानमंत्री से कड़े सवाल पूछे जाएंगे। गांधी ने ट्वीट किया, मुझे भी गिरफ्तार करिए। उन्होंने संबंधित पोस्टर की तस्वीर साझा की जिसमें लिखा है, मोदी जी आपने हमारे बच्चों के टीके विदेश क्यों भेजे। टीकों के मुद्दे पर पोस्टर लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा कुछ लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद कांग्रेस ने यह चुनौती

दी। दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री की आलोचना से जुड़े पोस्टर लगाने के मामले में कुछ प्राथमिकियां दर्ज की हैं और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि वे उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं। रमेश ने कहा कि वह भी अपने परिसर की दीवार पर ऐसे पास्टर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या प्रधानमंत्री की आलोचना से जुड़े पोस्टर लगाना अब कोई अपराध है? क्या भारत अब मोदी दंड संहिता से संचालित है? क्या महामारी के बीच दिल्ली पुलिस के पास कोई काम नहीं बचा है? रमेश ने कहा, सोमवार को अपने परिसर की दीवार पर मैं पोस्टर लगाने जा रहा हूं। आइए और मुझे गिरफ्तार करिए।

इजराइली सेना ने गाजा में हमास के शीर्ष नेता के घर को बनाया निशाना

यरुशलम। इजराइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने गाजा में हमास के एक शीर्ष नेता के घर पर हमला किया है। गाजा से इजराइल में हवाई हमले और रॉकेट दागे जाने के करीब एक हफ्ते बाद यह हमला किया गया। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हिदाई जिल्बरमैन ने रविवार को इजराइली सेना के रेडियो को बताया कि सेना ने गाजा में हमास के सबसे वरिष्ठ नेता एहिएह सिनवार के घर को निशाना बनाया है जो समूह के बाकी शीर्ष नेताओं के साथ संभवत: वहां छिपा था। उसका मकान दक्षिण गाजा पट्टी में खान युनूस शहर में स्थित है। सेना ने बताया कि उसने सिनवार के भाई के घर पर भी हमला किया है। हमास और इस्लामिक जिहाद समूह ने सोमवार को यह संघर्ष शुरू होने के बाद से 20 लड़ाकों के मारे जाने की बात कही है, जबकि इजराइल ने कहा कि असल संख्या इससे कहीं अधिक है। हमास और अन्य उग्रवादी समूहों ने सोमवार से लेकर अब तक इजराइल में करीब 2,000 रॉकेट दागे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 के रूसी टीके की दूसरी खेप हैदराबाद पहुंची

हैदराबाद। कोविड-19 के रूसी टीके स्पूतनिक वी की दूसरी खेप रविवार को यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंची। स्पूतनिक वी के आधिकारिक ट्विटर पेज पर विमान में रखी गई खुराकों की तस्वीरें पोस्ट की गईं और ट्वीट किया गया, स्पूतनिक वी टीके की दूसरी खेप भारत के हैदराबाद में पहुंची। भारत में रूस के राजदूत निकोले कुदाशेव ने ट्वीट किया, भारतीय टीकाकरण मुहिम में रूसी टीके को हाल में शामिल किए जाने के मद्देनजर दूसरी खेप समय से पहुंचाई गई। स्पूतनिक वी कितना प्रभावशाली टीका है, यह दुनिया में सभी को अच्छी तरह पता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने स्पूतनिक-वी को 14 मई को भारतीय बाजार में पेश किया था। कंपनी ने कहा था कि इस आयातित दवा की एक खुराक का खुदरा मूल्य 948 रुपये है। इस पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी के साथ टीके का मूल्य 995.40 रुपये प्रति खुराक बैठता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम दिवस की लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिक्किम दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को बधाई दी। पूर्वोत्तर राज्य 1975 में भारतीय संघ में शामिल हुआ था। मोदी ने ट्वीट किया, सिक्किम के लोगों को सिक्किम दिवस की बधाई। यह राज्य समृद्ध प्राकृतिक सौंदर्य से संपन्न है और दयालु लोगों का घर है। प्रधानमंत्री ने कहा, सिक्किम ने जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में काफी प्रगति की है। मैं राज्य की निरंतर प्रगति और उसके नागरिकों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

मध्य प्रदेश: पन्ना अभयारण्य में बाघिन मृत पाई गई

पन्ना (एमपी)। मध्य प्रदेश के पन्ना बाघ अभयारण्य में छह वर्षीय एक बाघिन का शव मिला है। राज्य में पिछले नौ दिन में पांच बाघ, बाघिन एवं बाघ शावकों की मौत हुई है। पन्ना बाघ अभयारण्य के क्षेत्र संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने रविवार को बताया, पन्ना बाघ अभयारण्य के गहरीघाट परिक्षेत्र के बीट कोनी में कोनी नाला में बाघिन पी-213 (32) शनिवार को मृत पाई गई। उन्होंने कहा कि इस बाघिन के पैर में सूजन होने की जानकारी उन्हें 12 मई को मिली थी। जानकारी मिलने पर दूसरे ही दिन से उसका इलाज शुरू करा दिया गया था। शर्मा ने बताया कि वन्यप्राणी चिकित्सक ने 13 एवं 14 मई को बाघिन का उपचार किया, जिससे इस बाघिन के पैर की सूजन कम हुई तथा उसने लंगड़ाना भी बंद कर दिया, लेकिन अज्ञात कारणों के चलते शनिवार को उसकी मौत हो गई।

मोदी ने कोविड-19 की स्थिति पर चार मुख्यमंत्रियों से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुदुचेरी के मुख्यमंत्रियों से उनके राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में कोविड-19 की स्थिति पर बात की। मोदी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महामारी के हालात का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्रियों से नियमित बात कर रहे हैं। भारत में 25 दिनों के बाद एक दिन में कोविड-19 के सबसे कम 3.11 लाख मामले आए जबकि 4,077 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 2,70,284 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार को जारी आकंड़ों के अनुसार, कोविड-19 का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या कम होकर 36,18,458 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 14.66 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर में सुधार हुआ है और यह 84.25 प्रतिशत है।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 3.11 लाख नए मामले आए

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 3.11 लाख मामले आने से संक्रमण के कुल मामले 2,46,84,077 पर पहुंच गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आकंड़ों के अनुसार, एक दिन में 3,11,170 मरीज संक्रमित पाए गए हैं, जबकि 4,077 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 2,70,284 पर पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या कम होकर 36,18,458 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 14.66 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर में सुधार हुआ है और यह 84.25 प्रतिशत है। इस महामारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,07,95,335 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.09 प्रतिशत दर्ज की गई।

हीरो मोटो कार्प इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की तैयारी में

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख वाहन कंपनी हीरो मोटो कार्प अगले साल इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करने और इस खंड में उतरने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को लेकर उत्साहित है। इसके लिए वह अपने स्वयं का उत्पाद तैयार करने के लिए जयपुर (राजस्थान) और सटीफंसकिरचेन (जर्मनी) स्थित अपने अनुसंधान एवं विकास केंद्रों का उपयोग कर रही है। इसके अलावा उसने ताइवान की गोगोरो इंक के साथ गठजोड़ किया है। यह भागीदारी ताइवान की कंपनी की बैटरी अदला-बदली व्यवस्था को भारत लाने के लिए है। इस भागीदारी के तहत दोनों कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहन विकास में सहयोग का भी निर्णय किया है। हीरो मोटो कार्प के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) निरंजन गुप्ता ने विश्लेषकों के साथ बातचीत में कहा, हम 2021-22 में इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। आपको इस मामले में कई गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

कांग्रेस सांसद राजीव सातव का निधन, विभिन्न नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी। पुणे

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य राजीव सातव का कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने के बाद स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण रविवार को निधन हो गया। पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सातव (46) का पिछले महीने कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद पुणे के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था और वह वेंटीलेटर पर थे। कोविड-19 से उबरने के बाद वह साइटोमेगालो वायरस से संक्रमित पाए गए थे और उनकी हालत गंभीर हो गई थी।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री रोजेश टोपे ने कहा, वह कोविड-19 से उबर गए थे। वह कुछ इम्युनोसप्रेसैंट (शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को रोकने वाली) दवाएं ले रहे थे क्योंकि वह स्पॉन्डेलाइटिस से पीड़ित थे और

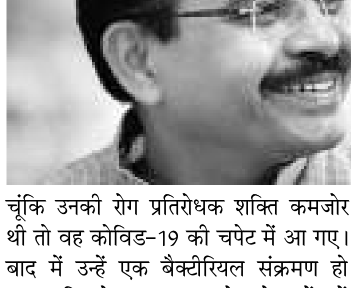

चूंकि उनकी रोग प्रतिरोधक शक्ति कमजोर थी तो वह कोविड-19 की चपेट में आ गए। बाद में उन्हें एक बैक्टीरियल संक्रमण हो गया, जिसके कारण उनके फेफड़ों में फाइब्रोसिस हो गया। डॉक्टरों की जी-जान से की कोशिशों के बावजूद उनकी इस संक्रमण से मौत हो गई। सातव ने 22 अप्रैल को बताया था कि वह कोविड-19 से संक्रमित पाए गए है और अगले दिन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, संसद के अपने मित्र राजीव सातव जी के निधन से दुखी हूं। वह उभरते हुए नेता थे जिनमें काफी संभावनाएं थीं। उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनके निधन पर दुख जताया और कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने ट्वीट किया, मैं अपने मित्र राजीव सातव के निधन से बहुत दुखी हूं। उनमें एक नेता के तौर पर असीम संभावनाएं थी और उन्होंने कांग्रेस के आदर्शों को आत्मसात कर लिया था। यह हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले से आने वाले सातव को पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी का करीबी माना जाता था।

अमृतसर से छह बार सांसद रहे भाटिया का निधन

अमृतसर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अमृतसर से छह बार सांसद रहे रघुनंदन लाल भाटिया का बीमारी के कारण निधन हो गया है। वह 100 वर्ष के थे। भाटिया के परिवार के सदस्यों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात को यहां एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके परिवार में बेटा रमेश भाटिया, बेटी सरोज मुंजाल और छोटे भाई जे एल भाटिया हैं।

रघुनंदन अमृतसर संसदीय सीट से सबसे पहले 1972 में लोकसभा सांसद बने थे और इसके बाद इसी सीट से 1980, 1985, 1992, 1996 और 1999 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते। रघुनंदन भाटिया 2004 से 2008 तक केरल के राज्यपाल भी रहे। वह 2008 से 2009 तक बिहार के राज्यपाल भी रहे। उन्होंने 1992 में विदेश राज्यमंत्री के तौर पर भी काम किया। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य के तौर पर वह पार्टी में पंजाब इकाई के अध्यक्ष तथा महासचिव समेत विभिन्न पदों पर रहे। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने रघुनंदन भाटिया के निधन पर शोक जताया है।

रिवीजन की उचित रणनीति अपनाएं

जेईई मेन मई सत्र स्थगित कर दिया गया है। मुश्बा हाशमी ने मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय के साथ बात की, जिन्होंने इस बारे में बताया कि छात्र इस समय का सर्वोत्तम उपयोग कैसे कर सकते हैं और अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

जेईई मेन एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है। जबकि कई लोग लगातार देरी से खुश नहीं हैं, लेकिन यह बिना कहे मान लेने योग्य है कि यह निश्चित रूप से समय की जरूरत है। इससे भी ज्यादा, जब देश में प्रतिदिन 3.5 लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय कहते हैं, ''कोई भी उसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। एकमात्र सकारात्मक हिस्सा यह है कि छात्रों को अध्ययन के लिए अधिक समय मिल रहा है।''

कहा जा रहा है कि यह छात्रों के लिए आशा खोने और आत्मसंतुष्ट होने का समय नहीं है, इसके बजाय उन्हें इस अवधि का उपयोग अपने कमजोर विषयों पर अध्ययन और काम करने के लिए करना चाहिए।

विजय बताते हैं, ''यदि कोई छात्र मई सत्र का प्रयास करने की तैयारी कर रहा था, तो हम मानते हैं कि उसने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया होगा। इसलिए, छात्रों को अब उचित संशोधन रणनीतियों का पालन करना होगा। उन्हें कम से कम अगले दो महीनों में प्रत्येक अध्याय को दो बार संशोधित करना होगा। उनका ध्यान सही संशोधन रणनीतियों का पालन करने पर होना चाहिए, इससे उन्हें बड़ी मदद मिलेगी।'' छात्र अपनी कमजोर अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करके और जितना हो सके अभ्यास करके शुरुआत कर सकते हैं।

हालांकि, यह उतना आसान नहीं हो सकता जितना लगता है। लगातार देरी के परिणामस्वरूप छात्रों की प्रेरणा खो सकती है। इसलिए, खुद को प्रेरित रखना महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है, ''छात्रों को खुद को प्रेरित रखना होगा। तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलने के सकारात्मक पक्ष के बारे में सोचने से मदद मिल सकती है। लेकिन, साथ ही उन्हें यह भी महसूस करना होगा कि प्रत्येक छात्र को समान समय मिल रहा है। इसलिए, उन्हें इसका सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करना होगा। यह समय उनके भविष्य की दिशा बदल देगा। छात्रों को सभी निराशा और नकारात्मकता को दूर करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।''

अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।

गति में सुधार एक अन्य कारक है जिस पर छात्र इस दौरान काम कर सकते हैं।

विजय कहते हैं, ''अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।''

वो बताते हैं, ''इसके पीछे कारण यह है कि छात्र किसी प्रश्न को पूर्ण कथन के रूप में नहीं पढ़ते हैं, वे इसे शब्द दर शब्द पढ़ते हैं। प्रश्न को एक कथन के रूप में पढ़ने का प्रयास करें, जो आपके मन में कहता है उसे चित्रित करें और फिर उसे समझें। अभ्यास करते रहें और आप एक बार में प्रश्नों को पढ़ना सीखेंगे। प्रेरणा के साथ अच्छी रणनीति आपको अच्छे अंक हासिल करने में मदद करेगी।''

वह इस तथ्य पर जोर देते हैं कि इन देरी का मतलब समय की बर्बादी नहीं है। यह स्पष्ट रूप से छात्रों के लिए एक बोनस का समय है।

वो आगे कहते हैं, ''अगर आप और आपका परिवार घर पर सुरक्षित हैं, तो भगवान का शुक्रिया अदा करें और समय को उपहार के रूप में देखें। अगर आप अपनी सोच बदल सकते हैं, तो आप अपना जीवन बदल सकते हैं। यह मानसिकता का खेल है।''

विजय कहते हैं कि उनके संस्थान के छात्र इसे पहले ही समझ चुके हैं और बाकी चीजों के बारे में सोचे बिना सवाल पूछने और समस्याओं को हल करने में व्यस्त हैं। ''जो लोग वास्तव में पढ़ाई में रुचि रखते हैं, वे कभी भी, कहीं भी पढ़ सकते हैं। उन्हें बस प्रेरणा की जरूरत है।''

हमारे सभी पाठ्यक्रम उद्योग आधारित हैं

अटरिया विश्वविद्यालय अक्टूबर में छात्रों के प्रवेश हेतु द्वारा खोलने जा रहा है। इस संबंध में शालिनी सक्सेना ने सीईओ सहीम राहीमान से बातचीत की। प्रस्तुत हैं उसी वार्तालाप के कुछ अंश :

Shaheem Rahiman
CEO, Atria University

n ऑनलाइन पद्धति से बच्चे कितना सीख रहे हैं?

हम सभी इस बात से सहमत हैं कि सहकर्मी सीखने और एक-दूसरे की राय जानने के साथ बड़ी मात्रा में सीखने या प्रभावी सीखने की प्रक्रिया होती है और ये सभी चीजें वास्तव में ऑनलाइन शिक्षा मॉडल में सूख गई हैं। यहां तक ??कि अपने स्वयं के कार्य जीवन में भी मैंने देखा है कि जब लॉकडाउन शुरू हुआ तो हम सभी वस्तुतः काम कर रहे थे और शुरुआत में हमारी अद्भुत बैठकें होती थीं, जब आप किसी समस्या को हल करना चाहते हैं तो आप चाहते हैं कि हर कोई नए विचारों के साथ आए। जैसे-जैसे लॉकडाउन आगे बढ़ा, कोई भी कॉल पर विपरीत राय नहीं रखना चाहता, कोई भी कॉल पर विरोधी दृष्टिकोण नहीं रखना चाहता क्योंकि उन्हें लगता है कि वे उतना भाग नहीं ले रहे हैं।

n हमें अटरिया विश्वविद्यालय के बारे में बताएं। यह एक साल पुराना है।

हमें उत्पाद को लॉन्च किए करीब दो साल हो चुके हैं लेकिन हम अभी तक पहले बैच के लिए लाइव नहीं हुए हैं। पहला बैच इस साल अक्टूबर में शुरू हो रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा ने घोषणा की है कि अगला शैक्षणिक वर्ष अक्टूबर में शुरू होगा। हम विश्वविद्यालय के लिए अनुमोदन प्राप्त करने के अंतिम चरण में हैं, इसलिए शैक्षणिक वर्ष शुरू होने से पहले यह सब हो जाएगा।

n छात्रों को कौन से कोर्स ऑफर किए जा रहे हैं?

हमारे पास पांच मेजर हैं। उनमें से एक गतिशीलता है। फिर हमारे पास जीवन विज्ञान है। नंबर तीन डिजिटल परिवर्तन है। फिर हमारे पास इंटरेक्टिव तकनीक है। नंबर 5 पर एनर्जी साइंस है। डिग्री बीटेक फिर बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडीएस) फिर बीएससी और बीबीए हैं।

n एक छात्र कैसे आवेदन करता है?

बाहरी दुनिया की तरह, एक छात्र एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए विश्वविद्यालय में शामिल होता है। छात्र फाउंडेशन कोर्स से गुजरते हैं, भले ही वे स्कूल से विज्ञान या वाणिज्य पृष्ठभूमि से आए हों। ये फाउंडेशन कोर्स 12 महीने के लिए होते हैं। पोस्ट करें कि छह से नौ महीने की अवधि है जहां छात्र इन क्षेत्रों में से प्रत्येक में नमूना पाठ्यक्रम या परियोजनाओं को प्राप्त करता है, वहां पांच प्रमुख और चार डिग्री हैं। वे इनमें से प्रत्येक या उनमें से प्रत्येक का छह से महीने की अवधि में नमूना लेते हैं।

n संकाय के बारे में कुछ बताएं?

यह एक बहुत ही उद्योग के नेतृत्व वाला कार्यक्रम है जहां परियोजनाएं उद्योग से भी होती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम वास्तव में उद्योग जगत के नेताओं द्वारा डिजाइन किए गए हैं और शिक्षाविद इसे सम्मानित करने में मदद कर रहे हैं। वे चार सप्ताह की अवधि के लिए परिसर में आएंगे, पढ़ाएंगे और चले जाएंगे।

n शुल्क संरचना क्या है?

अकादमिक के लिए हमारी कीमत 7 लाख रुपए प्रति वर्ष है और फिर आवासीय 1.8 लाख है।

n अगले पांच वर्षों के लिए आपका क्या दृष्टिकोण है?

टिकाऊ होने के लिए, मुझे 10 साल आगे सोचना चाहिए। मैं परिसर में 10 वर्षों में 5,000 से 7,000 छात्रों के बीच स्केलिंग कर रहा हूं। जब तक पहला बैच निकल जाता है, मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई जो इस वर्ष हमारे साथ जुड़ता है, वास्तव में कर्मचारियों के रूप में बाहर जा रहा होगा और जरूरी नहीं कि नौकरी की तलाश में हो क्योंकि मॉडल खुद दूसरे से नौ महीने की इंटर्नशिप की अनुमति देता है। साल। विचार यह है कि छात्र इन परियोजनाओं पर उद्योग में बड़े संगठनों के साथ काम करेंगे और उन कंपनियों में व्यवस्थित रूप से लीन हो जाएंगे जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

स्कॉलरशिप

वासा विश्वविद्यालय, फिनलैंड वैश्विक छात्र छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। प्रायोजन उन छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा जो किसी भी मास्टर डिग्री प्रोग्राम को करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

पात्रता : छात्र केवल प्रथम वर्ष के आवेदक होने चाहिए। सहायक दस्तावेज़ (विदेशी) डिग्री प्रमाण पत्र या एक अनंतिम प्रमाण पत्र की एक प्रति; विश्वविद्यालय के अभिलेखों के टेप।

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों को मास्टर डिग्री प्रोग्राम में स्वीकार किए जाने के लिए 120 ईसीटीएस पूरा करना होगा।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों को निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा स्कोर जमा करना होगाः टीओईएफएल पीबीटी - 580; टीओईएफएल आईबीटी - 92; आरपीडीटी- 20 रीडिंग सेक्शन का न्यूनतम स्कोर, सुनने वाले सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 20 और राइटिंग सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 22। माईबेस्टस्कोर भी स्वीकार किया जाता है।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को अपने पसंदीदा मास्टर प्रोग्राम में ऑनलाइन आवेदन करना होगा। स्वीकृत छात्रों पर स्वतः विचार किया जाएगा।

आवेदन की समय सीमा : तिथि 31 जुलाई, 2021 है।

बेलर विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए आवश्यकता-आधारित पुरस्कारों की घोषणा की है।

अनुदान शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए उपलब्ध है।

पुरस्कारः बायलर विश्वविद्यालय छात्रों को अमेरिका में उनके अध्ययन के लिए आवश्यकता-आधारित 1,000 डॉलर से 5,000 डॉलर तक प्रदान करेगा।

पात्रता : अंतर्राष्ट्रीय छात्र आवेदन कर सकते हैं। बायलर द्वारा पेश किए गए सभी ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम लागू होते हैं।

सहायक दस्तावेज : छात्रों को विश्वविद्यालय में निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है : निबंध; हाई स्कूल टेप; जांच के अंक। अन्य डिग्री-विशिष्ट आवश्यकताएं

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों के पास 1200 और 1380 के बीच औसत एसएटी स्कोर होना चाहिए या बायलर में भर्ती होने के लिए 26 से 32 का औसत एसीटी स्कोर होना चाहिए।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों के पास निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षाओं के आवश्यक अंक होने चाहिए : आईईएलटीएस - 6.5। टीओईएफएल आईबीटी - कुल मिलाकर 80।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को बायलर ऑनलाइन आवेदन या सामान्य आवेदन का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन करने के लिए, छात्रों को आवश्यकता-आधारित सहायता के लिए एफएएफएसए आवेदन और सीएसएस प्रोफ़ाइल को पूरा करना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि : आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 नवंबर, 2021 है।

सबसे अच्छी चिकित्सक है प्रकृति

वर्तमान महामारी के कारण, कई लोग चिंता, तनाव और अवसाद के बढ़ते स्तर के साथ मनोवैज्ञानिक संकट से पीड़ित हैं। इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है जो एक परेशान भविष्य का भी संकेत देता है। लेकिन यह भी सच है कि मनुष्य की प्रतिकूलताओं को दूर करने की क्षमता को अक्सर कम करके आंका जाता है, विशेष रूप से भारी बहुमत के लिए जो प्रकृति के साथ रहना पसंद करते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव वास्तविक नहीं है, और न ही यह कुछ

विचार करें

मामलों में लंबे समय तक चलने वाला नहीं है। यह वास्तविक है, और यह कई लोगों के लिए रहेगा। फिर भी यह रेखांकित करना भी महत्वपूर्ण है कि यह उन लोगों के लिए स्वस्थ चिकित्सीय है जो प्रकृति के बीच समय बिताते हैं।

जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है। अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है।

प्रकृति चिकित्सा की एक जापानी प्रथा है - वन स्नान या शिनरिन-योकू। यह बस बाहर पेड़ों की छांव के नीचे समय बिता रहा है। जापानी में, शिनरिन का अर्थ है जंगल और योक का अर्थ है स्नान, या जंगल में खुद को विसर्जित करना और इंद्रियों के माध्यम से वातावरण में भिगोना। एक अध्ययन में, प्रकृति-चिकित्सा विशेषज्ञ, योशिफुमी मियाज़ाकी ने पाया कि जिन लोगों ने जंगल में 40 मिनट पैदल चलने में बिताया, उनमें तनाव का स्तर कम था। उन्होंने कहा : ''जंगल में समय बिताने से शारीरिक विश्राम की स्थिति पैदा होती है।''

एक अन्य शोधकर्ता, डॉ. किंग ली ने पाया कि पेड़ और पौधे फाइटोनसाइड्स नामक सुगंधित यौगिकों का उत्सर्जन करते हैं, जो जब सास लेते हैं, तो अरोमाथेरेपी के समान स्वस्थ जैविक परिवर्तनों को प्रेरित कर सकते हैं, जिसका अध्ययन इसके चिकित्सीय लाभों के लिए भी किया गया है। हाल के कई अध्ययन हैं जिन्होंने प्रकृति को हृदय रोग, अवसाद, कैंसर, चिंता और ध्यान विकारों जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए लक्षणों से राहत से जोड़ा है।

प्रकृति के प्रति प्रेम एक ऐसी चीज है जो हम सभी में गहराई से निहित है। हम पारिस्थितिकी तंत्र और प्रकृति का उतना ही हिस्सा हैं जितना कि पौधे और जानवर। हम शहरों में चाहे कितने भी कंक्रीट के जंगल बना लें, हमें पौधों और पेड़ों के परिवेश में स्वाभाविक रूप से खुश होने की संभावना है।

प्रकृति के प्रति एक्सपोजर, या यहां तक कि केवल इसका अवलोकन करने से हमें क्रोध, चिंता और तनाव को कम करने में मदद मिलती है। प्रकृति के साथ हमारे ब्रश का प्रभाव न केवल भावनात्मक बल्कि शारीरिक और स्नायविक भी है। विशेषज्ञ पौधों से जुड़ने की हमारी सहज प्रवृत्ति को बायोफिलिया कहते हैं।

मनोदशा संबंधी विकारों के लिए भी प्रकृति में समय बिताना फायदेमंद होता हैः ऐसी कई स्थितियाँ होती हैं जब हमें साग की गोद में आराम करने की तीव्र इच्छा होती है। उदाहरण के लिए, जब हम एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने की दुविधा से जूझ रहे होते हैं, तो हमें अक्सर बंदूक चलाने से पहले बगीचे में टहलने की सलाह दी जाती है।

इसी तरह, भारी वर्षा के बाद, जब हम हवा में सुखद ओस वाले पेट्रीचोर का अनुभव करना चाहते हैं, और प्राचीन रंगों का आनंद लेना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति के साथ अपनी कोशिश करने का एक कारण मिलता है। यहां तक ??कि जब हम तनावग्रस्त या चिंतित होते हैं, तब भी हमें अपने ईंट और मोर्टार के घरों से बाहर निकलने और एक शांत जगह की ओर चलने का आग्रह होता है जो हमेशा हरा-भरा होता है।

प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है। जब हम सुंदर प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं, सहानुभूति और प्रेम की भावना हमारे मस्तिष्क में चमकती है, लेकिन जब हम केवल दीवारों या इमारतों को देखते हैं जैसा कि लॉकडाउन के दौरान होता है, तो हम भय और चिंता से परेशान हो जाते हैं।

इसलिए जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है।

अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। एक खिड़की से एक कुर्सी खींचो और प्रकृति का निरीक्षण करो, हवा को महसूस करो। अपनी आँखें बंद करें और कुछ सुकून देने वाली प्रकृति की आवाज़ें सुनने की कोशिश करें जैसे सुखदायक पक्षी गाते हैं, पानी की प्राकृतिक आवाज़। प्रकृति वास्तव में सबसे अच्छी चिकित्सक है।

लेखक हैं डॉ. मुकेश क्कात्रा, संस्थापक, स्माइलिंग ट्री

टोक्यो ओलंपिक की तैयारी पर बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने कहा

कोच मेरे लिए ट्रेनिंग में मैच जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं

अमित कुमार दास। नई दिल्ली

ओलंपिक से पहले टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं ले पाना भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की बड़ी चिंता है, लेकिन पीवी सिंधू के साथ ऐसा नहीं है, जिन्हें कोरिया के अपने कोच पार्क तेइ सेंग पर विश्वास है कि वह उनके लिए ट्रेनिंग में ही मैच जैसी स्थिति तैयार करेंगे। कोविड-19 महामारी के कारण बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को भारत, मलेशिया और सिंगापुर में बाकी बचे तीन ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट रद्द करने के लिए बाध्य होना पड़ा। जुलाई-अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले ये तीनों अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं थी।

यह पूछने पर कि क्या प्रतियोगिताओं के रद्द होने से तैयारियों पर असर पड़ेगा, सिंधू ने एजेंसी से कहा, हम सोच रहे थे कि ओलंपिक से पहले सिंगापुर में आखिरी प्रतियोगिता होगी, लेकिन अब हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है इसलिए मैं अलग अलग खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले खेल रही हूं और मेरे कोच पार्क ट्रेनिंग के दौरान मेरे लिए मैच जैसी स्थिति तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अलग-अलग खिलाड़ियों के खेलने की शैली अलग होती है जैसे ताइ जू यिंग या रतचानोक इंतानोन के खेलने की शैली अलग है, लेकिन मेरे मार्गदर्शन के लिए पार्क मौजूद हैं जिससे कि मैं तैयारी कर सकूं। सिंधू ने कहा, बेशक हम एक दूसरे के खिलाफ कुछ महीनों के बाद खेलेंगे और हमारे खेल में कुछ नया होगा इसलिए मुझे इसके लिए तैयारी करनी होगी। सिंधू ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रही हैं। वह तेलंगाना के गचीबाउली इंडोर स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रही हैं और अपनी फिटनेस ट्रेनिंग सुचित्रा अकादमी में करती हैं। 25 साल की इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंटों को रद्द करने के बीडब्ल्यूएफ के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह दुखद है कि प्रतियोगिताएं नहीं खेली जा सकीं लेकिन खेल से अधिक महत्वपूर्ण जीवन है।

सिंधू ने कहा, यह दुखद है कि पूरी दुनिया थम सी गई है, लेकिन खिलाड़ियों से पहले हम इंसान है और जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अगर टूर्नामेंट होते हैं, तो हमें नहीं पता कि हम सुरक्षित होंगे या नहीं, हम सोच सकते हैं कि हम सुरक्षित होंगे लेकिन हम सुनिश्चित नहीं हो सकते क्योंकि हमें नहीं पता कि वायरस कहां से आ जाएगा। गत विश्व चैंपियन सिंधू ने कहा कि ओलंपिक जैसी शीर्ष प्रतियोगिता में आयोजकों और खिलाड़ियों के लिए कोविड-19 से जुड़े नियमों का पालन करना मुश्किल काम होगा और सभी को इस चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, सभी देशों के कोविड-19 से जुड़े अपने नियम हैं। थाईलैंड में प्रत्येक दूसरे या तीसरे दिन हमारा परीक्षण होता था, आल इंग्लैंड में साथ यात्रा करने वालों में एक मामला आने के बाद पूरे दल को टूर्नामेंट से हटना पड़ा लेकिन हमें ऐसी चीजों से निपटना होगा।

ओलंपिक में प्रत्येक दिन होगा परीक्षण

सिंधू ने कहा, मैंने सुना है कि ओलंपिक में प्रत्येक दिन हमारा परीक्षण होगा। खेलने से पहले हमें आरटी-पीसीआर परीक्षण में नेगेटिव आना होगा और मैच के बाद दोबारा परीक्षण होगा, निश्चित तौर पर यह मुश्किल काम है। इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में साइना नेहवाल और बी साई प्रणीत जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को गलत पॉजिटिव नतीजों के कारण हटना पड़ा और सिंधू ने उम्मीद जताई कि ओलंपिक के दौरान ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह ओलंपिक है और वहां इतने सारे देशों के इतने सारे खिलाड़ी होंगे लेकिन उन्हें काफी सतर्क भी रहना होगा। एक खिलाड़ी के रूप में हमें तैयारी करनी होगी और उम्मीद करनी होगी कि अगले कुछ महीनों में सब कुछ सही रहेगा। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी ने कहा, जब तक आप अपना ख्याल नहीं रखते तब तक यह कभी भी फैल सकता है। इसलिए हालात मुश्किल हैं। सिंधू ने कहा, इस साल अब तक प्रदर्शन अच्छा रहा है। एक खिलाड़ी के रूप में मैं सुधार कर रही हूं। मेरे कोच ने मेरे खेल का आकलन किया है इसलिए ओलंपिक को लेकर उत्सुक हूं। मेरे पिता ने भी मेरी काफी मदद की है।

इटैलियन कप के फाइनल में जोकोविच की भिड़ंत नडाल से

रोम। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शनिवार को यहां कड़े मुकाबले में स्थानीय दावेदार लोरेंजो सोनेगो को तीन सेट में हराकर इटैलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी रफेल नडाल से होगा। जोकोविच ने कड़े मुकाबले में सोनेगो को 6-3, 6-7, 6-2 से हराया। जोकोविच की नजरें अब रविवार को रोम में छठा खिताब जीतने पर टिकी होंगी लेकिन उनके सामने नडाल की कड़ी चुनौती होगी। नडाल को एक अन्य सेमीफाइनल में अमेरिका के रेली ओपेलका के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज करने में अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। स्पेन के दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और दूसरे वरीय नडाल ने ओपेलका को 6-4, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भाकर यूरोपीय चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा के साथ स्नातक की परीक्षा भी देंगी

एजेंसी। नई दिल्ली

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में आयोजित होने वाली यूरोपीय चैंपियनशिप में भाग लेने के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखेंगी और वहीं से स्नातक की परीक्षाएं देंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम महिला कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक कर रही भाकर की परीक्षाएं 18 मई से शुरू होंगी, जबकि ओसिजेक में होने वाली यूरोपीय चैंपिनशिप का आगाज 20 मई से होगा। भारत इस प्रतियोगिता में आमंत्रित टीम के रूप में भाग ले रहा है।

भाकर के लिए हालांकि यह राहत की बात है कि उनकी परीक्षा और प्रतियोगिताओं की तारीखें आपस में टकरा नहीं रही है। उन्होंने एजेंसी से कहा, मैं दोनों से सामंजस्य बैठा लूंगी जैसा कि मैंने अतीत में भी किया है। अच्छी बात यह है कि प्रतियोगिताओं के दिन परीक्षा नहीं है। ऐसे में इसमें परेशानी नहीं होगी। भाकर हालांकि पढ़ाई को बहुत महत्वपूर्ण मानती हैं, लेकिन टोक्यो ओलंपिक के कारण फिलहाल निशानेबाजी प्रतियोगिता उनकी प्राथमिकता है। इस ओलंपिक में भारत की बड़ी पदक उम्मीदों में शामिल इस खिलाड़ी ने कहा, यह ओलंपिक का वर्ष है और मैं मेरा पूरा ध्यान अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित करने पर है। युवा ओलंपिक, आईएसएसएफ विश्वकप और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी इस खिलाड़ी के पिता रामकृष्ण भाकर ने कहा, वह अपनी पढ़ाई को लेकर काफी गंभीर है, लेकिन अगर उसकी प्रतियोगिता और परीक्षा के बीच टकराव होता है, तो वह खेल को चुनती है। यह 19 साल की खिलाड़ी निशानेबाजी के सामानों के साथ परीक्षा की तैयारी के लिए अपनी पुस्तकें भी साथ ले कर गई है। वह अपने उत्तर लिखने के बाद मोबाइल स्कैनर की मदद से उसे ऑनलाइन तरीके से भेजेंगी। भाकर को टोक्यो ओलंपिक में तीन स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए चुना गया है।

शुभंकर संयुक्त 34वें स्थान पर रहे, ब्लैंड ने जीता ब्रिटिश मास्टर्स

विशॉ (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने आखिरी दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया जिससे वह बेलफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स में संयुक्त 34वें स्थान पर रहे। रिचर्ड ब्लैंड ने ट्राफी हासिल की जो यूरोपीय टूर में उनका पहला खिताब है। शुभंकर कट में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय थे। उन्होंने अंतिम दौर में पांच बर्डी बनाई लेकिन इस बीच दो बोगी भी की और आखिर में उनका चार दिन का स्कोर चार अंडर रहा। भारत के अजितेश संधू, एसएसपी चौरसिया और गगनजीत भुल्लर ने भी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था लेकिन ये तीनों कट में जगह नहीं बना पाए थे। इस बीच ब्लैंड ने कई प्रयासों के बाद पहली बार यूरोपीय टूर का खिताब जीता। उन्होंने प्लेआफ में इटली के युवा गोल्फर गुइडो मिगलियोजी को हराया।

संक्षिप्त समाचार

एफआईएच हॉकी प्रो लीग: बेल्जियम ने अमेरिका को हराया

एंटवर्प (बेल्जियम)। बेल्जियम की महिला हॉकी टीम ने दबदबा बनाते हुए शनिवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले में अमेरिका को 3-0 से हराया। बेल्जियम की 2020-21 अभियान में यह दूसरी जीत है। टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। अमेरिकी टीम प्रो लीग तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। कोविड-19 महामारी के कारण फरवरी 2020 के बाद अपना पहला प्रो लीग मैच खेल रही अमेरिकी टीम की ओर से पांच खिलाड़ियों ने पदार्पण किया। बेल्जियम की ओर से अबि राए ने दो गोल दागे जबकि टिफेनी डुकेसने ने एक गोल किया। दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला यहां रविवार को खेला जाएगा।

सौरभ तिवारी और विरोट सिंह ने पीपीएल का समर्थन किया

रांची। इंडियन प्रीमियर लीग जब स्थगित हो चुकी है तब सौरभ तिवारी और विराट सिंह जैसे राज्य के क्रिकेटर यहां प्लाज्मा प्रीमियर लीग (पीपीएल) का समर्थन कर रहे हैं। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण पूरे भारत के अस्पताल जब प्लाज्मा और खून की कमी से जूझ रहे हैं, तब रविवार को यह टूर्नामेंट शुरू होगा, जिसका लक्ष्य जिंदगी के लिए जूझ रहे लोगों के लिए प्लाज्मा जुटाना है। पीपीएल राज्य के भारतीय जनता पार्टी नेता और पूर्व विधायक कुणाल सारंगी का विचार है। झारखंड के बल्लेबाजों सौरभ तिवारी और विराट सिंह के अलावा पीपीएल को जिला प्रशासन और उद्योग जगत तथा गैर लाभकारी संस्थाओं का समर्थन हासिल है। पीपीएल में नौ टीमें प्रीसियस प्लाज्मा टाइगर्स, टेल्को रेड पैंथर्स, 3एस डोनेटर्स, हेल्पिंग हैंड्स, स्टील सिटी वारियर्स, जुगसलाई मास्क, सनराइज सुपरस्टार, जमशेदपुर किंग्स और रेट्रेक्ट 11 हिस्सा लेंगी।

उत्तर कोरिया विश्वकप क्वालीफिकेशन से हटा

सोल। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने घोषणा की है कि उत्तर कोरिया 2022 विश्वकप क्वालीफिकेशन से हट गया है। एएफसी ने रविवार को बयान में कहा, एएफसी पुष्टि करता है कि डीपीआर कोरिया फुटबॉल संघ एशियाई क्वालीफायर से हट गया है। प्योंगयांग ने टूर्नामेंट के अगले महीने होने वाले क्वालीफायर से हटने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। फुटबॉल विश्वकप का आयोजन कतर में नवंबर-दिसंबर 2022 में होना है। दक्षिण कोरिया की मीडिया की खबरों के अनुसार कोविड-19 से जुड़ी चिंताओं के कारण उत्तर कोरिया ने यह कदम उठाया है। वायरस के फैलने के कारण नवंबर 2019 से एशिया में कोई क्वालीफायर नहीं हुआ है और मैचों के दोबारा शुरू होने पर यात्रा की संभावना को कम करने के लिए एएफसी ने दूसरे दौर के क्वालीफिकेशन में एक ग्रुप के सभी मैच एक ही स्थान पर कराने का फैसला किया है। दक्षिण कोरिया को सोल के उत्तर में स्थित गोयांग शहर में तीन से 15 जून तक ग्रुप एच के मैचों में उत्तर कोरिया, तुर्कमेनिस्तान, लेबनान और श्रीलंका की मेजबानी करनी थी।

रेंजर्स स्कॉटिश प्रीमियर लीग में अजेय रहा

ग्लास्गो (स्कॉटलैंड)। चैंपियन रेंजर्स ने शनिवार को यहां एबरडीन को 4-0 से हराकर स्कॉटिश प्रीमियरशिप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने अभियान का अंत अजेय रहते हुए किया। मैनेजर स्टीवन गेरार्ड अंततः टीम के साथ प्रीमियरशिप ट्रॉफी जीतने में सफल रहे। यह टीम का 55वां प्रीमियरशिप खिताब और पिछले एक दशक में पहला खिताब है। वर्ष 2018 में टीम के साथ मैनेजर के रूप में जुड़े गेरार्ड ने कहा, पिछले तीन साल हमने लुत्फ उठाया। लेकिन कई बार हमें चोट पहुंची और हमें झटकों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमने कभी यह विश्वास नहीं खोया कि एक दिन हमारे जीवन में यह लम्हा आएगा।

गंगजी डायमंड कप में संयुक्त 53वें स्थान पर

कनागावा (जापान)। भारतीय गोल्फर राहिल गंगजी एशिया-पैसेफिक डायमंड कप में तीसरे दौर की शानदार लय को यहां रविवार को आखिरी दौर में जारी नहीं रख सके और छह ओवर 78 का निराशाजनक कार्ड खेल कर संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर खिसक गए। तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर गंगजी ने चौथे दौर के आखिरी नौ होल में खराब प्रदर्शन करते हुए पांच बोगी की। रिकुया होशिनो ने 13 अंडर के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने चौथे दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेला और चार शॉट के बड़े अंतर से शीर्ष पर रहे।

त्वेशा मलिक तीसरे दौर के बाद संयुक्त 16वें स्थान पर

केपटाउन। भारतीय गोल्फर त्वेशा मलिक ने रविवार को मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करके इनवेस्टेक दक्षिण अफ्रीकी महिला ओपन में शीर्ष 15 में रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखी। मलिक ने पहले दो दौर में 72 और 79 का कार्ड खेला था। वह शनिवार को तीसरे दौर का खेल पूरा नहीं कर पाई थी। उन्होंने बाकी बचे पांच होल का खेल रविवार को पूरा किया जिसके बाद वह संयुक्त 16वें स्थान पर है। उन्होंने तीसरे दौर में दो बर्डी बनाई और चार बोगी की। पिया बाबनिक ने तीसरे दौर में 69 का कार्ड खेला जिससे वह तीन दौर के बाद इवन पार पर पहुंच गई है। उन्होंने पहले तीन दौर में 73, 74 और 69 का स्कोर बनाया। बाबनिक अभी एकल बढ़त पर हैं।

लेवानदोवस्की ने बुंदेसलीगा में रिकार्ड गोल की बराबरी की

एजेंसी। बर्लिन

बायर्न म्यूनिख के स्टार रॉबर्ट लेवानदोवस्की ने बुंदेसलीगा फुटबॉल सत्र में 40 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की, जबकि आग्सबर्ग, मेंज और हेर्था बर्लिन की टीमें निचली लीग में खिसकने से बचने में सफल रही। लेवानदोवस्की ने पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे बायर्न ने एससी फ्रीबर्ग से 2-2 से ड्रॉ खेला। लेवानदोवस्की ने गर्ड म्यूलर के 1972 के रिकॉर्ड की बराबरी की। बायर्न ने पिछले सप्ताहांत खिताब सुनिश्चित किया था।

बायर्न की ओर से एक अन्य गोल लेरॉय साने ने किया जबकि फ्रीबर्ग की ओर से मैनुअल गिल्डे और क्रिस्टियन गुंटर ने गोल किए। आग्सबर्ग ने निचली लीग में खिसकने का खतरा झेल रहे वर्डर ब्रेमेन को 2-0 से हराया। आर्मीनिया बेलफेल्ड ने होफेनहीम से 1-1 से ड्रॉ खेला, जबकि कोलोन और हेर्था बर्लिन के बीच मुकाबला भी गोल रहित ड्रॉ रहा। मेंज की टीम शनिवार को नहीं खेलने के बावजूद निचली लीग में खिसकने से बच गई। टीम रविवार को बोरूसिया डोर्टमंड से भिड़ेगी लेकिन अपने अंतिम दो मुकाबले हारने के बावजूद टीम शीर्ष लीग में रहेगी।

आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी कोविड-19 से उबरने के बाद रविवार को दोहा होते हुए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए। इस इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। आस्ट्रेलिया के इस पूर्व बल्लेबाज का शुक्रवार को आरटी-पीसीआर परीक्षण का नतीजा नेगेटिव आया जिससे उनके रविवार तड़के रवाना होने का रास्ता साफ हुआ। सुपरकिंग्स के सीईओ केएस विश्वनाथन ने एजेंसी को बताया, हां, हसी व्यावसायिक उड़ान से दोहा होते हुए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया है। वह रविवार तड़के रवाना हुआ।

सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है भारतीय महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है। कोविड-19 महामारी के बीच सिर्फ एक श्रृंखला खेलने वाली भारतीय टीम सात साल में पहला टेस्ट खेलने के लिए अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड दौरे पर टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी खेलने हैं।

आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान शुट ने संकेत दिए कि भारतीय टीम सितंबर में देश का दौरा कर सकती है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने हालांकि अब

तक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। इस दौरे पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी-20 मुकाबले खेले जाने की उम्मीद है। शुट ने केट क्रॉस और एलेक्स हार्टले की मेजबानी में नो बॉल्स: द क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, सितंबर के मध्य में हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला खेलनी है। उन्होंने कहा, इसलिए कुछ शिविर आयोजित होंगे। मुझे लगता है कि एक डार्विन में होगा जहां काफी ठंड होगी और इसके बाद भारत के खिलाफ श्रृंखला होगी। इसके बाद बिग बैश, एशेज, विश्व कप और उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेल होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी शीर्ष परिषद की पिछली बैठक में न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले विश्वकप से पहले आस्ट्रेलिया दौरे को भी स्वीकृति दी थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला को भी स्वीकृति मिली थी। आस्ट्रेलिया का दौरा शुरुआत में इस साल जनवरी में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के बीच विश्व कप को 2022 तक टालने के बाद इसे भी स्थगित कर दिया गया।

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर, बीसीसीआई रैफरी राजेंद्र सिंह जडेजा का निधन

एजेंसी। राजकोट

सौराष्ट्र के पूर्व तेज गेंदबाज और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के रैफरी राजेंद्र सिंह जडेजा का कोविड-19 संक्रमण के कारण निधन हो गया। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। जडेजा 66 साल के थे। एससीए ने बयान में कहा, एससीए में सभी राजेंद्र सिंह जडेजा के असामयिक निधन से दुखी हैं, जो सौराष्ट्र के अतीत के सबसे शानदार क्रिकेटरों में से एक थे। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए आज तड़के उनका निधन हुआ।

जडेजा दाएं हाथ के उम्दा तेज गेंदबाज होने के अलावा अच्छे आलराउंडर भी थे। उन्होंने 50 प्रथम श्रेणी और 11 लिस्ट ये मैचों में क्रमशः 134 और 14 विकेट चटकाए। उन्होंने इन दोनों प्रारूपों में क्रमशः 1,536 और 104 रन भी बनाए। जडेजा 53 प्रथम श्रेणी, 18 लिस्ट ए और 34 टी20 मैचों में बीसीसीआई के आधिकारिक रैफरी भी रहे। वह सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के चयनकर्ता, कोच और टीम मैनेजर भी रहे। बीसीसीआई और एससीए के पूर्व सचिव निरंजन शाह ने कहा, राजेंद्र सिंह जडेजा स्तर, शैली, नैतिकता और शानदार क्रिकेट क्षमता वाले व्यक्ति थे। क्रिकेट के प्रति उनका समर्पण और योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। एससीए अध्यक्ष जयदेव शाह ने भी उनके निधन पर शोक जताया, यह विश्व क्रिकेट की बड़ी हानि है। राजेंद्र सर जिन लोगों से मैं मिला उनमें सबसे शानदार व्यक्तियों में से थे। मैं भाग्यशाली रहा कि उनके हमारे मुख्य कोच, मैनेजर और मार्गदर्शक रहते मैंने कई मैच खेले।

चेल्सी को हराकर लीसेस्टर ने एफए कप खिताब जीता

लंदन। योरी टिलेमेंस के गोल की बदौलत लीसेस्टर ने शनिवार को यहां फाइनल में चेल्सी को 1-0 से हराकर पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। टिलेमेंस ने मैच का एकमात्र गोल 63वें मिनट में किया। लीसेस्टर के 137 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब टीम एफए कप खिताब जीतने में सफल रही है।

लीसेस्टर की यह खिताबी जीत उसके लिए इसलिए भी सुखद रही क्योंकि टीम ने यह खिताब अपने घरेलू दर्शकों के सामने वेम्बले स्टेडियम में जीता। वेम्बले स्टेडियम में इस दौरान 20 हजार से अधिक दर्शक मौजूद थे जो कोरोना वायरस के लिए नेगेटिव पाए गए थे। चेल्सी ने 89वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया था लेकिन यह आफ साइड हो गया। लीसेस्टर के पूर्व खिलाड़ी बेन चिलवेल का क्रॉस मेजबान क्लब के कप्तान वेस मोर्गन से टकराकर गोल में चला गया लेकिन वीडियो सहायक रैफरी (वीएआर) की सहायता लेने पर यह गोल आफ साइड करार दिया गया और इसे नकार दिया गया। विश्व फुटबॉल की सबसे पुरानी प्रतियोगिता के 140वें फाइनल में खेलकर लीसेस्टर की टीम अंततः इस ट्रॉफी पर अपना नाम लिखवाने में सफल रही।

आर्चर की कोहनी की चोट फिर उभरी

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में खेलना संदिग्ध है क्योंकि केंट के खिलाफ ससेक्स की ओर से काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले में खेलते हुए उनकी कोहनी की पुरानी चोट फिर उभर आई। 26 साल का यह तेज गेंदबाज अतीत में भी कोहनी की चोट से परेशान रहा है, जिसके कारण वह भारत के खिलाफ दो टेस्ट और फिर फिलहाल निलंबित इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेल पाए। इसके अलावा वह 2020 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी नहीं खेल पाए थे।

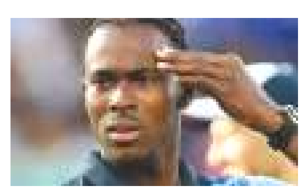

चोट के बाद वापसी करते हुए ससेक्स की ओर से अपना पहला प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेल रहे आर्चर ने पहली पारी में 29 रन देकर दो विकेट चटकाए। यह तेज गेंदबाज हालांकि दूसरी पारी में सिर्फ पांच ओवर ही फेंक सका और उन्होंने कोहनी में सूजन की शिकायत की। ससेक्स के मुख्य कोच इयान सालिस्बरी ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, अगर आप आज के दिन को देखें तो वह कल गेंदबाजी नहीं कर पाएगा। आपको ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से पूछना होगा। उन्होंने कहा, जब भी जोफ्रा गेंदबाजी नहीं कर पाता है तो एक नेतृत्वकर्ता और टीम के रूप में आप हताश होते हो। लेकिन ऐसा होता है। खेलों में लोग चोटिल होते हैं। यही जीवन है। सालिस्बरी ने कहा, वह अब भी मैदान पर उतरने का इच्छुक है क्योंकि वह चाहता है कि ससेक्स जीते। उन्हें (ईसीबी) उसे इस मैच में खेलने की स्वीकृति देनी होगी। वह हमारा खिलाड़ी नहीं है इसलिए उनसे स्वीकृति लेनी होगी। इंग्लैंड को दो जून से दो टेस्ट की श्रृंखला में न्यूजीलैंड की मेजबानी करनी है।

टिम पेन ने कहा, भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

विरोधी टीम को उसी की योजना में फंसाने का है हुनर

एजेंसी। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और वह विरोधी टीम पर उसी के अंदाज में प्रहार करते हैं। उन्होंने 2018-19 में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारतीय कप्तान के प्रतिस्पर्धी रवैए को हमेशा याद रखेंगे। इस 36 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के

पोडकास्ट गिली एंड गोस में कहा, विराट कोहली के लिए मैंने कई बार कहा है कि वह उस प्रकार के खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना पसंद करेंगे। वह प्रतिस्पर्धी है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।

उन्होंने कहा, उनके (कोहली) खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण है और वह आपकी चाल में नहीं फंसते है क्योंकि वह खेल में बहुत अच्छे और प्रतिस्पर्धी है। कोहली की अगुवाई में भारत ने 2018-19 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में हराया था। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला को 2-1 से जीता था और पूरी श्रृंखला के दौरान दोनों कप्तानों के बीच कई बार जुबानी जंग देखने को मिली थी। पेन ने कहा, हां, चार साल पहले उनसे मतभेद हुए थे। वह ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगा। रोचक बात यह है कि पेन ने ही पिछले साल कहा था कि कोहली भारतीय टीम में किसी अन्य खिलाड़ी की तरह से हैं जिनके बारे में वह ज्यादा नहीं सोचते है। पेन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोहली को नापसंद करना पसंद है।

ऊंची कूद के खिलाड़ी शंकर ने अमेरिकी आउटडोर प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। भारत के ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के मैनहेटन में बिग 12 आउटडोर ट्रैक एवं फील्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे तेजस्विन ने शनिवार को 2.28 मीटर के प्रयास के साथ प्रतियोगिता का यूनिवसिटी की ओर से रिकॉर्ड बनाया। यह भारतीय खिलाड़ी का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है, लेकिन वह अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कुछ सेंटीमीटर पीछे रहे। उन्होंने 2018 में 2.29 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

ओकलोहामा यूनिवर्सिटी के वर्नन टर्नर ने 2.25 मीटर के साथ रजत जबकि टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी के जेकन होगन ने 2.11 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। यह प्रतियोगिता में तेजस्विन का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने 2019 में भी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में यह प्रतियोगिता नहीं हो सकी। बाइस साल का यह खिलाड़ी 2017 से अमेरिका में है जब वह छात्रवृत्ति पर एमबीए कोर्स करने के लिए कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी से जुड़े थे।

ध्यान की शक्ति

ईश्वर से संबंध कठिन नहीं है। संत राजिंदर सिंह लिखते हैं कि यह चुनाव करने की बात है कि हम यही करना चाहते हैं।

एक आत्मा को मानव शरीर में एक निश्चित अवधि के लिए जीवन के लिए भेजा जाता है। जब आत्मा एक शरीर का निवास करती है, तब भी आत्मा भगवान का एक हिस्सा है और अभी भी भगवान के साथ एक है। हालांकि, आत्मा अब शक्तिशाली ताकतों, जैसे कि मन, शरीर और बाहरी दुनिया है, जो समय के साथ आत्मा का कारण बनती है, पर हावी हो जाती है। आत्मा धीरे-धीरे शरीर और मन और बाहर की दुनिया से अपनी पहचान बनाने लगती है। यह अचानक सोचने लगता है कि यह केवल बाहरी दुनिया से इंद्रियों के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार आत्मा केवल एक चैनल दुनिया के चैनल से जुड़ गया है।

यदि हम टेलीविजन कार्यक्रम को देखते हुए अपने जीवन के बारे में सोचते हैं, तो हमारे पास कई विकल्प हैं कि क्या देखना है। जिस तरह एक दर्जन नेटवर्क स्टेशन हैं और फिर दर्जनों हैं यदि सैकड़ों केबल स्टेशन नहीं हैं जिनमें से चुनना है, तो, इस दुनिया में कई गतिविधियां हैं, जिनसे हम जुड़ सकते हैं।

अब, हमें हमारे लिए उपलब्ध अन्य विकल्पों पर एक नजर डालते हैं। यह भौतिक ग्रह सृष्टि और ईश्वर से अलग नहीं है। अधिकांश धर्मों का मानना है कि ऐसे उच्च क्षेत्र या अस्तित्व हैं जिनके कारण आत्मा मर जाती है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने नैदानिक रूप से मृत घोषित किए गए लोगों के खातों का दस्तावेजीकरण करके इसे सत्यापित करने की कोशिश की है, लेकिन उनके पास मृत्यु के अनुभव थे और इस दुनिया से परे कुछ का वर्णन किया। सवाल यह है कि ये अहसास कहां हैं? वे सीमाओं द्वारा परिसीमित बाहरी अंतरिक्ष में क्षेत्र नहीं हैं। ये सभी अहसास समवर्ती रूप से इस एक के साथ मौजूद हैं। हम उनके बारे में नहीं जानते हैं इसका कारण यह है कि वे एक अलग आवृत्ति या कंपन पर काम करते हैं।

संत और रहस्यवादी हमें बताते हैं कि हमारे पास इस भौतिक दुनिया में बने रहने के लिए, या भगवान के चैनलों में धुन करने का विकल्प है। भगवान चाहते हैं कि हम भगवान की प्रोग्रामिंग देखें। भगवान दिन के चौबीस घंटे, साल के तीन सौ पैंसठ दिन उपलब्ध हैं। भगवान की प्रोग्रामिंग तीन बजे से बंद नहीं होती है जैसे कुछ नेटवर्क करते हैं। यह बिना किसी केबल शुल्क के हर समय प्रसारण करने वाला एक नि:शुल्क स्टेशन है। हमें केवल यह जानने की आवश्यकता है कि भगवान के स्टेशन में कैसे ट्यून किया जाए। ईश्वर से संबंध कठिन नहीं है। यह चुनाव करने की बात है कि यह वही है जो हम करना चाहते हैं। ऐसा करने के चरण सरल हैं।

- एक कदम शरीर, मन और बाहर की दुनिया के साथ, और आत्मा की पहचान करना बंद करना है।
- चरण दो के लिए आवश्यक है कि जब हम अपनी आत्मा के साथ की पहचान करें कि हम अपना ध्यान आवृत्ति या उच्च लोकों और अंतत: ईश्वर पर केंद्रित करें।

हमें बस इतना ही करना है। परमेश्वर ने हमारे सच्चे घर के बारे में जानना हमारे लिए कठिन नहीं बनाया। यह हम हैं जिन्होंने इसे जटिल बना दिया है।

तो हम चरण एक और चरण दो कैसे पूरा करते हैं? कदम एक को पूरा करने के लिए, हमें अपने शरीर, मन और बाहर की दुनिया से अपना ध्यान हटाना चाहिए। हमें बाहरी प्रोग्रामिंग को बंद करने का निर्णय लेना चाहिए। जब वह प्रोग्रामिंग बंद मोड में होती है, तब मौन में हम खुद को आत्मा के रूप में अनुभव करेंगे। यही वह कदम है जिसे हम आत्म-ज्ञान कहते हैं।

> **कदम एक को पूरा करने के लिए, हमें अपने शरीर, मन और बाहर की दुनिया से अपना ध्यान हटाना चाहिए। हमें बाहरी प्रोग्रामिंग को बंद करने का निर्णय लेना चाहिए। जब वह प्रोग्रामिंग बंद मोड में होती है, तब मौन में हम खुद को आत्मा के रूप में अनुभव करेंगे। यही वह कदम है जिसे हम आत्म-ज्ञान कहते हैं।**

एक बार जब हम आत्मा के साथ पहचान करते हैं, तो हम उन आवृत्तियों को उठा पाएंगे जो आत्मा प्राप्त करने में सक्षम है। हम एक क्रमिक बदलाव कर सकते हैं जिसमें हम एक क्षेत्र की चेतना से आध्यात्मिक क्षेत्र की चेतना तक जाते हैं।

इस प्रक्रिया में हम शारीरिक रूप से कहीं नहीं जा रहे हैं, हम केवल अपना ध्यान चेतना की एक अवस्था से दूसरी में स्थानांतरित कर रहे हैं। चेतना की दूसरी स्थिति समय या स्थान में मौजूद नहीं है। वे समवर्ती रूप से काम कर रहे हैं। हम एक साथ अन्य लोकों में और ईश्वर में एक ही समय में हैं, लेकिन हमें इसके बारे में पता नहीं है क्योंकि हमारा ध्यान केवल एक क्षेत्र पर केंद्रित है, भौतिक।

इसलिए, एक कदम के लिए, अगर हम सही ढंग से ध्यान करते हैं तो हम खुद को आत्मा के रूप में अनुभव करेंगे। एक बार जब हम आत्मा के साथ की पहचान करते हैं, तो हम आंतरिक प्रकाश और ध्वनि से भी अवगत होंगे जो हमारे भीतर ईश्वर की चमक और कंपन ध्वनि है। यदि हम प्रकाश और ध्वनि में अपने आप को अवशोषित करते हैं, तो हम चरण दो को प्राप्त कर सकते हैं। हम अपना ध्यान लाइट और साउंड में स्थानांतरित कर सकते हैं, जो हमारी आत्मा को कंपन के उच्च स्तर तक आकर्षित करता है। यह केवल चुनने की बात है कि हम अपना ध्यान कहां लगाना चाहते हैं। यह आध्यात्मिकता की सरलता है। भगवान ने चीजों को जटिल नहीं बनाया। यह सरल है, हमें बस दुनिया से अपने ध्यान के फूल को भगवान के बगीचे में प्रत्यारोपण करना है।

लेखक एक आध्यात्मिक नेता हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

आस्था और आशा : श्रेष्ठ प्रतिरोधक

लोग फिर से बात कर रहे हैं, वही लोग, वही बातें। हम उतने ही अनाड़ी हैं जितना कोरोना के पिछले उछाल के दौरान थे। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, सैनिटाइटर और लॉकडाउन हमारे मुख्य आधार हैं। दवाओं के रूप में कोई नहीं जानता कि कौन सा काम कर रहा है और किसके लिए है। माना जाता है कि हम अरबों खर्च करने के बावजूद कोई समझदार नहीं बने हैं। बेशक टीकाकरण जीविका के एक बड़े स्रोत के रूप में आया है, लेकिन वहां भी थॉमेसीस पर गहरा पक्ष देखने के लिए संदेह कर रहे हैं। इस सब के बीच, हमें कुछ अधिक प्रामाणिक के लिए घर बसाने की जरूरत है। जैसा कि केर्फफल जारी है, दो चीजें हमारी सबसे अच्छी शरण लगती हैं। विश्वास और आशा। वे कोरोना के खिलाफ टीका लगाने के लिए आज हमारे शक्तिशाली मारक हैं। अत्यधिक वैज्ञानिक दिमाग के पास इन दो निर्माणों की प्रभावकारिता पर सवाल उठाने के कारण हो सकते हैं। लेकिन यह सुझाव देने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक सबूत हैं कि आस्था उपचार काम करता है और यहां तक कि मरने वाले कठिन चिकित्सक भी इसके लिए सहमत होंगे। विश्वास आशा को चलाता है, और आशा जीवन को चलाती है। सच है, सबूत-आधारित शोध शायद यह साबित करने के लिए आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह समझने की आवश्यकता है कि सबूत का अभाव अनुपस्थिति का कोई सबूत नहीं है। इसके अलावा, उस विश्वास और आशा को स्थापित करने के लिए प्रचुर उपाख्यानों का उल्लेख किया जा सकता है। इस तथ्य का तथ्य यह है कि यहां तक कि सबसे अच्छी दवाइयां केवल तभी काम करती हैं जब रोगी का मानना है कि वे काम कर सकते हैं। पर्याप्त मनोवैज्ञानिक अध्ययन यह पुष्टि करने के लिए हैं कि प्लेसीबो प्रभाव एक वास्तविकता है। इसे चमत्कार कहें या इच्छा शक्ति, लेकिन यह काम करता है। जैसा कि आंकड़ों के एक जलप्रपात से पता चलता है कि कोरोनो वायरस कितना घातक है और मानवता कितनी असहाय है, यह दिखाने की आशा की जा रही है। जबकि मामले में घातक दरों को साहसपूर्वक यह इंगित करने के लिए प्रदर्शित किया जा रहा है कि कोरोनो वायरस कैसे जीवन के लिए खतरा है, वसूली दर को प्रमुखता से नहीं दिखाया गया है। यदि केवल इस डेटा को ईमानदारी से प्रदर्शित किया जाता है, तो हमें एहसास होगा कि मरने के बाद, या पूरी मानवता के समाप्त होने की संभावना के बारे में हमारा गुस्सा कितना निराधार है। पिछली शताब्दी की भयावह घटनाओं का एक सरल पुनरावृत्ति दिखाएगा कि वर्तमान चुनौतियां उन लोगों के साथ कैसे मेल खाती हैं। प्रथम विश्व युद्ध 22 मिलियन लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार था।

इसके बाद स्पैनिश फ्लू, वर्तमान संस्करण का करीबी चचेरे भाई, जिसने 50 मिलियन लोगों को मार डाला था। अकेले भारत में 15 मिलियन। याद रखें, तब एंटीबायोटिक्स की खोज नहीं की गई थी। फिर महान अवसाद आया जिसने अर्थव्यवस्था को हाउस ऑफ कार्ड की तरह बर्बाद कर दिया। इसके बाद दूसरा विश्व युद्ध हुआ, जिसमें 60 मिलियन से अधिक लोग मारे गए। फिर कोरियाई युद्ध, वियतनाम युद्ध और क्या नहीं। मानवता उस सब से बच गई और तब से लगभग तीन गुना बढ़ गई। हम निश्चित रूप से बहुत बेहतर हैं, लेकिन इस तथ्य के लिए कि हम अत्यधिक बीमार हैं। नहीं, जानकारी में कोई कमी नहीं है। बिल्कुल इसके विपरीत। लेकिन बहुत सारी नकारात्मक जानकारी है जिसने हमारे विश्वास और आशा को एक खूनी झटका दिया है और हमें थानाटोस की सेनाओं के साथ मार दिया है, मौत का आग्रह करता है। 25 अप्रैल के आंकड़ों को देखें। कुल पुष्टि मामलों की संख्या 147,096,661 है और कुल मौतों की संख्या 3,223,558 है, जो लगभग दो प्रतिशत है। विडंबना यह है कि एक अनुमान कहता है कि लगभग 9 मिलियन लोग हर साल भूख और भूख से संबंधित बीमारियों से मर जाते हैं। ऐसा नहीं है कि हम कोरोना के बारे में कुछ नहीं करते हैं, लेकिन हमें उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। वास्तविक संक्रमण के बजाय कोरोना के डर से अधिक लोग मर रहे हैं। समय और सुर्खियों को तोड़कर आशा और विश्वास को फिर से जगाने के लिए। वर्तमान उछाल को गिरफ्तार करने में हेडलाइन प्रबंधन एक लंबा रास्ता तय कर सकता है।

लेखक प्रबंधन के प्रोफेसर और प्रख्यात सार्वजनिक वक्ता हैं।

कोविड काल में सामाजिक और परिवारिक महत्व

आज का कोविड काल यह कैसा काल है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति, भय से ग्रसित है। क्या आपको नहीं लगता कोविड का 'आतंकवाद', दुनिया के हर आतंकवाद को मुंह चिढ़ा रहा है।

**डॉ. अश्वनी कुमार कौशल
आयुर्वेदाचार्य**

आज का कोविड काल यह कैसा काल है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति, भय से ग्रसित है। क्या आपको नहीं लगता कोविड का 'आंतकवाद', दुनिया के हर आतंकवाद को मुंह चिढ़ा रहा है। यह समय ऐसा है, जिसमें हम परिवारिक-समाजिक, मूल्यों को भी समझें। सबसे पहले, परिवारिक महत्व को समझना अति आवश्यक है। परिवार से ही आगे चलकर समाज बनता है।

यह काल कैसा काल है, जिसमें ईश्वर ने परिवार में हर सदस्य की आवश्यकता को समझने का अवसर दिया है। आज से 20-25 साल पहले, परिवार के मूल्यों को समझा जाता था। धीरे-धीरे यही परिवार, अपने निजी, स्वार्थों के अनुसार, टूटना शुरू हो गया। विवाह सबंधो में कारण, कटुता-क्रोध, अपने निजी स्वार्थ, चाहे वे आर्थिक आधार ही क्यों न हो। एक प्रकार से, वैवाहिक संस्था, में विश्वास की कमी अधिक देखने को मिलती रही। छोटी-छोटी बातों को लेकर, वैवाहिक संबंध टूटने लगे। कारण चाहे कोई भी हो समाज का यह विवाहिक संस्था पर से विश्वास उठ गया। देखने में आता है कि न्यायालयों में वैवाहिक संबंधित तलाक केस पहले से बहुत अधिक है। इसका एक ही कारण है। वैवाहिक संस्था पर से विश्वास उठ जाना।

आज मैं इस समस्या को कोविड काल के साथ जोड़कर, इस वैवाहिक संस्था पर पुन: विचार करना चाहता हूं। आज जबकि इस कोविड काल में प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को असहाय और मौत से भयभीत महसूस करता है। तब एक कर्तव्यनिष्ठ सच्चे साथी की आवश्यकता भी अपने अंदर महसूस करता है। ईश्वर ने जो कोविड-काल दिखाया है। कभी मुझे लगता है कि शायद इसलिए भी। हम अपने बिछड़े हुए, नाराज सबंधों को एक नई दृष्टि और सोच दे सकें और उस आवश्यकता को समझ सके। अर्थात वैवाहिक संस्था पर दोबारा से विश्वास कर सकें।

'आ अब लोट चले'

यह तभी संभव है। जब हम अपने निजी विचारों क्रोध अहंकार को, दूर करके जीवन के मूल्यों को समझ सके। मुझे लगता है यह कोविड इसलिए भी आया है कि हमारे जीवन शैली के सुधार के साथ-साथ परिवारिक संबंधों पर भी विचार किया जाए। तभी समाज में एक नया सौहार्दपूर्ण, वातावरण बन पाएगा और इस कॉल के इस विनाशकारी समस्या पर काबू पाया जा सकेगा। परिवारिक महत्व के साथ-साथ सामाजिक महत्व को जानना भी बहुत जरूरी है। समाज को धर्म और जातिवाद से उठकर मानवतावाद की बात करनी चाहिए। जब कोविड ही किसी समाजवाद , जाति और धर्म का भेद नहीं करना चाहता तो हम मानव इस भेद को क्यों बनाए हुए हैं। प्रत्येक को अपने अंदर की मानवता पर पुनर्विचार करना आवश्यक है। कोई जाति या धर्म मानवता से ऊपर नहीं हो सकती। आज ईश्वर की कृपा से, हम विवेकशील होकर इस मानवतावाद पर खुलकर बात करें और कोविड का डटकर मुकाबला करें।

ईश्वर से प्रार्थना है कि वह हमें, सद्‌बुद्धि दे, जिससे हम इस विनाशकारी काल का डटकर मुकाबला कर सकें।

'धन्यवाद'

स्वयं को बेहतर बनाने के लिए काम करें

समृद्ध सेठ कहते हैं कि सरल दिमाग का वह मंत्र है, जिसे कोई भी व्यक्ति आत्म-सुधार की खोज में अपना सकता है।

दिन में और बाहर हम देखते हैं कि हमारे कार्य, भावनाएं और निर्णय हमें एक पूरे के रूप में आकार देते हैं और यह हमें कहां ले जाता है। जबकि हमने अतीत में कुछ या कोई अन्य लक्ष्य हासिल किया हो सकता है, किसी भी समय किसी भी तरह से खोए रहने की हमारी इच्छा और गैर-संबंधितता की भावना पैदा होती है। हम कुछ चीजों को व्यवस्थित रखते हैं और यहां तक कि उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए निर्देशित कोई कार्रवाई नहीं होने से उदास महसूस करते हैं। यह तब होता है जब आप अपने आप को और अपने निर्णयों को परिश्रम से आत्म-सुधार पर ध्यान में उलझाने और ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दें।

व्यक्तिगत विकास और आत्म-सुधार व्यक्ति परक हैं। प्रत्येक को लक्ष्य के रूप में कुछ हासिल करने की इच्छा है। आपके पास एक निश्चित लक्ष्य है और आप उसी को प्राप्त करने में विफल हैं। यह स्थिति को बेहतर ढंग से संभालने के लिए आत्म-सुधार के विचार को उपजा है। जब यह आत्म-सुधार की बात आती है, तो इसका कोई मृत-अंत नहीं होता है, जिसमें हमें लगता है कि हमने यह सब हासिल कर लिया है और आत्म-प्राप्ति प्राप्त कर ली है, लेकिन यह हमें अपने कार्यों, निर्णयों का पता लगाने के लिए धक्का देता रहता है, जबकि कई में से बेहतर परिणाम के लिए। आगामी चुनौतीपूर्ण स्थितियां।

आत्म-सुधार अपने आप को बेहतर बनाने के लिए एक अनुपलब्ध खोज है, इसे प्राप्त करने के लिए जो कुछ भी आप कर रहे हैं वह हो। यह एक दीर्घकालिक खेल है और हम यहां मैराथन के लिए हैं, न कि केवल एक स्प्रिंट के लिए। आत्म-सुधार के साथ, आप कल के परिवर्तनों को नहीं देख सकते हैं, लेकिन कुछ सप्ताह, महीनों, और निश्चित रूप से पहली बार शुरू होने वाले वर्ष से दिशा में चलती चीजों को देख सकते हैं। यह सुधार का सबसे प्रभावी तरीका है क्योंकि केवल वही है जो आपके विचारों को डॉट को जानता है। और आपके कार्य आपके विचारों का प्रतिबिंब हैं, इसलिए, आप अपने विचारों को समझने और अपनी विचार प्रक्रिया को चैनल करके अपने कार्यों को बदल सकते हैं।

ज्ञान से जुड़ाव : आत्म-सुधार के माध्यम से व्यक्तिगत विकास ज्ञान से जुड़ा होता है और जैसा कि हम जानते हैं कि ज्ञान अंतहीन है। जितना हम चाहते हैं, दुनिया के पास ज्ञान के महासागर को और अधिक विकसित करने के लिए जगह है। विभिन्न पहलुओं का ज्ञान हमें एक निश्चित चीज को प्राप्त करने के विभिन्न तरीकों को खोजने के लिए मार्गदर्शन करता है जो हम चाहते हैं। यह एक भावना को भी प्रेरित करता है कि अगर इसे एक निश्चित तरीके से प्राप्त किया जा सकता है, तो दूसरे तरीके की खोज कैसे करें? और हम इसे खोजने के लिए छलांग लगाते हैं।

इसके अलावा, आत्म-सुधार के लिए हमारी खोज कभी भी प्रासंगिक नहीं होती है क्योंकि हमारा मस्तिष्क निराशावादी होने के लिए वातानुकूलित है और अधिक प्राप्त करने की भूख है। हमें लगता है कि हम एक निश्चित चीज पर परिपूर्ण नहीं हैं और हमेशा महसूस करते हैं कि अभी भी बहुत कुछ सीखने और उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने की गुंजाइश है। जब हम ऐसा करते हैं तो प्रयासों को मापना, जैसा कि हम मनुष्यों के साथ संलग्न नहीं होते हैं, इससे इसकी पूरी क्षमता पर एक निश्चित चीज को प्राप्त करने के लिए और अधिक तरीके आजमाने की भूख पैदा होती है।

आत्म-सुधार आत्मनिरीक्षण के साथ करने के लिए अधिक है क्योंकि हम सबसे अच्छा जानते हैं और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमने जो समाधान पहले मांगे हैं या बाहर की दुनिया से आगे बढ़ रहे हैं, हम केवल खुद से बात करते हुए इसे अंदर से ढूंढ पाएंगे। मन को क्या चाहिए? एक अच्छी नौकरी, स्कूल में उच्च ग्रेड, वह स्वप्न कार, अपने कार्यस्थल में सहायक होना चाहते हैं, आदि, विचार बहुत ही अच्छे हैं, यह हम ही हैं जो हमारे विचारों और प्रयासों को एक निश्चित तरीके से आजमाते हैं। जिस चीज के होने की आशा है, उसे तोड़ने के लिए। और हम इसे कैसे प्राप्त करते हैं?

एक सरल सफलता मंत्र है कि कोई भी आत्म सुधार के अपने लक्ष्य का पालन कर सकता है सजगता को अपना रहा है। यह वह तरीका है, जिससे आप अपने मन को अतीत या भविष्य के लिए अपनी विचार प्रक्रिया को प्रभावित किए बिना अपना ध्यान पूरी तरह से वर्तमान में समर्पित कर देते हैं। आत्म-सुधार निश्चित रूप से अमर है और एक निश्चित उपलब्धि तक सीमित नहीं हो सकता है, लेकिन जीवन भर के लिए हमारे साथ हो सकता है, अगर हम सीखने में हार नहीं मानते हैं। इसलिए, आत्म-सुधार न केवल इतनी दूर जा सकता है, बल्कि सभी तरह से जा सकता है।